ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

सुप्रीम कोर्ट जाने पर भाजपा ने राज्य सरकार की आलोचना की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 25 मार्च, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-84

भाजपा प्रत्याशियों की नई धमाकेदार सूची घोषित

मेनका की उम्मीदवारी बरकरार बेटे वरुण का टिकट कटा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसमें 13 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। पार्टी ने पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी को टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। वरुण गांधी की मां मेनका गांधी का टिकट सुल्तानपुर से बरकरार रखा गया है।

जनरल वी.के. सिंह के चुनाव लड़ने से मना करने के बाद भाजपा ने गाजियाबाद से अतुल गर्ग को टिकट दिया है। इसके अलावा मेरठ से रामायण सीरियल फेम के अभिनेता अरुण गोविल को उम्मीदवार बनाया गया है। अलीगढ़ से सतीश गौतम, बाराबंकी से राजरानी रावत, मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, हाथरस से अनूप वाल्मीकि, बरेली से क्षत्रपाल सिंह, सहारनपुर से राघव लखनपाल, कानपुर से रमेश अवस्थी, बहराइच से अरविंद गोंड और बदायूं से दुर्विजय शाक्य को टिकट दिया गया।

पीलीभीत लोकसभा सीट पिछले चार चुनावों से भाजपा के कब्जे में है। मौजूदा समय में वरुण गांधी इस सीट से सांसद हैं। वरुण गांधी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर मुखर रहे हैं। पार्टी ने पीलीभीत सीट से जितिन प्रसाद को उम्मीदवार घोषित किया है। जितिन प्रसाद मौजूदा समय में लोक निर्माण मंत्री हैं। जितिन प्रसाद ने 2004 के लोकसभा चुनाव में शाहजहांपुर से जीत हासिल की थी। 2009 के चुनाव में वह धौरहरा सीट से सांसद बने। इस दौरान वह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय केंद्रीय मंत्री रहे।

उद्योगपति नवीन जिंदल भाजपा में शामिल, चुनाव भी लड़ेंगे

अरुण गोविल और कंगना राणावत भी भाजपा प्रत्याशी घोषित

बिहार में भी उलटफेर, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को मौका नहीं

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का पत्ता कटा

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की 40 में से 39 सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने इस बार उससे बेहतर रिजल्ट लाने के लक्ष्य को देखते हुए ज्यादा खतरा नहीं मोल लिया है। पहले जनता दल यूनाइटेड ने अपने मौजूदा सांसदों से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की। अब भारतीय जनता पार्टी ने भी वही अपनाया। जैसे ही जदयू ने प्रत्याशियों की आज सुबह घोषणा की, यह भी साफ हो गया कि अब भाजपा के पास भी बहुत माथापच्ची की संभावना नहीं बची है। वही हुआ। बक्सर से केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को बदला गया है। उनके अलावा दो सांसदों का टिकट काटा गया है।

गाजियाबाद की जनता का आभारी रहूंगा: वी.के. सिंह

गाजियाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद व मंत्री जनरल वी.के. सिंह ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 न लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मैंने सैनिक के रूप में इस राष्ट्र की सेवा में अपना सारा जीवन समर्पित किया है। पिछले 10 वर्षों से मैंने गाजियाबाद को एक विश्वस्तरीय शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। इस यात्रा में, देश और गाजियाबाद के नागरिकों के साथ-साथ भाजपा के सदस्यों का जो विश्वास और प्रेम मुझे प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह भावनात्मक बंधन मेरे लिए अमूल्य है।

भूटान नरेश ने की प्रधानमंत्री मोदी की सराहना

मोदी असाधारण नेता, दुनिया को ऐसे लोगों की जरूरत

मोदी की गारंटी थी, खराब मौसम में भी भूटान आए : पीएम शेरिंग

थिम्फू, 24 मार्च (एजेंसियां)। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असाधारण नेता बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय भूटान यात्रा पर उनकी तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया को ऐसे ही नेताओं की जरूरत है। अगर ऐसे नेता होंगे तो देशों को आगे बढ़ने और फलने-फूलने से कोई नहीं रोक सकता। पड़ोसी देश के राजा वांगचुक ने अपने संदेश में भारत की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत ने एक आशाजनक और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है। भूटान भारत की उपलब्धियों की सराहना करता है और खुशी मनाता है।

अपने संदेश में भूटान नरेश वांगचुक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दशक में न केवल उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, बल्कि एक आशाजनक और समृद्ध भविष्य का मार्ग भी दिखाया है। हम भारत की उपलब्धियों की सराहना करते हैं और इस पर अपार खुशी मनाते हैं। देशों को आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए असाधारण नेताओं की आवश्यकता होती है।

मोदी ने देश के सभी परिवारजनों को होली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा, देश के मेरे सभी परिवारजनों को होली की अनेकानेक शुभकामनाएं। स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए।

आईएयू से चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम मंजूर

चंद्रमा पर स्थापित हुआ शिव शक्ति केंद्र

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग सतह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिव शक्ति केंद्र (पॉइंट) कहा था। इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने इस नाम को मंजूरी दे दी है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश भारत बना था। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग ने दुनियाभर के देशों की स्पेस एजेंसियों को हैरान कर दिया था। सफलता के बाद 26 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग साइट को शिव-शक्ति पॉइंट कहा था। 19 मार्च को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने इस नाम को मंजूरी दे दी है।

राज्य की सभी 28 सीटें हमारी प्रतिष्ठा हैं: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि हमने राज्य के सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों को प्रतिष्ठा माना है और 20 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस के उम्मीदवार जीतेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि न केवल मेरा गृहनगर निर्वाचन क्षेत्र, मैसूरु- कोडागु, चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्र, लेकिन राज्य के सभी निर्वाचन क्षेत्र हमारे लिए प्रतिष्ठा हैं।

भाजपा और जेडीएस गठबंधन से उन्हें कोई फायदा नहीं है। लेकिन, इसमें हमारा फायदा है। हम अपनी चुनावी रणनीति के मुताबिक उपलब्धि को ध्यान में रखकर मतदाताओं के पास जायेंगे। चुनावी रणनीति में कई रहस्य हैं। हालाँकि, इसका खुलासा नहीं किया जा सकता। भाजपा चाहे कितना भी झूठ बोले, लोग उन पर विश्वास नहीं करेंगे। हमने वैसा ही किया जैसा हमने कहा था। सत्ता में आते ही हमने पांच गारंटी लागू कीं। उन्होंने कहा कि हमने लोगों के आर्थिक जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया है। हमने पहले ही गारंटी योजनाओं के लिए 52 हजार से अधिक राशि निर्धारित कर ली है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। वर्तमान में, हमारे पास चयन के लिए चार निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनकी घो-षणा सोमवार या बाद में की जाएगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि इसमें हमें कोई भ्रम नहीं है, कोई कन्फ्यूजन नहीं है। केंद्र सरकार की कई योजनाएं अभी भी लागू नहीं हो पाई हैं और लोगों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। सीएम ने कहा कि हम संगठन के तौर पर चुनाव लड़ेंगे और 20 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

साध्वी श्री सुधाकंवर का चातुर्मास विजयनगर में

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

तमिलनाडु के इरोड शहर में होली चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर्या यशकंवर जी की सुशिष्या राजस्थान प्रवर्तनी मेवाड़ सिंहनी साध्वी श्री सुधाकंवर जी की बेंगलूरु से विजयनगर संघ से अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर के नेतृत्व में 40 श्रावक श्राविकाओं ने इस वर्ष के सन 2024 हेतु चातुर्मास की विनती की। विजयनगर से लंबे समय से कई बार प्रतिनिधि मंडल द्वारा विनती की जा रही है। साध्वी ने काल, भाव, क्षेत्र के सभी आगारों सहित विजयनगर स्थानक भवन में इस वर्ष के चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की। जिससे पूरा सभागार हर्ष हर्ष व जय जयकारे से गुंजायमान हो गया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने इस हेतु सभी को बधाई दी। संघ के सहमंत्री सुनील लोढ़ा व रविन्द्र जैन ने चातुर्मास को ऐतिहासिक बनाने हेतु योजनाबद्ध तरीके से काम करने का सभी से निवेदन करते हुए सहयोग की अपील की। युवा संघ के अध्यक्ष पारसमल मेहता एवं मंत्री शंकरलाल दक ने संघ ले जाने की सुंदर व्यवस्था की।

महिला अध्यक्षा किरनबाई भंडारी, कमलाबाई बोहरा, मंजू बाई बांठिया, वरिष्ठ श्राविका सुशीलाबाई लोढ़ा सहित बहुमंडल की अध्यक्षा मीना देसरडा, मंत्री चंदा पामेचा, विहार सेवा चेयरमैन विनोद रूणवाल तथा वरिष्ठ श्रावक तेजमल भंडारी, ज्ञानचंद कटारिया, दिनेश पोरवाड़ सहित अन्य उपस्थित थे।

एसएसएलसी के लिए पहली वार्षिक परीक्षा आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कक्षा 10 (एसएसएलसी) के लिए पहली वार्षिक परीक्षा सोमवार से शुरूहोगी, और कुल 8,69,968 छात्रों, जिनमें 4,41,910 लड़के और 4,28,058लड़कियां शामिल हैं, ने राज्य भर में परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है। परीक्षा2,750 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी और कदाचार से बचने के लिए, कर्नाटकस्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) ने इस वर्ष परीक्षा प्रक्रिया कोवेबकास्ट करने और ऐप-आधारित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी करने का निर्णय लिया है। इस बार व्यवधान से बचने के लिए छात्रों को दीवारकी ओर मुंह करके बैठाया जाएगा। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन,स्मार्टवॉच, ईयरफोन समेत सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधितहैं।परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा कार्य एवं परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग वर्जित है। केवल परीक्षा केंद्र केअधीक्षक को बिना कैमरा सुविधा के बेसिक मोबाइल फोन का उपयोग करने की अनुमति होगी। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) और बेंगलूरु मेट्रो पॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) और अन्य निगम छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा प्रदान करेंगे। छात्र परीक्षा के दिन अपना आईडी कार्ड और प्रवेश पत्र दिखाकर मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। छात्रों को शैक्षणिकसंस्थानों द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए। वे परीक्षाकेंद्रों में स्कूल की वर्दी पहन सकते हैं। उन्हें ड्रेस कोड पर सुप्रीमकोर्ट और सरकार के निर्देशों का भी पालन करना होगा। स्कूली शिक्षाऔर सा-क्षरता विभाग ने सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षादेने वाले छात्रों को दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। कर्नाटकउच्च न्यायालय की एक खंडपीठ द्वारा हरी झंडी के बाद, केएसईएबी ने 25मार्च से कक्षा 5, 8 और 9 के लिए रुकी हुई बोर्ड परीक्षाओं (योगात्मकमूल्यांकन -2) को फिर से निर्धारित किया है। केएसईएबी ने पहले ही प्रत्येककक्षा के लिए दो परीक्षाएं पूरी कर ली हैं। बची हुई परीक्षाएं सोमवार दोपहर सेदोबारा शुरू की जाएंगी।

पर्व तिथि ज्ञान दर्शन और चारित्र की आराधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में होली चातुर्मास प्रसंग पर आयोजित प्रवचन में साध्वी अर्चना जी ने कहा कि पर्व तिथि ज्ञान दर्शन और चारित्र की आराधना के लिए होती हैं। ज्ञान के साथ हमारी समझदारी बढनी चाहिए और फिर ज्ञान को आचरण में लाना चाहिए। श्रेष्ठ आचरण के लिए साधक को अपने आहार का ध्यान रखना चाहिए। आहार से भाव बनते हैं। भावों से भव निर्माण होते हैं और जीव का भविष्य बनता है। आहार में न फरियाद हो न स्वाद हो और न प्रमाद हो। साध्वी श्री अर्चना श्री जी ने कहा कि आचरण के पथ में आज्ञा का पालन होना चाहिए। गुणी जनों के प्रति आदर भाव हो और साधना में आराधक भाव होने चाहिए। स्वयं की आलोचना, प्रतिक्रमण, उपवास, प्रायश्चित और क्षमायाचना श्रावकत्व को विशुद्ध बनाते हैं। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी मल्ली श्री जी ने कहा कि होली चौमासी गत चार महीनों की जीवन चर्या का लेखा-जोखा देख कर स्व आलोचना का अवसर हैं। साध्वी रुचिता जी ने ज्ञान के संग होली का रंग प्रतियोगिता कराई। साध्वी प्रतिष्ठाश्री भी उपस्थित थी। प्रवचन सभा में साधु मार्गी संघ के अध्यक्ष श्री सुंदरलाल सिपानी, मंत्री महावीर चोपड़ा के साथ कई गणमान्य जन उपस्थित थे। शूले एवं मल्लेश्वरम संघ ने आगामी चातुर्मास हेतु संघ की विनती रखी। ज्योति धोका ने संस्कार वाटिका का परिचय दिया। सभा का संचालन करते हुए अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि पुज्य महासती जी के होली चातुर्मास के संदर्भ में संघ ने इस बार आध्यात्मिक रूप से होली मनाने का निर्णय लिया। आचार्य रामलाल जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। संघ उपाध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

सुप्रीम कोर्ट जाकर कांग्रेस ने किया संघ तंत्र का अपमान: विजयेंद्र

एक घड़ियाली आंसू बहा रही कांग्रेस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सूखा प्रबंधन में अपनी विफलता और गैरजिम्मेदारी को छुपाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रांगण में प्रवेश करने वाले सीएम सिद्धरामैया का कदम राजनीति से प्रेरित है और यह एक गलत निर्णय है जो भारत की संघीय व्यवस्था और कर्नाटक की गरिमा का अपमान करता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ कई पोस्ट किए और कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपनी सभी गलतियों के लिए केंद्र सरकार पर उंगली उठाकर चुनावी स्थिति की चालाकी दिखाने जा रहे हैं। जब पिछली सरकार को सूखे और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा, तो उसने केंद्र सरकार की मदद का इंतजार नहीं किया, बल्कि राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति का संतुलन बनाए रखा और संकटग्रस्त लोगों के आंसू पोंछकर राहत दी। लेकिन सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार, जिसे किसानों की बिल्कुल भी परवाह नहीं है अपने शून्य विकास को कवर करने के लिए लोगों को भटकाने जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा शासन के तहत 2019 में 9,72,517 हेक्टेयर फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं। तब 6,71,314 लाभार्थियों को 1232.20 करोड़ मुआवजा दिया गया। 2020 में 19,68,247 हेक्टेयर फसल का नुकसान हुआ। तब 12,00,346 लाभार्थियों को 941.70 करोड़ का मुआवजा दिया गया। 2021 में 14,93,811 हेक्टेयर फसल का नुकसान हुआ। तब 18,56,083 लाभार्थियों को 2446.10 करोड़ का मुआवजा दिया गया। 2022 में 13,09,421 हेक्टेयर फसल का नुकसान हुआ फिर 14,62,841 लाभार्थियों को 2031.15 करोड़ दिया गया। लेकिन सिद्धरामैया की सोई हुई सरकार का ये ड्रामा कोई नया नहीं है। कांग्रेस सरकार जब भी आती है तो किसानों को सूखा राहत के मामले में इसी तरह का नाटक करती है। साल 2014-15 में सिद्धरामैया सरकार ने जुलाई-अगस्त 2014 के सूखे की भरपाई के लिए इनपुट सब्सिडी का भुगतान मार्च 2015 से शुरू किया था। यानी 8 महीने लग गए। वर्ष 2019-20 के दौरान जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, अगस्त-सितंबर 2019 में बाढ़ आपदा आई थी। फिर अक्टूबर 2019 से इनपुट सब्सिडी का भुगतान शुरू किया गया। यानी भाजपा सरकार को राहत देने में सिर्फ 2 महीने ही लगे। वर्ष 2020 में बाढ़ आयी। फिर अक्टूबर से राहत वितरण शुरू हुआ। यानी भाजपा सरकार ने इसे 2 महीने में पूरा किया। वर्ष 2021-22 में जब अगस्त 2021 में बाढ़ आयी तो सितंबर से ही राहत वितरण शुरू हो गया। इसमें 2 महीने लग गए।

इसी क्रम में अक्टूबर-नवंबर में एक बार फिर बाढ़ आई तो नवंबर से ही राहत बांटी जाने लगी। वर्ष 2022-23 में मई-जून-जुलाई माह में बाढ़ आने पर राहत वितरण जुलाई से प्रारम्भ किया गया। इसमें 1 महीना लग गया। इसी क्रम में फिर अगस्त-सितंबर 2022 में बाढ़ आई। फिर 2 महीने में मुआवजा बांटना शुरू कर दिया गया। लेकिन ऐसा लगता है कि कठिन समय में किसानों की मदद के बजाय किसानों के आंसुओं में अपनी राजनीतिक रोटी पकाना कांग्रेस सरकार की अमानवीय रणनीति है। प्रिय सिद्धरामैया, आपको अन्य सूखा प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को देखकर सीखना चाहिए कि संघीय व्यवस्था में केंद्र सरकार से कैसे निपटना है। कर्नाटक के लोग यह समझने के लिए काफी परिपक्व हैं कि आपकी कांग्रेस सरकार की चिंता, जो चुनाव प्रक्रिया जारी रहने के दौरान सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा रही है, एक घड़ियाली आंसू है।

बच्चों में शिक्षण सामग्री का वितरण

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ के तत्वावधान में श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला फेडरेशन की ओर से शनिवार को जैन धर्म के शास्वत तीर्थ पा-लीताना में आयोजित फाल्गण फेरी के महान दिवस के उपलक्ष में अडवीसोमपुर सन टांडा के स्कूल में 100 बच्चों में परीक्षा कीट का वितरण किया गया। संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ ने वितरण का लाभ लिया। महिला फेडरेशन की तरफ से बच्चों में लड्डू वितरित किए गए। गांव के लोगों एवं स्कूल के बच्चों ने खुशी जताई और संघ के सभी सदस्यों को तहे दिल से धन्यवाद दिया। स्कूल के प्रधान अध्यापक डी एच. मल्लेश एवं स्कूल के प्रबंधक ने आभार व्यक्त किया एवं जैन समाज के कार्यों की सराहना की। सिवांची ओसवाल जैन महिला फेडरेशन की अध्यक्ष मीना भंसाली ने कहा फेडरेशन समय समय पर समाज सेवा का कार्य करता रहता है। अभी बच्चों के परीक्षा का समय है। इस लिये परीक्षा कीट देने का विचार किया। संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ ने भी अपने विचार रखें । इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी निर्भयलाल हुंडिया, उपाध्यक्ष मुकेश बाफना, कार्यदर्शी प्रवीण संकलेचा, अरविंद बंदा, वर्धमान तातेड, अरविंद भंसाली, पवन ओस्तवाल, सिवांची महिला फेडरेशन की अध्यक्षा मीना भंसाली, कार्यदर्शी रिंकू तातेड, प्रीति लुंकड़, शोभा बाफना और पिंकी जीरावला समेत फेडरेशन कि कार्यकर्ता उपस्थित थी।

कोष आवंटित नहीं करने का मामला

सुप्रीम कोर्ट जाने पर भाजपा ने राज्य सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा ने सूखा राहत के लिए धन जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने इसे राजनीति से प्रेरित फैसला बताया और कहा कि यह कर्नाटक के इतिहास का काला दिन है। अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सोचते हैं कि उनका एकमात्र काम अपनी सभी गलतियों के लिए केंद्र पर उंगली उठाना है।

भाजपा नेता ने कहा कि सिद्धरामैया को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सीखना चाहिए कि संघीय व्यवस्था में केंद्र के साथ कैसे काम किया जाए। अशोक ने कहा चुनाव के बाद, प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए राजनीति को अलग रखें और लोगों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता दें। भाजपा नेता ने कहा, राजनीतिक कथानक स्थापित करने के लिए लोगों के हितों की बलि देना अच्छा नहीं है और इतिहास सिद्धरामैया को माफ नहीं करेगा। ज्ञातव्य है कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा था कि राज्य सरकार ने दक्षिणी राज्य को सूखा राहत जारी नहीं करने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। सीएम सिद्धरामैया ने कहा, शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार करने के बाद अपना समर्थन दिया है। उन्होंने मांग की कि पांच महीने के इंतजार के बाद हम कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर हैं। याचिका में शीर्ष अदालत से केंद्र सरकार को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) के तहत मुआवजा तुरंत जारी करने के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा हम इंतजार नहीं कर सकते। किसान इंतजार नहीं कर सकते और वे सब्सिडी की मांग कर रहे हैं। सरकार को 4,600 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी जारी करनी है। हमने एनडीआरएफ के तहत 18,171 करोड़ रुपये का मुआवजा पैकेज मांगा है। केंद्र ने नियमों का उल्लंघन किया है। उसे एक माह के अंदर पैसा जारी कर देना चाहिए था। उन्होंने कहा हमने इस संबंध में भारत सरकार को निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से प्रार्थना की है। हम कानूनी संघर्ष नहीं चाहते हैं। हमारे किसान तनाव में हैं।

कर्नाटक के साथ अन्याय

हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर करके लड़ने के लिए मजबूर हैं। कानून के अनुसार, मुआवजा दिया जाना चाहिए। हमारा राज्य केंद्र सरकार को करों के तहत 4.30 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करता है। हम अपने कर के पैसे से मांग रहे हैं। हम भीख नहीं मांग रहे हैं। हम यहां केवल करों का भुगतान करने के लिए नहीं हैं। संविधान केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए बाध्यकारी है। कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है। दिसंबर 2023 में, हमने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। उन्होंने वादा किया था कि वे 23 दिसंबर, 2023 को एक बैठक करेंगे और धन जारी करेंगे। उन्होंने धन जारी नहीं किया है।

कांग्रेस सरकार की लोकसभा चुनाव के बाद बचने की गारंटी नहीं: जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीयसंसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस बात की कोईगारंटी नहीं है कि लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक में कांग्रेस सरकारबची रहेगी। हुब्बल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए, जोशी ने कहा कि ऐसी खबरेंथीं कि अगर कांग्रेस कर्नाटक में 20 सीटें जीतने में विफल रही तो मुख्यमंत्रीसिद्धरामैया को इस्तीफा देना होगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस राज्य में पांच सेअधिक सीटें नहीं जीत पाएगी और सिद्धरामैया का इस्तीफा तय है। केंद्रीय मंत्रीने कहा कि सीएम और उपमुख्यमंत्री एक-दूसरे को मात देने की पुरजोर कोशिशकर रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से ही सिद्धरामैया उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमारको नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे थे और डिप्टी सीएम के अधिक पदसृजित करने की रिपोर्ट उसी गेमप्लान का हिस्सा थी। हासन में भाजपा-जद(एस)गठबंधन पर भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा की टिप्पणी के बारे में, जोशी नेकहा कि वह गौड़ा से गठबंधन के मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देनेके लिए कहेंगे और इसे जद(एस) सुप्रीमो एच.डी. देवेगौड़ा और भाजपा केराष्ट्रीय नेता द्वारा सुलझाया जाएगा। बेल-गावी लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपीउम्मीदवार के बारे में उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर पार्टी केटिकट के प्रबल दावेदार थे और चुनाव के दौरान छोटे-मोटेमतभेद स्वाभाविक थे। उन्होंने कहा कि इनका समाधान पार्टी आलाकमान द्वाराकिया जाएगा और पूर्व उपमुख्यमंत्री के.एस. ईश्वरप्पा भी बीजेपी के साथ होंगे औरअभी काफी समय बाकी है।

यात्रा करने के बजाय लोगों को बेंगलूरु में मतदान करना चाहिए: तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी 26 अप्रैल को बेंगलूरु दक्षिण, मध्य और उत्तर के लोकसभा क्षेत्रों के लिए पहले चरण का मतदान होने के साथ, चुनाव अधिकारियों का अनुमान है कि मतदाता वोट डालने के बजाय यात्रा की योजना बनाएंगे। इसलिए, जिला निर्वाचन अधिकारी और बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने अधिकारियों को नागरिकों को बिना किसी असफलता के मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया है। यहां उत्तर लोकसभा क्षेत्र में आम चुनाव-2024 के संबंध में बूथ स्तर के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि 353 मतदान केंद्रों पर, मतदान प्रतिशत 5 प्रतिशत से कम था, और इसलिए, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे संबंधित मतदान केंद्र के अधिकार क्षेत्र में सभी घरों का दौरा करें और मतदाताओं के बीच बिना किसी असफलता के मतदान करने के लिए जागरूकता पैदा करने का काम करें। बूथ स्तर के अधिकारियों को घर-घर जाकर पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को मतदान करने के लिए सूचित करना चाहिए और दूसरों को भी बिना चूके मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र की व्यवस्था है, जिसे फॉर्म 12डी के माध्यम से भरा जाना चाहिए। डीईओ ने यह भी कहा कि मतदान तिथि से 10 दिन पहले हर घर में वोटर कार्ड अवश्य पहुंचा दिया जाए। इस बार वोटर कार्ड में एक बार कोड होगा, जो मतदान केंद्र का स्थान बताएगा और मतदाताओं को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीख वाले टिकट हर घर तक पहुंचाए जाएं और लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित किया जाए।

जेडीएस घोषणापत्र में मेकेदातु योजना के कार्यान्वयन का करेंगे वादा: देवेगौड़ा

येदियुरप्पा और सिद्धरामैया भी करें वादा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि जेडीएस घोषणापत्र में शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए मेकेदातु परियोजना को लागू करने का वादा किया जाएगा। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मेकेदातु बांध मुद्दे को भी अपनी पार्टी के घोषणापत्र में प्रकाशित करना चाहिए। इस संबंध में डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि तीनों पार्टियों को एकजुट होकर लड़ना चाहिए और योजना को लागू करना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से योजना को मंजूरी देने का भी आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि मेकेदातु परियोजना को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जलविद्युत मंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखा है। अधिकारियों ने परियोजना का अध्ययन किया है और कहा है कि 30 टीएमसी पानी का उपयोग किया जा सकता है। इसलिए प्रधानमंत्री को मंजूरी देनी चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के घोषणापत्र में कहा है कि वह किसी भी कारण से मेकेदातु योजना को लागू नहीं होने देंगे। कावेरी नदी बेसिन में बेंगलूरु सहित 9 जिले और 22 तालुक आते हैं। उनके पीने के पानी की आपूर्ति की जानी चाहिए। बेंगलूरु में पिछले 5 महीने से पीने के पानी की समस्या विकराल बनी हुई है। बेंगलूरु में कई लोग अपने घरों में ताला लगाकर अपने घरों की ओर पलायन कर गए हैं। पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि ऐसे में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया प्रस्ताव कठोर है। पर्यावरणविदों का मानना है कि यदि मेकेदातु परियोजना लागू हुई तो 5 हजार एकड़ जमीन जलमग्न हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने पत्र में लिखा है कि कावेरी जल प्रबंधन विभाग को दोनों राज्यों की स्थानीय वास्तविकता, पानी की उपलब्धता, पीने के पानी की मांग और फसलों के आधार पर एक कठिनाई फॉर्मूला तैयार करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दो राज्यों और पांच विशेषज्ञों की एक समिति भेजने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है। मेकेदातु परियोजना और कावेरी जल प्रबंधन समिति पर तैयार परियोजना रिपोर्ट को निर्णय लेने के लिए कावेरी जल प्रबंधन विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 5 साल बाद भी कोई फैसला नहीं निकला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा, विधान परिषद सदस्य भोजे गौड़ा, थिप्पेस्वामी, पूर्व सदस्य रमेश गौड़ा, जेडीएस के प्रदेश महासचिव एपी रंगनाथ और अन्य मौजूद थे।

भाजपा ने प्रियांक खड़गे के खिलाफ चुनाव आयोग से की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी चलवाडी नारायणस्वामी ने आरडीपीआर मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ उनके सोशल मीडिया पोस्ट के लिए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को कथित रूप से अपमानजनक तरीके से संदर्भित किया गया था। अपने पोस्ट में खड़गे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई के समय पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा था आईटी, ईडी के छापे और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां जनता को वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए भाजपा की मानक संचालन प्रक्रियाओं के अलावा कुछ नहीं हैं। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वेंकटेश कुमार ने कहा कि शिकायत बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के मुख्य आयुक्त को भेज दी गई है, जो बेंगलूरु शहरी जिला चुनाव अधिकारी हैं।

जनार्दन रेड्डी आज फिर भाजपा में होंगे शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केकेपीआर के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक गली जनार्दन रेड्डी, जिन्हें अवैध खनन के आरोपों के मद्देनजर भाजपा ने निलंबित कर दिया था, मातृ पार्टी में फिर से शामिल होंगे। जनार्दन रेड्डी सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल होंगे। मालूम हो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद रेड्डी को शामिल करने को हरी झंडी दे दी है और पार्टी नेतृत्व और विचारधारा के अनुरूप बिना किसी शर्त के पार्टी में शामिल होने पर सहमति जताई है। जनार्दन रेड्डी के पार्टी में शामिल होने से भाजपा को बेल्लारी, कोप्पल, रायचूर, गदग और हावेरी जिलों में मजबूती मिलेगी। पिछले हफ्ते ही रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि मैं बिना किसी शर्त के भाजपा में शामिल होऊंगा।

इस पृष्ठभूमि में, अमित शाह ने राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र और अन्य से बात की और रेड्डी को शामिल करने के लिए एक तारीख और समय तय करने का सुझाव दिया। वह झिझक रहे थे क्योंकि कांग्रेस इसे अवैध खनन की पृष्ठभूमि में एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकती थी। लेकिन हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में जनार्दन रेड्डी ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया था। मालूम हो कि अगर कांग्रेस नेता चुनाव प्रचार में रेड्डी मामले को उछालेंगे तो भाजपा जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। कभी कर्नाटक राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाले जनार्दन रेड्डी को अवैध खनन के मामले में 5 सितंबर 2011 को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। इस केस के बाद रेड्डी का राजनीतिक भविष्य प्रभावित हो गया। सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा होने के बाद वह सक्रिय राजनीति में लौट आए। अब भी जनार्दन रेड्डी के गृह जिले बेल्लारी में प्रवेश पर रोक है। बेल्लारी में अब भाजपा के आने से राजनीतिक उतार-चढ़ाव की संभावना है।

भाजपा विधायक मुनिरत्ना का दावा

शिवकुमार 40 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होने को तैयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री मुनिरत्ना ने दावाकिया कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 40 अन्य विधायकों के साथ भाजपा मेंशामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि शिवकुमार बेताबी से भाजपा मेंशामिल होना चाहते हैं और अगर पार्टी के दरवाजे खुले तो वह अंदर जाकरपार्टी में शामिल होने के लिए तैयार हैं।उन्होंनेकहा, यह अच्छी तरह से जानते हुए भी भाजपा नेता शिवकुमार के लिए दरवाजे नहींख-ोल रहे हैं। विधायक मुनिरत्ना ने कहा शिवकुमार दावा कर रहे हैं कि वहभाजपा नेताओं को कांग्रेस पार्टी में भेज रहे हैं। लेकिन, यह विडंबनाहै कि शिवकुमार अपने अनुयायियों के साथ हमारी पार्टी (भाजपा) में शामिल होनेका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुनिरत्ना ने कहा कि उपमुख्यमंत्री के चारऔर पद सृजित करने की मांग की जा रही है। शिवकुमार सोचते हैं कि उनकेलिए कांग्रेस में रहने के बजाय भाजपा में शामिल होना सबसे अच्छा है। विधायकमुनिरत्ना ने कहा हम उनके लिए अपने दरवाजे नहीं खोलेंगे, उन्हें कांग्रेस में ही रहनेदें।

भाजपा ने सीएम सिद्धरामैया, जयप्रकाश हेगड़े के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक अनुरोध सौंपकर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि भाजपा ने राज्य में ऑपरेशन कमल जारी रखा है। विधायकों को 50 करोड़ का ऑफर देने का झूठा आरोप लगाकर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है। यह निंदनीय है कि राज्य के एक मुख्यमंत्री ने चुनाव के दौरान विपक्षी दल को परेशान करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से बिना कोई सबूत दिए आरोप लगाया है। सिद्धरामैया से इस आरोप पर गवाही देने का आग्रह किया गया है। उनकी गैरजिम्मेदारी से पार्टी का गरीमा प्रभावित हो सकती है। उनसे पार्टी से माफी मांगने और अपना आरोप वापस लेने की मांग की गई है। एक अन्य याचिका में कहा गया है कि उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश हेगड़े ने उसी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कोटा श्रीनिवास पुजारी के खिलाफ बयान देकर आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा था कि श्रीनिवास पुजारी को कन्नड़ के अलावा हिंदी या अंग्रेजी नहीं आती। याचिका में इस बयान पर आपत्ति जताई गई है कि अगर वह चुने गए तो दिल्ली में कोई काम नहीं होगा। इस याचिका में भाषा के नाम पर वोटों की भीख मांगकर अपने प्रतिद्वंद्वी को जीतने से रोकने का बयान देने वाले जयप्रकाश हेगड़े के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। विधायक और पूर्व मंत्री सुरेश कुमार, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश शेषराघव-चार, एच. वेंकटेश डोडेरी, विधि आयोग के राज्य समन्वयक वसंत कुमार ने चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा किया और शिकायत दर्ज कराई।

बिना संसदीय क्षेत्र के मतदाता बने रहेंगे कश्मीरी विस्थापित

कश्मीर के संसदीय क्षेत्रों के लिए जम्मू से ही वोट डालेंगे

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 मार्च।

कश्मीरी विस्थापित मतदाता इस बार भी बिना संसदीय क्षेत्रों के मतदाता बने रहेंगें और उन्हें इस बार भी कश्मीर के उन संसदीय क्षेत्रों के लिए जम्मू में ही मतदान करना होगा जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल हो गए हैं। दरअसल कश्मीरी विस्थापितों को डाक मतपत्रों और जम्मू, उधमपुर और नई दिल्ली में स्थापित विशेष मतदान केंद्रों के माध्यम से मतदान करने की सुविधा प्रदान करने की पिछली प्रथा को जारी रखते हुए, भारत के चुनाव आयोग ने कश्मीरी विस्थापित मतदाताओं के लिए फिर से घोषणा की है।

आयोग के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की कश्मीर घाटी में 1-बारामुल्ला, 2-श्रीनगर और 3-अनंतनाग-राजौरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के उन सभी मतदाताओं के लिए है, जो मजबूर परिस्थितियों के कारण पलायन कर गए थे और अस्थायी रूप से विभिन्न स्थानों पर रह रहे हैं। उनके सामान्य निवास स्थान से बाहर के स्थान।

चुनाव आयोग ने कश्मीरी प्रवासियों को निर्दिष्ट और अधिसूचित निर्वाचक के रूप में वर्गीकृत करते हुए दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 25 के साथ पढ़े गए संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत आयोग में निहित शक्तियों के तहत जारी की गई है, जो कश्मीर घाटी के प्रवासी मतदाताओं को निर्दिष्ट करती है जो किसी भी संसदीय में नामांकित हैं। बारामुल्ला, श्रीनगर और अनंतनाग-राजौरी के निर्वाचन क्षेत्र, लेकिन अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रहने वाले, (उन लोगों के अलावा जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 के खंड (सी) के तहत डाक मतपत्र का विकल्प चुनते हैं) के वर्ग के रूप में वे व्यक्ति जिनके लिए 2024 में होने वाले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लोक सभा के आम चुनाव के दौरान ऊपर उल्लिखित संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की क्षेत्रीय सीमाओं के बाहर विशेष मतदान केंद्र प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह अन्य अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 (सी) के तहत जारी की गई है, जिसमें 1-बारामुल्ला, 2-श्रीनगर और 3- के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकित कश्मीर घाटी के उपरोक्त प्रवासी मतदाताओं को सूचित किया गया है। अनंतनाग-राजौरी, जो अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रह रहे हैं, (उन लोगों के अलावा जो विशेष मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करने का विकल्प चुनते हैं), डाक मतपत्रों द्वारा अपना वोट देने वाले व्यक्तियों के वर्ग के रूप में।

सच में है तो बड़ी अजीब बात लेकिन जम्मू कश्मीर में यह पूरी तरह से सच है। कभी आपने ऐसे मतदाता नहीं देखें होंगें जो बिना लोकसभा क्षेत्र के हों। यहां पर हैं। वे भी एक दो सौ-पांच सौ नहीं बल्कि पूरे सवा लाख। और ये मतदाता जिन्हें कश्मीरी विस्थापित कहा जाता है पिछले 34 सालों में होने वाले उन लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करते आ रहे हैं जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल का अरसा बीत गया है।

देखा जाए तो कश्मीरी पंडितों के साथ यह राजनीतिक नाइंसाफी है। कानून के मुताबिक, अभी तक उन्हें उन क्षेत्रों के मतदाताओं के रूप में पंजीकृत हो जाना चाहिए जहां वे रह रहे हैं लेकिन सरकार ऐसा करने को इसलिए तैयार नहीं है क्योंकि वह समझती है कि ऐसा करने से कश्मीरी विस्थापितों के दिलों से वापसी की आस समाप्त हो जाएगी।

नतीजतन कश्मीर के करीब 6 जिलों के 46 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता आज जम्मू में रह रहे हैं। इनमें से श्रीनगर जिले के सबसे अधिक मतदाता हैं। तभी तो कहा जाता रहा है कि श्रीनगर जिले की 8 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले मतदाताओं का भविष्य इन्हीं विस्थापितों के हाथों में होता है जिन्हें हर बार उन विधानसभा तथा लोकसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करना पड़ा है जहां अब लौटने की कोई उम्मीद उन्हें नहीं है। और अब एक बार फिर उन्हें इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों से खड़े होने जा रहे उम्मीदवारों को जम्मू या फिर देश के अन्य भागों में बैठ कर चुनना है

अमेठी और रायबरेली सीट पर सस्पेंस बढ़ा

राहुल और प्रियंका उतरेंगे या कोई और

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। चौथी सूची में यूपी की नौ सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय वाराणसी से पीएम मोदी के सामने होंगे, इमरान मसूद सहारनपुर से और दानिश अली अमरोहा से चुनाव लड़ेंगे।

चौथी सूची के अनुसार, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से अपने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लोकसभा चुनाव मैदान में उतार दिया है। वहीं, बसपा से आए दानिश अली को अमरोहा जबकि सपा और बसपा से होते हुए कांग्रेस में पहुंचे इमरान मसूद को सहारनपुर जबकि वरिष्ठ नेता अखिलेश प्रताप सिंह को देवरिया से टिकट दिया गया है। दानिश अली का मुकाबला भाजपा के कंवर सिंह तंवर से होगा। पार्टी ने अपनी चौथी सूची में उत्तर प्रदेश के 9 सीटों समेत कुल 45 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। हालांकि इस सूची में भी अमेठी और रायबरेली जैसे महत्वपूर्ण सीटों पर प्रत्याशी तय नहीं कर पाई।

अमेठी और रायबरेली से प्रत्याशियों के नाम का ऐलान नहीं होने से सस्पेंस बढ़ गया है। अब सवाल भी उठ रहे हैं क्या अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली से प्रियंका गांधी चुनाव मैदान में होंगी। इसलिए दोनों ही सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा में देरी हो रही है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अमेठी और रायबरेली संसदीय क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार का फैसला लिया जा सकता है। जिले में कांग्रेस पार्टी से उम्मीदवारों का ऐलान नहीं होने से लोग तरह-तरह की अटकलें लगा रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता जिले में गांधी परिवार के सदस्य को ही उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग के साथ कई कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे हैं। यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शुभम सिंह ने बताया कि 27 मार्च को बैठक के दौरान ही अमेठी और रायबरेली सीट के लिए चर्चा होगी। इस दौरान सीईसी के सदस्य और गांधी परिवार खुद इस विषय पर फैसला लेगा। बताया कि बैठक के बाद 31 मार्च को पार्टी अपना मैनिफेस्टो जारी करेगी।

उधर, मध्य प्रदेश में पार्टी ने अपने दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को राजगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया है। दिग्गी राजा का मुकाबला यहां भाजपा के रोडमल नागर से होगा जिनका नाम भाजपा ने अपनी पहली ही लिस्ट में घोषित किया था। बड़े नेताओं में कांतिलाल भूरिया को मध्य प्रदेश की रतलाम सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। उनक मुकाबला भाजपा की अनिता नागर सिंह चौहान से होगा।

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम को कांग्रेस ने एक बार फिर तमिलनाडु के शिवगंगा लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया है। महाराष्ट्र में भले ही पार्टी ने शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की राकांपा के साथ सीटों के तालमेल को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया हो लेकिन चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। नागपुर में भाजपा के दिग्गज केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सामने पार्टी ने विकास ठाकरे को उतारा है।

त्रिपुरा में 72 वर्षों में पहली बार कांग्रेस-वाम मोर्चे में हुआ गठबंधन

त्रिपुरा, 24 मार्च (एजेंसियां)।

त्रिपुरा के 72 साल के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस और वाम दलों ने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर संयुक्त रूप से संसदीय चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन बनाया है। पिछले त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और वामपंथी दोनों पार्टियों ने एकजुट होकर सत्ताधारी पार्टी का विरोध किया था।

हाई प्रोफाइल त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के बीच होगा, जो इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे। आशीष कुमार साहा मौजूदा कांग्रेस विधायक सुदीप राय बर्मन के साथ फरवरी 2022 में भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

त्रिपुरा की दो लोकसभा सीटों त्रिपुरा पश्चिम और त्रिपुरा पूर्व में से त्रिपुरा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से चुनावी रस्साकशी का केंद्र बिंदु रहा है। इस सीट पर 1952 से माकपा ने 11 बार जीत हासिल की है। कांग्रेस ने इस सीट पर चार बार 1957, 1967, 1989 और 1991 में जीत हासिल की। उल्लेखनीय है कि 2018 में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की करीब 25 साल बाद हराकर भाजपा पहली बार त्रिपुरा में सत्ता में आई थी।

इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के साथ गठबंधन में 2018 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक ने 2019 में पहली बार त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट जीती।

इस बार भाजपा ने भौमिक को हटाकर देब को मैदान में उतारा, जो वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। वहीं, त्रिपुरा पूर्व से भाजपा ने महारानी कीर्ति सिंह देबबर्मन को अपना प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने राजद-नीत महागठबंधन पर किया कटाक्ष

अब महागठबंधन में जंगलराज

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)।

महागठबंधन में सीट बंटवारा अब तक नहीं हुआ है। राजद ने सिंबल बांटना शुरू कर दिया है। वामदल ने भी कुछ सीटों पर अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है।

कांग्रेस प्रत्याशी भी खुले तौर पर दावा ठोक रहे हैं। राजद और कांग्रेस के बीच चुनावी केमेस्ट्री बिगड़ने लगी है। सूत्र बता रहे हैं राजद बिहार में कांग्रेस को लिए छह से अधिक सीट छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस 12 सीट की मांग कर रही है। जदयू की विधायक बीमा भारती के राजद में शामिल होने के बाद पूर्णिया सीट से कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने दावा ठोक दिया है। ऐसे में डर है कि दोनों दलों के भी कहीं फ्रेंडली फाइट की नौबत न आ जाए।

इधर, सीट बंटवारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने महागठबंधन पर कटाक्ष किया है। उन्होंने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के पहले महागठबंधन का नामों-निशान मिट जाएगा। राकेश मिश्रा ने कहा कि महागठबंधन में सीटों को लेकर घमासान मचा है। सही मायने में महागठबंधन के अंदर जंगलराज है। राजद ने तो हद कर दी। राजद जहां भी रहेगा, वहां जंगलराज रहेगा। फिर चाहे वह सरकार में रहे या महागठबंधन में हो। कांग्रेस तो बेचरा पार्टी बन गई है।

भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि औरंगाबाद सीट भी राजद ने कांग्रेस से हथिया लिया। इससे निखिल कुमार के समर्थकों में नाराजगी है। वह अब राजद से दो-दो हाथ करने के मूड में है। निखिल कुमार के समर्थक किसी भी हाल में औरंगाबाद सीट छोड़ने के हालत में नहीं हैं। निखिल कुमार के समर्थकों की नाराजगी अपने पार्टी के शीर्ष नेताओं से हैं तो लालू प्रसाद के सामने नतमस्तक होकर याचक बन गए हैं। आलम यह है कि औरंगाबाद की कांग्रेस कमेटी इस्तीफा देने के लिए तैयार है।

वायुसेना के पूर्व प्रमुख आरकेएस भदौरिया भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (रिटायर्ड) आरकेएस भदौरिया रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामा।

अपने इस फैसले पर रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं का शुक्रिया जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि अपनी जिंदगी के 40 साल से ज्यादा भारतीय वायुसेना के लिए काम कर पाया। ये एक बहुत बड़ा गौरव का विषय रहा है। इस दौरान सबसे स्वर्णिम अवसर वह रहा है, जो कि मेरी सेवा के पिछले 8 से 10 वर्षों में इस पार्टी की सरकार की तरफ से जो कठोर कदम उठाए गए, भारतीय सेनाओं को मजबूत करने के लिए, आत्मनिर्भर करने के लिए। आधुनिकीकरण के लिए जो कदम उठाए गए, उनसे हमारी सेनाओं में क्षमता विकसित हुई है।

उन्होंने कहा, इसके साथ ही सेनाओं में एक नया आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर बनने का जो क्रम शुरू हुआ है। इसके धरातल पर प्रभाव भी दिखने लगे हैं। इससे हमारे पास स्वदेशी क्षमताएं भी आएंगी। एयर चीफ मार्श (रि) राकेश कुमार सिंह भदौरिया मूल रूप से उत्तर प्रदेश से आते हैं। वे भारत को मजबूत बनाने वाले 36 राफेल विमानों की खरीद के लिए गठित टीम का अहम हिस्सा रहे थे। राकेश कुमार सिंह भदौरिया भारतीय वायुसेना के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं। उन्होंने अब तक राफेल सहित 28 से ज्यादा प्रकार के लड़ाकू और परिवहन विमानों को उड़ाया है। एयर मार्शल भदौरिया प्रायोगिक टेस्ट पायलट होने के साथ कैट ए कैटेगरी के क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर भी हैं। इनकी कुशल परिचालन क्षमता के कारण इन्हें साल 2002 में वायु सेना पदक, साल 2013 में अति विशिष्ट सेवा पदक और साल 2018 में परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

आरकेएस भदौरिया भारतीय वायुसेना के जगुआर स्क्वाड्रन और दक्षिणी पश्चिमी सीमा पर स्थित एक प्रमुख वायुसेना स्टेशन के प्रमुख भी रह चुके हैं। एयर मार्शल भदौरिया विमान और सिस्टम परीक्षण प्रतिष्ठान में उड़ान परीक्षण स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर भी रह चुके हैं। इसी संस्थान ने भारत के पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस की प्राथमिक उड़ानों को आयोजित किया था।

ओवैसी के खिलाफ भाजपा प्रत्याशी लता ने कहा

हैदराबाद के लिए ओवैसी ने कुछ नहीं किया

हैदराबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)।

तेलंगाना की चर्चित हैदराबाद सीट पर भाजपा ने इस बार कोम्पेला माधवी लता को उतारा है। फिलहाल, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इस सीट पर सांसद हैं। हैदराबाद सीट पर सन् 1884 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से माधवी लता लगातार ओवैसी पर निशाना साध रही हैं।

उन्होंने एक बार फिर दावा किया की ओवैसी ने इस निर्वाचन क्षेत्र को केवल पीड़ा, भय और अन्याय दिया है। साथ ही यह भी दोहराया कि वह उनकी भव्य छवि से परेशान नहीं हैं।

भाजपा की 49 वर्षीय युवा उम्मीदवार लता भरतनाट्यम डांसर और उद्यमी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों के लिए भी जानी जाती हैं। अब वह 13 मई को होने वाले आम चुनावों में ओवैसी से उनके गढ़ में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। 2004 से यह सीट असदुद्दीन ओवैसी के पास ही है। माधवी लता ने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की कथित कमी के लिए एआईएमआईएम प्रमुख की आलोचना की। साथ ही उन्होंने साफ किया कि वह ओवैसी की विशाल छवि से परेशान नहीं हैं।

जब लता से पूछा गया कि वह राजनीति में नई हैं और ओवैसी को कैसे टक्कर देंगी, इस पर उन्होंने पलटवार करते हुए पूछा कि ओवैसी की किस तरह की छवि है। उन्होंने कहा, आप इनकी विशाल छवि पेश करते है, लेकिन यह मायने रखता है कि किस तरह की छवि है। यदि आपके पास विशाल छवि है, एक नकारात्मक छवि है, तो इसे खत्म करने के लिए एक कंकड़ से अधिक की आवश्यकता नहीं है। उदाहरण के लिए, यदि आपने ताश के पत्तों से एक घर बनाते हैं, तो इसे गिराने के लिए कितनी ऊर्जा की आवश्यकता है।

भाजपा उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि पीड़ा, पिछड़ापन, अन्याय, डर और असुरक्षा के अलावा हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में ओवैसी ने कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जरूरी यह है कि मतदाताओं को निर्वाचन क्षेत्र की सच्चाई से अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा, ओवैसी अच्छी तरह जानते हैं कि मैं उनके सामने कैसे खड़ी होऊंगी।

पिछले चुनावों में जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रचार के लिए पुराने शहर में जाने की कोशिश की तो उन्होंने उन्हें रोक दिया। आज वही लोग (कांग्रेस) उनके मित्र हैं। भाजपा प्रत्याशी ने जोर देकर कहा कि वह किसी हथकंडे से नहीं डरेंगी। उन्होंने मतदाताओं से सड़क, फ्लाईओवर, मेट्रो रेल, स्वच्छता, आवासीय इलाकों, स्कूलों, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं सहित विकास का वादा किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में प्रसिद्ध मोती, लाख की चूड़ियों के व्यापार को बढ़ावा देना और आईटी कंपनियां भी उनके एजेंडे में हैं।

उन्होंने कहा, मैं वहां के पसमांदासों (पिछड़े मुसलमानों) के सामने कैसे खड़ी हो सकती हूं? मैं उन हिंदुओं के खिलाफ कैसे खड़ी हो सकती हूं जो वहां डर में जी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन क्षेत्र में कोई विकास नहीं हुआ है। सड़क किनारे कूड़े के ढेर की कुछ तस्वीरें दिखाते हुए उन्होंने पूछा, क्या यही हैदराबाद है? उन्होंने कहा कि राज्य की राजधानी को आईटी हब के रूप में जाना जाता है, लेकिन आईटी क्षेत्र हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में नहीं फैला है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, आप हैदराबाद लोकसभा को हैदराबाद कह सकते हैं और वहां एक भी आईटी कंपनी नहीं होगी? क्या यही विकास है? मुझे वहां एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बारे में बताएं।

शुभ लाभ

कांग्रेस नेतृत्व का प्रत्याशी-संकट फिर उजागर

पीएम मोदी के खिलाफ फिर से अजय राय को उतारा

वाराणसी, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष योग्य प्रत्याशियों की कितनी किल्लत है, यह इस बार के चुनाव में भी उजागर हो रहा है। कांग्रेस नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई कद्दावर प्रत्याशी देने के बजाय फिर से अजय राय को उतारा है। अजय राय उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और बार पहले भी पीएम के खिलाफ मैदान में उतर कर हार चुके हैं।

कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को वाराणसी लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। वह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव मैदान में होंगे। उनका नाम पहले से ही तय माना जा रहा था। वह 2014 और 2019 में भी चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों चुनाव में वह तीसरे नंबर पर थे। कांग्रेस ने 2014 के लोकसभा चुनाव में अजय राय को भाजपा के प्रधानमंत्री पद के दा-वेदार और प्रत्याशी नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव मैदान में उतारा था। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने भी चुनाव लड़ा था और वह दूसरे नंबर पर रहे।

अजय राय तीसरे नंबर पर थे। वहीं, 2019 के चुनाव में भी अजय राय तीसरे स्थान पर थे। उस चुनाव में सपा की शालिनी यादव दूसरे नंबर पर थीं। तब सपा और बसपा के बीच गठबंधन हुआ था। अब एक बार फिर से पार्टी ने अजय राय को प्रत्याशी बनाया है। इस बार कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राजनीतिक करिअर की शुरुआत भाजपा से ही की थी। 1996 से लेकर वह 2007 तक भाजपा के टिकट से ही लगातार तीन बार विधायक रहे। 2009 में उन्होंने पार्टी से लोकसभा का टिकट मांगा। टिकट न मिलने पर वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। यहां 2009 में सपा की टिकट पर चुनाव लड़ा मगर जीत हासिल नहीं कर सके। 2009 में ही उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पिंडरा क्षेत्र से उप-चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद 2012 में वे कांग्रेस से जुड़े और पिंडरा सीट से जीत हासिल की।

अजय राय पर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं। इनमें गुंडा एक्ट और गैंगस्टर के मामले भी शामिल हैं। 2015 में एनएसए के तहत गिरफ्तार भी किए जा चुके हैं। इन्हीं आपराधिक मामलों को लेकर 2021 में उनके चार शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए गए थे। उस समय तत्कालीन डीएम कौशल राज शर्मा ने अजय राय के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश दिए थे। जातीय समीकरण की बात करें तो कुर्मी समाज के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। रोहनिया और सेवापुरी में सबसे अधिक कुर्मी समाज के वोटर हैं। इसके अलावा ब्राह्मण और भूमिहार की संख्या भी अच्छी है। एक आंकड़े के मुताबिक तीन लाख से अधिक गैर यादव ओबीसी, दो लाख से अधिक कुर्मी मतदाता और करीब दो लाख ही वैश्य और करीब पौने दो लाख भूमिहार मतदाता हैं। इसके अलावा एक लाख यादव और एक लाख के करीब अनुसूचित जाति के मतदाता हैं।

भाजपा को पहले से पता था कि अजय राय ही वाराणसी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी होंगे। इसी वजह से पार्टी ने भूमिहार मतदाताओं को साधने की व्यवस्था पहले ही कर ली थी। हाल ही में धर्मेंद्र सिंह को एमएलसी बनाया गया है। धर्मेंद्र भूमिहार बिरादरी से आते हैं। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव का संयोजक सुरेंद्र नारायण सिंह को बनाया गया है। वह भी भूमिहार बिरादरी से आते हैं। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।

इसी तरह महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी विद्यासागर राय के पास है। वह कैंट विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। कैंट, रोहनिया और शहर उत्तरी विधानसभा सीट वाराणसी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा प्रत्याशी हैं। दरअसल, 2014 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र मोदी को पौने छह लाख वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर रहे अरविंद केजरीवाल को करीब दो लाख वोट मिले थे। 2019 के चुनाव में नरेंद्र मोदी की जीत का आंकड़ा और बड़ा हो गया था। उन्हें करीब पौने सात लाख वोट मिले तो दूसरे नंबर पर रहीं सपा की शालिनी यादव को दो लाख वोट मिले थे।

बसपा और अपना दल कमेरावादी के बीच फंसा पेंच

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। सपा से गठबंधन तोड़ने के बाद तीन सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाले अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने यू-टर्न लेते हुए अपने फैसले को रद्द कर दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि जल्द ही नई सीटों की घोषणा की जाएगी।

तीन दिन में फैसला बदले जाने से पल्लवी की पार्टी और बसपा के साथ गठबंधन होने की संभावनाओं को बल मिला है। सूत्रों का कहना है कि इस संबंध में पल्लवी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच बातचीत हो चुकी है। जल्द ही गठबंधन की औपचारिक घोषणा हो सकती है।

इस आधार पर ही उन्होंने तीनों सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले को रद्द किया है। सपा से गठबंधन तोड़ते हुए तीन दिन पहले ही पल्लवी ने फूलपुर, कौशांबी और मिर्जापुर सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। तभी से बसपा ने उनसे बातचीत करने के लिए एक नेशनल कोऑर्डिनेटर को लगाया है। कोऑर्डिनेटर के जरिए मायावती से करीब दो-तीन राउंड की बात हो चुकी है।

होली के बाद पल्लवी की मायावती के साथ बैठक तय है। इसमें गठबंधन को अमली जामा पहनाया जा सकता है। सूत्रों का यह भी कहना है कि बसपा के साथ होने वाले नए गठबंधन में अपना दल (कमेरावादी) के साथ ही सपा से रिश्ता तोड़ने वाली जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) समेत कई अन्य छोटे दल भी शामिल हो सकते हैं। अपना दल (कमेराव-ादी) और बसपा के बीच गठबंधन को लेकर सभी मुद्दों पर सहमति बन गई है, लेकिन सिंबल को लेकर मामला अटका है। बसपा चाहती है कि पल्लवी पटेल बसपा के सिंबल पर चुनाव लड़ें। जबकि पल्लवी अपने सिंबल पर लड़ना चाहती हैं। उन्हें पांच सीटें मिल सकती हैं।

बसपा ने जारी की 16 उम्मीदवारों की लिस्ट

सात मुस्लिम प्रत्याशियों को मिला टिकट

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। बहुजन समाजवादी पार्टी ने रविवार को 16 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में बसपा ने सात मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया है। इसमें सहारनपुर सीट पर सपा-कांग्रेस गठबंधन के इमरान मसूद के सामने माजिद अली को उतारा गया है। कैराना लोकसभा सीट इकरा हसन के सामने श्रीपाल सिंह होंगे।

मुजफ्फरनगर सीट से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर से विजेन्द्र सिंह मैदान में होंगे। नगीना (सु) से सुरेन्द्र पाल सिंह को बसपा से टिकट मिला है। मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी को प्रत्याशी बनाया है। रामपुर सीट से जीशान खान चुनाव लड़ेंगे। सम्भल लोकसभा सीट से शौलत अली को उतारा है। यह शफीकुर्रहमान बर्क के के उत्तराधिकारी जियाउर्रहमान को टक्कर देंगे। अमरोहा लोकसभा सीट से बसपा ने मुजाहिद हुसैन को प्रत्याशी बनाया है। इनका मुकाबला भाजपा के कंवर सिंह तवर और सपा-कांग्रेस गठबंधन के दानिश अली से होगा।

बसपा प्रत्याशियों की लिस्ट के मुताबिक सहारनपुर सीट से माजिद अली, कैराना लोकसभा सीट से श्रीपाल सिंह, मुजफ्फरनगर सीट से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर लोकसभा सीट से विजेन्द्र सिंह, नगीना (सु) सीट से सुरेन्द्र पाल सिंह, मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी, रामपुर से जीशान खान, संभल से शौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, मेरठ से देववृत्त त्यागी, बागपत से प्रवीण बंसल, गौतमबुद्ध नगर से राजेन्द्र सिंह सोलंकी, बुलंदशहर (सु) से गिरीश चन्द्र जाटव, आंवला से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू और शाहजहांपुर (सु) से डॉ. दोदराम वर्मा चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस ने तीसरी बार खेला इमरान पर दांव

कैराना के बाद सहारनपुर में विपक्ष की खास रणनीति

सहारनपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता माने जाने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद पर कांग्रेस ने तीसरी बार दांव खेला है। कांग्रेस की तरफ से इमरान मसूद को सहारनपुर सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है। इमरान के प्रत्याशी घोषित होने के बाद एक बार फिर से 2019 लोकसभा चुनाव वाले समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं।

सहारनपुर लोकसभा सीट को मुस्लिम बहुल माना जाता है। जिस पर मुस्लिमों की संख्या करीब सात लाख है। बसपा की तरफ से लोकसभा क्षेत्र प्रभारी माजिद अली को प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। दूसरी तरफ कांग्रेस से इमरान मसूद के मैदान में आ गए हैं। ऐसे में भाजपा के सामने बड़े राजनीतिक दलों से दो मुस्लिम प्रत्याशी हो जाएंगे, जिस कारण इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव हो सकता है। 2019 में भी भाजपा के सामने दो मुस्लिम प्रत्याशी थे। जिसमें बसपा-सपा गठबंधन के प्रत्याशी हाजी फजर्लुरहमान ने जीत हासिल की थी।

इसकी वजह यह थी कि हाजी फजर्लुरहमान को मुस्लिम-दलित समीकरण का लाभ मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं दिख रहा। क्योंकि बसपा अकेले चुनाव लड़ रही हैं और अनुसूचित वर्ग के वोटरों का झुकाव आज भी बसपा की तरफ ही है। ऐसे में इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव हो सकता है। जिसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। क्योंकि 2014 में जहां इमरान मसूद को 407909 वोट मिले थे वहीं 2019 के चुनाव में वह 207068 वोट ही हासिल कर सके थे।

2014 के चुनाव के दौरान इमरान मसूद ने प्रधानमंत्री को लेकर बोटी-बोटी वाला बयान दिया था, जो उस समय काफी सुर्खियों में रहा था। इस बयान के बाद ध्रुवीकरण हो गया था। उनकी हार की वजह यह बयान ही माना जाता है। इस बार सपा और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। कैराना सीट पर सपा ने इकरा हसन को मैदान में उतार रखा है। अब कांग्रेस ने सहारनपुर से इमरान मसूद को उतारकर गठबंधन ने दोनों सीटों पर मुस्लिम कार्ड खेल दिया है। इससे मुस्लिम समाज को तो खुश कर दिया, लेकिन दोनों सीटों पर मुसलमानों के अलावा अनुसूचित वर्ग समेत अन्य समाज भी प्रत्याशी को संसद तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाता है। देखना है इस बार क्या परिणाम निकलता है।

इमरान मसूद ने पहली बार 2014 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था। इसमें भाजपा के राघव लखनपाल ने 472999 वोट लेकर जीत हासिल की थी। दूसरे स्थान पर इमरान मसूद को 407909 वोट और तीसरे स्थान पर बसपा के जगदीश राणा 235033 वोटों के साथ रहे थे। इमरान मसूद 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर फिर मैदान में आए। इस बार बसपा के हाजी फजर्लुरहमान ने 514139 वोटों के साथ जीत दर्ज की।

दूसरे स्थान पर भाजपा के राघव लखनपाल 491722 और तीसरे स्थान पर इमरान मसूद 207068 वोटों के साथ रहे थे। मूलरूप से गंगोह के रहने वाले इमरान मसूद का परिवार राजनीतिक घराना रहा है। साल 2006 में सह-ारनपुर नगर पालिका का चुनाव जीता और साल 2007 विधानसभा चुनाव में सपा से टिकट मांगा। टिकट नहीं मिलने पर वह मुजफ्फराबाद विधानसभा सीट से निर्दलीय लड़े और जीते। 2012 में विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस से उन्हें नकुड़ विधानसभा सीट से टिकट मिला, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2014 में उन्होंने फिर से पाला बदला और सपा में पहुंच गए। सपा ने सहारनपुर लोकसभा से टिकट दिया। इस चुनाव में भी उन्हें हार मिली। 2017 में वह फिर कांग्रेस में आए और पांच साल तक रहे। 2022 में वह फिर सपा में चले गए। निकाय चुनाव से ऐन वक्त पहले उन्होंने टिकट नहीं मिलने पर बगावती तेवर दिखाते हुए सपा को छोड़कर बसपा में एंट्री मार दी। करीब छह माह पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की तारीफ करने पर बसपा ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया था।

सपा नेतृत्व जनता के सवालों में उलझा

पार्टी, परिवार और पूर्वांचल क्या साध पाएगी सपा?

आजमगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। आजमगढ़ सीट पर समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर परिवार के सदस्य धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया है। बदायूं से सांसद रहे धर्मेंद्र यादव के सामने अब सपा का खोया जनाधार हासिल करना और परिवार की विरासत वापस पाना तो चुनौती होगी ही।

आजमगढ़ से पूर्वांचल साधने की सपा की सियासी रवायत को भी निभाने का जिम्मा होगा। 2022 के उपचुनाव में भाजपा के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ उन्हें शिकस्त दे चुके हैं। इससे पहले 2014 में प्रचंड मोदी लहर में भी सपा ने अपनी इस पारंपरिक इस सीट को बचा लिया था, मुलायम सिंह यादव सांसद बने थे।

फिर 2019 में खुद अखिलेश यादव यहां उतरे और जीत हासिल की थी। 2019 में जब अखिलेश यादव इस सीट से उतरे थे तो उद्देश्य सिर्फ यह नहीं था कि परिवार की विरासत को बचाए रखनी है। बल्कि पूर्वांचल की राजनीति में पार्टी की सियासी स्थिति और मजबूत करना था। इसका फायदा पार्टी को 2022 के विधानसभा चुनाव में मिला भी। मगर अखिलेश के करहल सीट से विधायक बनने के बाद यहां हुए उपचुनाव में भाजपा की जीत के साथ ही सपा का किला दरक गया।

सपा के एक वरिष्ठ नेता की मानें तो सपा इस सीट को हर हाल में पाना चाहती है। यहां जीत को लेकर सपा इसलिए भी आश्वस्त है क्योंकि आजमगढ़ लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली पांचों विधानसभाओं गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ सदर और मेहनगर में समाजवादी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट के जातीय समीकरण के हिसाब से अखि-लेश यादव जीत पक्की मान रहे हैं। यहां 19 लाख मतदाता में करीब यादव मतदाता 26 फीसदी और मुस्लिम मतदाता 24 फीसदी को जोड़ दें तो 50 फीसदी वोटरों पर सपा की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

दूसरी ओर सपा ने भाजपा की घेरेबंदी के लिए बसपा के पिछले चुनाव में प्रत्याशी रहे गुड्डू जमाली को अपने पाले में ले लिया है। सपा मुखिया का जोर आजमगढ़ में अन्य जातियों के साथ यादव व मुस्लिमों मतदाताओं को पूरी तरह साधने पर है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का यह कहना है कि सपा के लिए जीत इन आंकड़ों के बाद भी आसान इसीलिए भी नहीं हैं क्योंकि वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद चुनाव लड़ते हैं और ऐसे में वह पूरे मंडल की सीटों पर उसका प्रभाव डालते हैं। ऐसी स्थिति में धर्मेंद्र यादव के लिए खोया जनाधार को वापस पाना किसी चुनौती से कम नहीं है।

आजमगढ़ सीट पर पार्टी कोई रही हो सांसद बनने में पिछले तीन दशक में यादव-मुस्लिम प्रत्याशी का दबदबा रहा है। साल 1996 और 1999 में सपा, 2004 में बसपा और 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर रमाकांत यादव आजमगढ़ सीट से लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में रमाकांत यादव को मुलायम सिंह यादव ने चुनाव हरा दिया था। से चुनाव हार गए थे। 1998 और 2008 में बसपा टिकट पर अकबर अहमद डंपी सांसद बने। बीच में एक बार साल 1991 में जनता दल और 2009 और 2022 के उपचुनाव में भाजपा जीती।

एनर्जेटिक रहना है तो कैफीन छोड़िए और डालिए सीढ़ियां चढ़ने की आदत

न्यूयॉर्क। रोजाना 10 मिनट सीढ़ियां चढ़ने से आप अपने भीतर अधिक ताजगी महसूस करेंगे. यह 50 मिलीग्राम कैफीन या सोडा की एक कैन के बराबर ऊर्जा देता है. अमेरिका के जार्जिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व शोध के सह लेखक पैट्रिक जे. ओ कोनोर ने कहा, हमने पाया कि कैफीन और सीढ़ियों पर चहलकदमी करने की दोनों स्थितियों में उन्हें कैसा महसूस हुआ, इसमें ज्यादा अंतर नहीं था.

ओ कोनोर ने कहा, वह व्यायाम के साथ ज्यादा ऊर्जावान और फुर्तीला महसूस करते हैं. लेकिन 50 मिलीग्राम कैफीन से उन पर ज्यादा प्रभाव नहीं दिखाई दिया.

इस शोध का प्रकाशन पत्रिका साइकोलॉजी एंड बिहेवियर में हुआ है. इसका मकसद कार्यालय के माहौल में दिक्कतों को दूर करना है, जहां कार्यालय में लोग घंटों, कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठकर अपना समय व्यतीत करते हैं और लोगों के पास व्यायाम करने के लिए ज्यादा समय नहीं है.

इस शोध के लिए प्रतिभागियों को अलग- अलग रोज कैफीन के कैप्सूल या 10 मिनट सीढ़ियों पर चहलकदमी करने का मौका दिया गया.

ओकोनोर ने कहा कि इस व्यायाम को लोग कार्यालय में आसानी से कर सकते हैं. सीढ़िया आसानी से उन्हें मिल सकती हैं और वे थोड़ा समय इस पर दे सकते हैं और अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं.

हेल्थ नॉलेज

जानें क्या है हीमोफीलिया

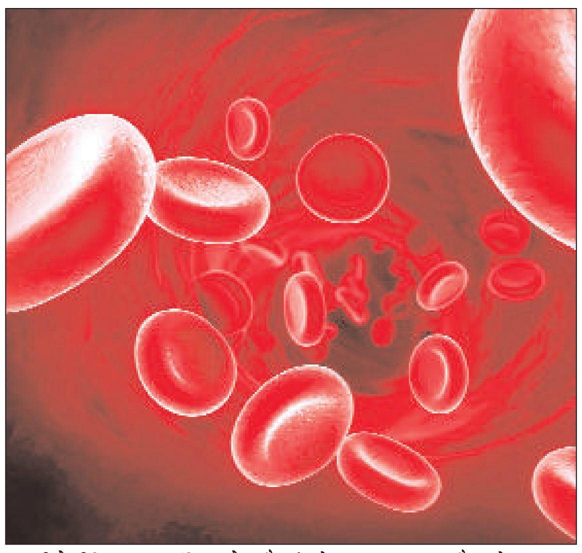

हीमोफीलिया आनुवंशिक रोग है जिसमें शरीर के बाहर बहता हुआ रेत जमता नहीं है। हीमोफीलिया के रोगियों को अन्य मरीजों की तुलना में अधिक समय तक रेतस्राव होता रहता है। हीमोफीलिया बीमारी दो तरह की होती है हीमोफीलिया ए और हीमोफीलिया बी। यह एक अनुवाशिंक बीमारी होती है। इस बीमारी में शरीर में रेत के थेके बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिसके कारण, चोट लगने पर रेत जम नहीं पाता और वह असामान्य रूप से बहता रहता है। इस बीमारी पर तब तक लोगों का ध्यान नहीं जाता, जब तक कि उन्हें किसी कारण से गंभीर चोट न लगे और उनमें रेत का बहना न रुकें।

हीमोफीलिया से पीड़ित लोगों के रेत में प्लाज्मा प्रोटीन, फैं टर VIII बहुत कम मात्रा में होता है। यदि फैं टर VIII, सामान्य स्तर का, 5% से 40% ही है, तो इसे माइल्ड हीमोफिलिया कहते हैं। यदि फैं टर VIII, सामान्य स्तर का 1 % से 5 % ही है, तो इसे मॉडरेट हीमोफीलिया कहते हैं। यदि फैं टर VIII, सामान्य स्तर से 1% से भी कम है, तो इसे सीवियर हीमोफीलिया कहते है। यदि रोगी के शरीर में इसकी बहुत ज्यादा कमी हो जाए तो लक्षण और गंभीर हो जाते हैं। शिशुओं और छोटे बच्चों में हीमोफीलिया की पहचान हो जाती है।

कैसे होती है बीमारी

यह बीमारी बच्चों को अपने माता-पिता से विरासत में मिलती है। जब दोषपूर्ण जीन, बच्चों के अंदर आता है तो बच्चा, इस बीमारी का शिकार हो जाता है। लेकिन कभी-कभी शिशु के जन्म से पहले यदि जीन में कोई बदलाव आ जाए तो भी वह बच्चा इस का शिकार हो जाता है। इस प्रक्रिया को `यूटेशन कहा जाता है। ऐसा बहुत दुर्लभ मामलों में ही होता है। इस प्रकार के हीमोफिलिया को अेवायर्ड हीमोफीलिया कहते हैं। यदि गर्भवती महिला कैंसर की शिकार हो या उसने कुछ ऐसी दवाइयों का सेवन किया हो तो उससे पैदा होने वाले शिशु को इस प्रकार का हीमोफिलिया हो सकता है।

हीमोफीलिया ए के लक्षण

यदि कोई व्येति हीमोफिलिया का शिकार है तो उसके मांसपेशियों और जोड़ों में रेतस्राव हो सकता है और साथ ही कोई हरकत करने पर दर्द भी महसूस हो सकता है। कभी-कभी सूजन और सूजन वाली जगह को छूने पर गर्माहट का भी एहसास हो सकता है। हीमोफीलिया से पीड़ित रोगी के दिमाग में भी रेतस्त्राव है। बिना किसी कारण के, नाक से खून निकलना, मूत्र या मल में खून आना, शरीर में चोट के बड़े निशान का बनना आदि हीमोफीलिया ए के लक्षण होते है।

बचाव के तरीके

चोट लगने की स्थिति में खून जमाने और घाव भरने के लिए मुंह से खाने वाली दवाएं और चोट वाली जगह पर लगाने की दवाएं आदि भी दी जाती हैं। मांसपेशियों और हड्डियों की मजबूती के लिए नियमित व्यायाम करें। यह आपकी सामान्य तंदुरूस्ती के लिए भी जरूरी है और आपके जोड़ों को भी स्वस्थ रखने और उनमें इंटर्नल `लीडिंग से बचाव में लाभदायक होगा। अगर आपका बच्चा बाहर खेल रहा है या साइकल चलाना सीख रहा है अथवा चला रहा है तो आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। खेलते समय हेलमेट, एल्बो और नी पैड्स एवं प्रोटेंटिव जूते पहनाकर रखें।

कैसे करें लीवर का बचाव...?

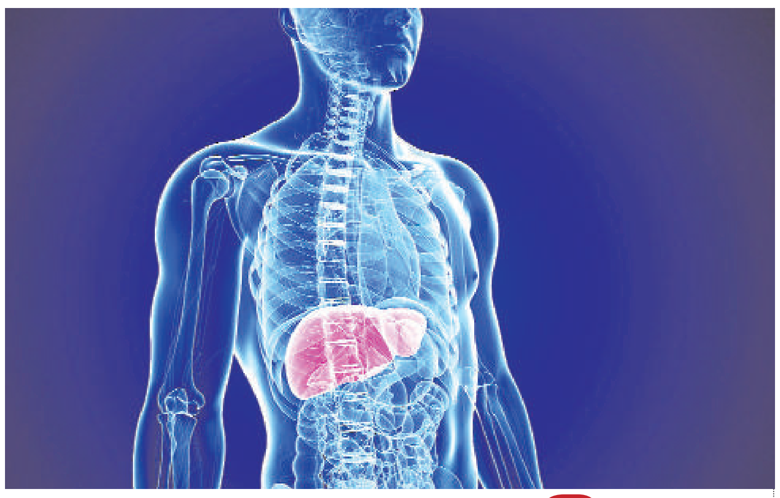

लीवर शरीर की सबसे महत्वपूर्ण और बड़ी ग्रंथी है। यह पेट के दाहिनी ओर नीचे की तरफ होती है। लिवर शरीर की बहुत सी क्रियाओं को नियंत्रित करता है। लिवर खराब होने पर शरीर की कार्य करने की क्षमता न के बराबर हो जाती है और लिवर डैमेज का सही समय पर इलाज कराना भी जरूरी होता है नहीं तो यह गंभीर समस्या बन सकती है। गलत आदतों की वजह से लीवर खराब होने की आशंका सबसे ज्यादा होती है। जैसे शराब का अधिक सेवन करना, धूम्रपान अधिक करना, खट्टा ज्यादा खाना, अधिक नमक सेवन आदि। भारत में 32 फीसदी लोग लीवर की किसी न किसी समस्या से ग्रसित हैं, लेकिन इसमें से सबसे अधिक वे लोग हैं जो अधिक मात्रा में शराब का सेवन करते हैं। लीवर में बीमारी होते ही यह सिरोसिस का रूप ले लेती है। लिवर को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है टॉसिंस वायरस। इसलिए लिवर का उपचार करने से पहले रोगी का खून साफ होना जरूरी है ताकि लीवर पर जमें दूषित दोष नष्ट हो सके और लीवर का भार कम हो सके। इसलिए रोगी को अतरिंत विश्राम की जरूरत होती है।

प्राकृतिक चिकित्सा

प्राकृतिक चिकित्सा के द्वारा लिवर का बचाव किया जा सकता है। प्रातःकाल उठकर कुछ कदम पैदल चलें और चलते चलते ही खुली हवा की गहरी सांसे लें। इससे लाभ मिलेगा। सप्ताह में सरसों की तेल की मालिश पूरे शरीर में करें। मिट्टी का लेप सप्ताह में एक बार पूरे शरीर पर जरूर लगाएं। आप सप्ताह में एक बार वाष्प का स्नान भी लें। सन बाथ भी आप कर सकते हैं।

हल्दी का प्रयोग

लीवर की बीमारी को ठीक करने की प्राकृतिक औषधि है हल्दी। ह ल द ी एंटीओसीडेंट के रूप में काम करती है। सुबह या रात को सोने से पहले एक चेमच हल्दी को एक गिलास दूध में घोलकर पीने से लीवर की समस्या में राहत मिलती है।

प्याज का सेवन

लिवर सिरोसिस यानी लिवर संकोचन होने पर 100-100 ग्राम प्याज खाने से राहत मिलती है। सेब का सिरका रोज पीने से लीवर की बीमारी ठीक होती है। लीवर को पूरी तरह से खराब होने से बचाया जा सकता है यदि आप अपने खाने में जैतून यानी ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। हल्की आंच में जैतून के तेल में खाना पकाएं।

पानी की कमी न हो

शरीर में पानी की कमी से लीवर भी प्रभावित हो सकता है। लीवर की समस्या उस इंसान को कभी नहीं होगी जो रोज पांच से आठ लीटर पानी पीता है। पानी लीवर पर जमी हुई गंदगी को साफ करता है।

शहद का सेवन

लीवर की समस्या से ग्रसित इंसान को शहद का सेवन करना चाहिए। शहद वह रोटी के साथ भी खा सकता है। गरम पानी में एक चेमच शहद मिलाकर भी पी सकते हैं। लीवर की अच्छी सेहत के लिए गुनगुने पानी में शहद मिलाकर जरूर पीएं।

अलसी खाएं

लीवर की बीमारी में अलसी का सेवन भी काफी फायदेमंद होता है। अलसी को दरदरा होने तक पीस लें और इसे आटे के साथ मिलाकर या सलाद में डालकर सेवन करने से लीवर की हर एक बीमारी ठीक हो जाती है।

आहार चिकित्सा

लीवर संबंधी बीमारी को दूर करने में आहार चिकित्सा भी जरूरी है। यानी क्या खाएं और कितनी मात्रा में खायें यह जानना भी जरूरी हैं। लिवर की बीमारी से परेशान रोगीयों के लिए ये आहार महत्वपूर्ण होते हैं। लिवर की बीमारी में जूस का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है। लिवर के रोगी को नारियल पानी, शुद्ध गन्ने का रस, या फिर मूली का जूस अपने आहार में शामिल करना चाहिए। पालक, तोरई, लौकी, शलजम, गाजर, पेठा का भी जूस ले सकते हैं। दिन में 3 से 4 बार आप नींबू पानी का सेवन करें। सब्जियों का सूप पीएं, अमरूद, तरबूज, नाशपाती, मौसमी, अनार, सेब, पपीता, आलूबुखारा आदि फलों का सेवन करें। सब्जियों में पालक, बथुआ, घीया, टिंडा, तोरई, शलजम, अंवला आदि का सेवन अपने भोजन में अधिक से अधिक से करें। सलाद, अंकुरित दाल को भी अधिक से अधिक लें। भाप में पके हुए या फिर उबले हुए पदार्थ का सेवन करें।

इनका सेवन अधिक करें

जामुन लिवर की बीमारी को दूर करने में सहायक होता है। प्रतिदिन 100 ग्राम तक जामुन का सेवन करें। सेब का सेवन करने से भी लिवर को ताकत मिलती है। सेब का सेवन भी अधिक से अधिक करें। गाजर का सूप भी लिवर की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है। यदि लिवर में सूजन है तो खरबूजे का प्रयोग अधिक से अधिक करें। पपीता भी लिवर को शक्ति देता है। आंवला विटामिन सी के स्रोतों में से एक है और इसका सेवन करने से लीवर बेहतर तरीके से कम करने लगता है । लीवर के स्वास्थ्य के लिए दिन में 4-5 कच्चे आंवले खाने चाहिए। एक शोध साबित किया है कि आंवला में लीवर को सुरक्षित रखने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। पालक और गाजर का रस का मिश्रण लीवर सिरोसिस के लिए काफी फायदेमंद घरेलू उपाय है। गाजर के रस और पालक रस को बराबर भाग में मिलाकर पिएं।

हेल्थ अलर्ट

हाइपरथायराइडिज्म का कैसे करें निदान...?

हाइपरथायराइडिज्म के कई लक्षण काफी आम होते हैं। इसी वजह से कई बार इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। कई बार इन्हें थकान व कमजोरी समझकर अनदेखा कर दिया जाता है और आगे चलकर यह एक गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। हाइपरथायराइडिज्म में पर्याप्त भोजन करने के बाद भी रोगी का वजन घटता जाता है। उसके स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने लगता है। आम दिनों की अपेक्षा थायराइड में रोगी जल्दी-जल्दी थक जाता है। जब भी आपको इस तरह के लक्षण महसूस करें तो डॉटर से जरूर संपर्क करें। डॉटरी जांच के बाद ही यह पता चल सकेगा कि आखिर इन सब लक्षणों के पीछे`या कारण हैं।`या ये लक्षण हाइपरथायरइडिज्म के हैं या किसी अन्य वजह से आपको इस तरह की परेशानियों की सामना करना पड़ रह है। जानिए हाइपरथायराइडिज्म का निदान कैसे हो सकता है।

टीसीएच टेस्ट

हाइपरथायराइडिज्म की पहचान के लिए सबसे पहले टीसीएच जांच का सहारा लिया जाता है। इस जांच के जरिए रोगी के रेत में टीसीएच की थोड़ी सी भी मात्रा के बारे में जाना जा सकता है साथ ही थायराइड कितना सक्रिय है इसकी भी सही जानकारी मिलती है। टीसीएच टेस्ट विशेष रुप से कम हाइपरथायराइडिज्म की पहचान के लिए किया जाता है। सामान्य रूप से टीसीएच की मात्रा सामान्य से नीचे हो तो रोगी को हाइपरथायराइडिज्म और अगर टीसीएच की मात्रा सामान्य से ज्यादा है तो रोगी को हाइपोथायराइडिज्म की शिकायत होती है।

टी3 व टी4 टेस्ट

इस जांच से रेत में टी3 व टी4 की मात्रा का पता लगाया जाता है। हाइपरथायराइडिज्म में इन दोनों में से किसी एक हार्मोन का या दोनों हार्मोन का स्तर रेत में सामान्य से ज्यादा होता है।

टीएसआई टेस्ट

इस जांच थायराइडस्टीयूलैटिंग एंटीबॉडी टेस्ट भी कहते हैं, जिसमें रेत में टीएसआई की मात्रा मापी जाती है। ज्यादातर लोग जो ग्रेव्स रोग से ग्रस्त होते हैं उनमें यह एंटीबॉडी पाया जाता है लेकिन वे लोग जिनको हाइपरथायराडिज्म किसी अन्य वजह से है उनमें यह नहीं पाया जाता है।

रेडियोएक्टिव आयोडीन जांच

इस जांच के जरिए रेत से थायराइड ग्रंथि द्वारा एकत्र किए गए आयोडीन की मात्रा का पता लगाया जाता है। रोगी के थायराइड में आयोडीन की मात्रा से पता चलता है कि हाइपरथायराडिज्म के पीछे `या वजह है। जैसे अगर आयोडीन की मात्रा कम है तो यह थाईरोइडिटिस और अगर आयोडीन की मात्रा ज्यादा है तो यह ग्रेव्स रोग की ओर संकेत करता है।

थायराइड स्कैन

थायराइड स्कैन यह दिखाता है कि थायराइड में कैसे और कहां-कहां आयोडीन की मात्रा पहुंची है। नोड्यूल्स के चित्र व अन्य संभावित अनियमिताओं के जरिए हाइपरथायराइडिज्म का पता लगाया जा सकता है।

विल्म्स ट्यूमर में डॉक्टर को कब संपर्क करें

अगर बच्चे के पेट में असामान्य तौर पर कोई गांठ या परेशानी हो रही है या पेट में लगातार दर्द हो रहा है तो भी चिकित्सक से सेपर्क करें। बच्चों में किडनी के कैंसर को विल्स ट्यूमर कहते है। यह कैंसर का सबसे आम प्रकार है और यह 2 साल से लेकर 15 साल के बीच के बच्चों में पाए जाते हैं, लेकिन 3 से 4 साल के आयु वर्ग के बच्चों को ज्यादा प्रभावित करता हैं। विल्स ट्यूमर की घटना 5 साल की उम्र के बाद कम हो जाती है और वयस्कों में तो बहुत कम दिखाई देती है। अभी तक इस कैंसर का सही कारण ज्ञात नहीं हो पाया है।

अगर बच्चे में विल्स ट्यूमर की पुष्टि होती है तो बच्चों के विशेषज्ञ द्वारा पैथालाजिकल जांच भी कराएं। जितनी जल्दी हो सके बच्चे को पेडियाट्रिक कैंसर सेंटर ले जाएं जहां कि दुर्लभ विकार की चिकित्सा की जाती है। आइए उन लक्षणों के बारे में जानें जिनके दिखने पर डॉटर से संपर्क करना चाहिए।

पेट में सूजन: बच्चे के पेट में एक तरफ अत्यधिक सूजन का होना परन्तु ऐसा भी हो सकता है कि इस प्रकार की गांठ किसी प्रकार की तकलीफ न दें। ऐसी किसी भी प्रकार की सूजन के दिखने पर तुरन्त अपने डाक्टर से संपर्क करें।

पेट में दर्द होना: अगर 5 साल तक के बच्चे के पेट में दर्द हो रहा है और दर्द लगातार कई दिनों तक बना हुआ है और अक्सर उल्टियां भी हो रही हो तो तुरन्त डाक्टर से संपर्क करें।

यूरीन में ब्लड: यदि आपके बच्चे के यूरीन में ब्लड आ रहा है तो तुरन्त अपने डॉक्टर को दिखाए।

हाई बीपी: हाई ब्लेड प्रेशर(हाइपरटेंशन), जो कि तब होता है जब ट्यूमर किडनी में रक्त का संचय रोक देता है, तो बिना किसी देरी के अपने डाक्टर से संपर्क करें। इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर बिना किसी संकोच के अपने डाक्टर से संपर्क करें यह सब लक्षण विल्म्स ट्यूमर के हो सकते है।

क्या बेहतर है जूस पीना या फल खाना?

कई लोगों का कहना है कि फलों का जूस पीना सेहत के लिए फायदेमंद है। तो वहीं कुछ लोग मानते हैं जूस नहीं, फल खाना ज्यादा हेल्दी होता है। दोनों मे`या बेहतर है आप भी यह जरूर जानना चाहते होंगे। तो जानिए`रूट और`रूट जूस से जुड़ी खास बातें...

मिथः फ्रुट्स खाना हेल्दी होता है, बजाय जूस पीने के।

फैं ट : जूस भी हेल्दी होता है। फल के रस में भी उतने ही न्यूट्रिशंस होते हैं, जितने फल में। दरअसल, फलों के रस में फाइटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं। हां, यह जरूर कह सकते हैं कि फलों में मौजूद फाइबर पेट के लिए काफी फायदेमंद होते हैं और जूस बनाने पर फाइबर नहीं मिल पाते, लेकिन जूस पीने से आप तुरंत एनर्जेटिक हो जाते हैं। दरअसल,`रूट जूस बॉडी में इंटरफेरान और ऐंटीबॉडीज के लेवल को बढ़ा देता है और इनमें पाया जाने वाला नेचरल शुगर हार्ट को स्ट्रॉंग करता है। इससे बॉडी से यूरिक ऐसिड और दूसरे हार्मफुल केमिकल्स बाहर निकल आते हैं, जिससे आप दिनभर एनजेर्टिक और फ्रेश बने रहते हैं।

मिथः घर में बना फ्रेश फ्रूट जूस ही पीना चाहिए।

फैं ट : घर पर बने जूस से आपको टेस्ट और न्यूट्रिशंस के साथ साफ जूस मिलेगा। यानी हाइजीन को लेकर कोई समस्या नहीं होगी। कई बार बाहर के जूस में लेवर या पानी मिला दिया जाता है, जिससे जूस का फायदा आपको मिल ही नहीं पाता। सिर्फ इसलिए घर पर जूस बनाकर पीने की सलाह दी जाती है।

मिथ : मिस फ्रूट्स जूस ज्यादा हेल्दी होता है।

फैं ट : जरूरी नहीं कि दो फलों से बना हर तरह का जूस आपको फायदा ही देगा। मसलन, अंगूर, सेब और संतरे जैसे फलों का रस मिलाकर पीना हार्ट की प्रॉलम और इन्फेंशन से गुजर रहे लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। दरअसल, ये फल दवाइयों का इफेंट आधा कर देते हैं। कनाडा के वेस्टर्न आंटारियो यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम के मुताबिक, कुछ खास दवाओं के साथ फलों के रस का सेवन उस दवा के असर को कम कर सकता है। अगर आप जूस पी रहे हैं, तो शुरू में केवल 100 मिली जूस ही लें। इसके बाद रोजाना 50 मिली के हिसाब से बढ़ाएं। 400 मिली से ज्यादा मिस जूस कतई न लें।

मिथः अगर दिनभर में दो से तीन बार फ्रुट जूस पीना है, तो एक ही फल का पीएं।

फैं ट : अच्छा रहेगा कि आप बदलकर जूस पीएं। एक बार आप जिस फ्रुट का जूस पी चुके हैं, उसे दोबारा न लें। अगली बार दूसरे फल का जूस लें। इससे आपका फैट नहीं बढ़ेगा और आपकी बॉडी को कई तरह के न्यूट्रिशंस मिल पाएंगे।

मिथः ज्यादा जूस पीने से हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।

फैं टः यह सच है। फलों के रस में विटमिन, प्रोटीन, फैट्स, मिनरल्स और विटमिन-सी की मात्रा अधिक नहीं होती, लेकिन शुगर की मात्रा इसमें बहुत ज्यादा होती है। इसलिए फलों का रस पीने के बाद लूज मोशन या फिर पेट दर्द जैसी शिकायत हो सकती है। अगर आप जूस ज्यादा पीते हैं, तो बॉडी में बहुत ज्यादा कैलरीज जाएंगी।

मिथः पैं ड जूस से वजन बढ़ता है।

फैं ट : पैं ड जूस में हाई कैलरीज होती हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है। इनमें एनर्जी का लेवल बहुत हाई होता है। इनके इस्तेमाल से भूख तो बढ़ती है, लेकिन वजन बढ़ने की संभावना भी काफी हद तक बढ़ जाती है। ऐसे में वेट कम करने की कोशिशें बेकार जाती हैं।

मिथः पैं ड जूस से पेट में दिक्कत हो सकती है।

फैं ट : कुछ फलों में सार्बिटॉल जैसी शुगर होती है, जिससे पेट संबंधी प्रॉलम हो सकती है। चेरी, नाशपाती, ऐपल जैसे फलों में ऐसा ही शुगर पाया जाता है। इन फलों के पैं ड जूस पीने से गैस और डायरिया की संभावना बढ़ जाती है। रिफाइंड शुगर से बने होने के कारण पैं ड जूस डायबिटीज के मरीजों के लिए हानिकारक साबित होते हैं। भले ही इनकी पैकिंग में लो शुगर लिखा हो, फिर भी शुगर के मरीजों को इनके सेवन से बचना चाहिए। पैं ड जूस में फ्रुट की स्किन नहीं होती, इसलिए नेचरल फाइबर्स नहीं मिल पाते हैं।

शरीर को फ्रूट और वेजिटेबल्स अेजॉर्ब करने में जितना समय लगता है, उससे कम समय में जूस अेजॉर्ब हो जाता है। ऐसे मे`लड शुगर तेजी से बढ़ता है। कई फलों के छिलके में बड़ी मात्रा में फाइबर मौजूद होते हैं। कुछ फलों के छिलकों में कैंसर रोकने वाले न्यूट्रिशंस भी होते हैं। जबकि पैकिंग में यूज होने वाले`रूट से फलों के छिलके हटा दिए जाते हैं।

रेसिपी

स्पिनॅच फोन्ड्यु

सामग्री

1 कप कटा और हल्का उबला हुआ पालक, 1 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, 1 कप फ्रेश क्रीम, 1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च, स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** ब्रुन पाव के टुकड़े

विधि

कोर्नफ्लॉर को 1/4 कप पानी के साथ एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। हल्के उबले हुए पालक को मिक्सर में पीसकर मुलायम प्युरी बना लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन को गरम करें, कोर्नफ्लॉर-पानी के मिश्रण के साथ, सभी सामग्री डालकर लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिए या मिश्रण के गाढ़ा होने तक पका लें। ब्रुन पाव के टुकड़ो के साथ तुरंत परोसें।

जीरा-पैपर रसम

सामग्री

मसाला के लिए: 1 टी-स्पून घी, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 1/2 टी-स्पून तुवर दाल, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/4 टी-स्पून हींग, **अन्य सामग्री:** 2 टी-स्पून घी, 1 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 7 - 8 कड़ी पत्ते, 2 टेबल-स्पून इमली का पल्प , 2 कप पानी के सात मिलाया हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

मसाला के लिए: एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें, सभी सामग्री डालकर धीमी आँच पर 2 से 3 मिनट या इनमें से खुशबु आने तक भून लें। हल्का ठंडा कर लें और 2 टेबल-स्पून पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, ज़ीरा, लाल मिर्च और कड़ी पत्ते डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। इमली का पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट या इमली की कच्ची खुशबु निकल जाने तक उबाल लें। तैयार पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर और 2 मिनट के लिए उबाल लें। गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

सरकारी बसें कितनी आगे

सही समय पर प्रशासनिक दखल के परिणाम किस तरह बेहतर हो सकते हैं, इसका एक उदाहरण एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने पेश किया है। वह डीटीसी के साथ एक अनुबंध करके न केवल दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है।

> दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है।

करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है। यह दीगर है कि एचआरटीसी की प्रबंधकीय क्षमता पर राजनीति हावी होकर ऐसे फैसले लेती रही है, जिससे सार्वजनिक परिवहन की वित्तीय स्थिति निरंतर घाटे के नीचे दबी रहती है। अनावश्यक बस डिपो खोलकर राजनीति ने अपना कद भले ही ऊंचा कर लिया, लेकिन घाटे के सौदे में सरकारी बसें खुद पर शर्मिंदा हैं। बेशक अंतरराज्यीय बसों से एचआरटीसी की कमाई की रीढ़ दिखाई देती है, लेकिन राज्य स्तरीय व स्थानीय बस संचालन में अनावश्यक खर्चों को ढोती हुई बस सेवा कंगाल हो चुकी है। निजी बसों के मुकाबले सरकारी बसों की छवि, दक्षता, उपयोगिता व कमाई की औसत दर प्रदेश पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। राज्य व स्थानीय रूट परमिट को देखते हुए परिवहन नीति में बदलाव से निजी निवेश को बढ़ावा मिलना चाहिए। एचआरटीसी अपने बस अड्डों के मार्फत आय का दायरा बढ़ा सकती है। बड़े शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों के बस स्थानक अपने आप में पर्यटन परिसर साबित हों, इस हिसाब से निजी निवेश के साथ पार्टनरशिप बढ़ानी होगी। एचआरटीसी के बस अड्डे कल के मॉल होने चाहिएं तथा इनके साथ महापार्किंग की अवधारणा में प्रयास करने होंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम अगर दिल्ली में डीटीसी के साथ मिलकर बचत कर रही है, तो ऐसे आदान-प्रदान हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ भी होने चाहिएं। मसलन एचआरटीसी चंडीगढ़-दिल्ली के बीच बस ठहराव के साथ एक रिजॉर्ट विकसित कर सकती है, जबकि पंजाब के कई रूट्स में भी ऐसी संभावना को देखना चाहिए। एचआरटीसी अगर पठानकोट से बस डिपो का संचालन कर सकती है, तो दिल्ली, चंडीगढ़ व हरिद्वार से क्यों नहीं। परिवहन की दृष्टि से एचआरटीसी को पर्यटन रूट के अलावा स्थानीय परिवहन को भी अलग से परिभाषित करना होगा। निश्चित रूप से एचआरटीसी ने कुछ धार्मिक स्थलों को हिमाचल से जोडक़र ऐसी पहल की है, लेकिन जयपुर, मसूरी, अमृतसर, कुरुक्षेत्र व जम्मू के साथ पर्यटन परिवहन की नई तस्वीर पेश करनी होगी। हिमाचल के भीतर साइट सीईंग के पैकेज अगर एचआरटीसी शुरू करे, तो धार्मिक पर्यटन से आगे नई मंजिलें तैयार होंगी। प्रदेश में परिवहन की एक परिपाटी में हम एचआरटीसी की भूमिका को देखते हैं, जबकि इसकी संपूर्णता में निजी क्षेत्र की क्षमता काफी आगे है। एचआरटीसी के दायरे में निजी क्षेत्र का निवेश अगर परिवहन के उद्देश्य व संगत से हो, तो घाटे के फेरे लाभ की स्थिति में आ सकते हैं।

स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं

विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में सबकी जिम्मेदारी

अवधेश वुमार

> मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कईं महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96 .88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49 .7 करोड़ तथा महिला 47 .01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10 .5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है।

चुनाव आयोग द्वारा मतदान तिथियों की घोषणा के साथ लोकसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत हो गईं है। जैसा मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कईं महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96.88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49.7 करोड़ तथा महिला 47.01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10.5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है। विश्व के नेताओं और विश्लेषकों में आज भी ऐसे लोग हैं जो भारत के इतने बड़े चुनाव के शांतिपूर्ण संपन्न हो जाने पर आर्यं व्यत्त करते हैं। स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अगर छोटे चुनावों को देखें तो 16 राष्ट्रपतियों एवं उपराष्ट्रपतियों का चुनाव भी इसी तरह संपन्न कराया जा चुका है। निाति रूप से इसमें चुनाव आयोग की प्रमुख भूमिका होती है लेकिन देश का राजनीतिक प्रतिष्ठान और मतदाताओं का अपनी व्यवस्था के प्रति सम्मान एवं अनुशासन नहीं हो तो यह संभव नहीं हो सकता। वास्तव में हम अपनी व्यवस्था, राजनीतिक दलों, मतदाताओं की सोच और व्यवहार की आलोचना करते हैं पर संसदीय लोकतंत्र का जो ढांचा, उससे जुड़ी हुईं जो व्यवस्थाएं हमारे समक्ष उपस्थित हैं और विश्व समुदाय की प्रशंसा पाती हैं वह इनके बगैर संभव नहीं हो सकता। इस चुनाव की विशेषता यह है कि पहली बार एक करोड़ 82 लाख मतदाता पहली बार अपना वोट डालेंगे। 20 वर्ष से 29 वर्ष के बीच के मतदाताओं की संख्या 19 करोड़ 74 लाख है। इतनी बड़ी युवा आबादी किसी देश का भविष्य होती है और मतदान द्वारा भविष्य के सत्ता और विपक्ष की भूमिका तय करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

होती है। कोईं भी व्यवस्था संपूर्ण रूप से दोषरहित नहीं होती। कितु इतनी संख्या में मतदाताओं को संभालने के लिए लगभग 1.5 करोड़ चुनाव अधिकारी और सुरक्षा कर्मियों के साथ 2100 पर्यवेक्षकों की भूमिका होती है। वुल 3 लाख 40 हजार से अधिक सुरक्षा बल के जवान तैनात होंगे, जिनमें सबसे ज्यादा पामि बंगाल में 92,000 तथा उसके बाद जम्मू कश्मीर में 36,000 होंगे। इसलिए हमारी वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संचालन में इन सबकी भूमिका स्वीकार करनी होगी। लोकसभा चुनाव हम सबको अपने उत्तरदायित्वों का भान कराता ही है यह अवसर इसका भी अहसास कराता है कि जिन्हें हम हर स्तर पर सत्ता शीर्ष पर देखते हैं केवल उनकी ही भूमिका हमारी व्यवस्था तंत्र को आगे ले जाने और बनाए रखने में नहीं होती। भारी संख्या में लोग समय-समय पर इसमें योगदान करते रहते हैं। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की संवेदनशीलता है जिसमें चुनाव आयोग यहां तक घोषणा कर चुका है और इसकी व्यवस्था भी है कि जो मतदाता मतदान वेंद्रो तक पहुंचने की स्थिति में नहीं हैं वह घर से मतदान का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें उपलब्ध होगा। अगर कहीं एक मतदाता ऐसा होगा तो उसके भी मतदान की व्यवस्था कराईं जाएगी। यह पहली बार होगा जब पचासी से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांग वाले अपने घर से मतदान कर सवेंगे। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 85 वर्ष से अधिक उम्र के 82 लाख पंजीवृत मतदाता है, जबकि 2.38 लाख मतदाताओं की उम्र 100 वर्ष से अधिक है। यानी इन मतदाताओं ने अपने देश का पहला आम चुनाव भी देखा होगा या इनमें से वुछ नहीं मतदान भी किया होगा। 88.35 लाख दिव्यांग मतदाताओं की संख्या है। व्यवस्था में कमियां हैं कितु यही इन सारे लोगों को लोकतांत्रिक प्रायिा का अंग बनाने की तैयारी भी दिखाता है। यही अप्रोच हमारे चुनाव प्रणाली को आज काफी सहज, सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने में प्रमुख कारण रहा है। अगर एप्रोच में संवेदनशीलता और स्पंदनशीलता नहीं हो तो न इतना ज्यादा मतदाता जागरूकता अभियान चलाने और न ही सुरक्षा से लेकर मतदान को भ्रष्टाचार व कदाचार से मुत्त रखने के लिए इतना भारी भरकम तंत्र उपयोग में लाया जाता। एक समय था जब भारत में महिलाओं का मतदान प्रतिशत कम होता था। कितु अब यह स्थिति बदली है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा चुनावों में अनेक स्थानों पर मतदान करने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा रही है। वैसे भी 12 राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा हो गईं है। यानी महिलाओं में भी स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीवृत कराने की जागरूकता बढ़ी है। इसकी कल्पना काफी पहले नहीं थी। चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि लगातार आम चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है। यह सब यूं ही नहीं हुआ है। चुनाव आयोग और अन्य संस्थाएं मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हैं तो इसके साथ अगर मतदाताओं को अपनी सुरक्षा का विश्वास नहीं हो तो काफी संख्या मतदान वेंद्रों तक नहीं जाएंगे। देश में जब राजनीति के अपराधीकरण का दौर था, बाहुबली मत लूटते थे, हत्या तक करते थे तब काफी संख्या में आम लोग मतदान करने से दूर रहते थे। यह स्थिति बदल गईं है । इनमें चुनाव आयोग, न्यायपालिका मीडिया सबकी भूमिका है। कितु राजनीतिक दलों को अलग कर दें तो इसका विश्लेषण पूरा नहीं होगा।

दृष्टि कोण

योग स्वास्थ्य के लिए रामबाण

आज जब प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, ये अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति

यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्त का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, ये नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कत्र्तव्यपरायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रियजनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्र्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कत्र्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है।

कुछ अलग

वारिस और वसीयत...

वक्त बदलने के साथ-साथ बातों का अर्थ, जीने का अंदाज, प्रेमालाप का तरीका तक कुछ इस कद्र बदल गया है कि हम पहचान ही नहीं पाते कि क्या यह हमारा वही संसार है जिसमें हम तन कर हमेशा 'सही को सही' और 'गलत को गलत' कहते रहे। तब की बात और थी हुजूर। तब हम सच के हक में आवाज उठाते थे, तो दस लोग हमारी हां में हां मिलाने के लिए खड़े हो जाते थे। हां में हां मिलाने वालों की तो आज भी कमी नहीं, लेकिन जमाने ने सच के अर्थ और यथार्थ के सन्दर्भ ही बदल दिए, इसलिए हां में हां मिलाने वाले अब किसी सत्कार्य के लिए खड़े होने वाले नहीं, बड़े आदमी की चाटुकारिता में अर्थ तलाशने वाले हो गए। जी, यह इस अर्थ का मतलब समझने वाला नहीं, मतलब साधने वाला है। अर्थ वहीं कालमता साहिब, कि जिसके लिए पहले कहा जाता था, 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा।' लेकिन आज जब मुसाफिरों को कहीं जाने की जरूरत नहीं तो भला उन्हें जागने की क्या जरूरत? अब वह गोपाल कृष्ण कहां जो सत्ताधीश होकर भी सुदामा को नहीं भूले। मिलने आए मित्र की पोटली छीन कर खोल ली। उसमें सत्तू थे, आधे-आधे बांट कर खा लिए। मानते हैं कि चुनाव करीब हैं। अब सुदामा के सत्तुओं की पोटली का महत्व बढ़ सकता है। वोट मांगने के लिए तुम्हारी पोटली की थाह लेने तेरे द्वार तक दोबारा सत्ताधीश बनने की चाह रखने वाले आएंगे। जो इनके नीचे से कुर्सी खिसका दें, ऐसे विपक्षी भी तेरा द्वार खटखटाएंगे। भला तेरी सत्तुओं की पोटली में इतनी कुव्वत है कि वह आधी-आधी बंट कर दोनों का पेठ भर सके? अजी क्या गए बीते जमाने की बातें करते हो? पेट तो देखो इन भद्रजनों के भरे-भराये हैं। वे तेरे सत्तू बांटने नहीं तुझे अपने सपने के एक टुकड़े की खैरात देने आए हैं। पिछली बार पांच साल पहले सपनों की आमद का भ्रमजाल बिछा तेरे मतपत्रों का जिंदाबाद ले गए थे। फिर तुझे या तेरी पोटली या उसमें बंधे सत्तू भूल अपनी साइकिलों को आयातित गाडियां बनाने में लगे रहे। अब चुनाव युग आने की घंटी टनटनायी तो फिर तेरी सुदामा का सुदामा रह जाने और उसकी पोटली के और भी फट जाने की याद आई। अब उसकी उधडऩ सीने के लिए नारों के नए सूई-धागे के साथ सपनों का नया टुकड़ा भी लाए हैं। देखो, हर हाथ को काम देने का वायदा था, उसकी सुध नहीं ली। उस वायदे के चेहरे पर 'अपना हाथ जगन्नाथ' और 'स्वरोजगार' की सफेदी की पुताई करते रहे। अब फिर तेरे वोट मांगने का समय आया तो तेरी पोटली मुंह बाये है। इस बीच तो इसका मुंह और भी खुल गया। बीच के चार दांत भी गायब हो गए। नेता जी क्या जवाब दें? गरीब की पोटली तो वैसे ही रहनी थी। अब क्या इस फेर में हर दिन अपनी भारी भरकम होती जा रही गठरी को भी गंवा दें? साहिब, चाहे सब कुछ बंटाधार हो जाए, लेकिन देश की लोक संस्कृति, लोक जीवन और लोकतंत्र पर आंच नहीं आने देनी है। पहले भी नहीं आने दी थी। एक दो नहीं पूरे पांच राज्यों में चुनाव करवा डाले। ईवीएम मशीनों की धूल-मिट्टी झड़ गई। अगर इस बीच दाना-पानी के अभाव में चंद लोग मिट्टी में मिट्टी हो गए, तो क्या गम? सब पास हो गए, किसी को फेल नहीं होने दिया। देख लो शिक्षा क्रांति हो गई और युवा पीढ़ी भी एक दर्जा ऊपर चली गई। यह महिला सशक्तिकरण का जमाना है, और तुम लोग उनकी आर्थिक दुर्दशा की बात करने लगे। अरे समझदारों ने कैसे-कैसे हल निकाल लिया। जिंदगी मौत का भरोसा नहीं। समस्या है अपनी अगाध सम्पदा की वसीयत किसके नाम लिखें? यारों के पास इसका समाधान है। किराए की कोख लेकर बिना नजदीक गए अपने लिए वारिस पैदा करवा लीजिए।

देश दुनिया से

वनों से शहरी हरित स्थानों तक की यात्रा

> वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही डॉ मोनिका कौशिक की इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत हुई। वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) में बीएससी की पढ़ाई करते समय, उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वन्यजीव जीव विज्ञान (वाइल्डलाइफ बायोलॉजी) और पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) उनके संभावित कैरियर विकल्प बन सकते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में ही पर्यावरण जीव विज्ञान (एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी) में परास्नातक डिग्री हासिल करने के दौरान ही उनके सामने इससे छिपी संभावनाएं सामने आई। समुदाय पारिस्थितिकी (कम्युनिटी इकोलॉजी) और वन्यजीव जीव विज्ञान के पाठ्यक्रमों ने उनके लिए एक नया संसार उजागर कर दिया, जिसने पारंपरिक कक्षाओं की सीमाओं को पार करते हुए उनके अंदर एक जुनून पैदा किया। यही जुनून अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, चंबल वन्यजीव अभयारण्य की एक फील्ड ट्रिप के दौरान। वहां घड़ियालों के लिए चलाए जा रहे मनमोहक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम (कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम) ने उनके ऊपर एक अमिट छाप छोड़ी। स्थानीय जैव विविधता पहलों में सक्रिय भागीदारी के साथ यह अनुभव उनके जुनून को और उत्तेजित करने लगा, जो अब पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका था। उन्हें अब समझ आने लगा था कि वन्यजीव जीव विज्ञान सिर्फ जंगली जानवरों की तस्वीरें लेने के बारे में नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्रों के भीतर जटिल संबंधों को समझने के बारे में भी है।

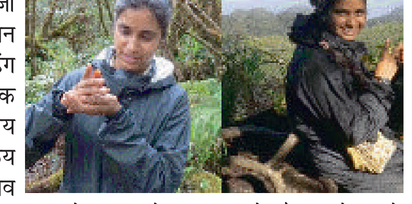

महत्वपूर्ण क्षणः लैंटाना और एवियन बीज फैलाव की गतिशीलता की खोज : स्नातकोत्तर अध्ययन के वर्षों में, खासकर वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में पीएचडी के दौरान, उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने कर्नाटक में एक इंटर्नशिप के लिए अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एटीआरई) से डॉ. अंकिला हिरेमथ से संपर्क किया। डॉ. हिरेमथ ने उनका अपने एक प्रोजेक्ट में स्वागत किया, जो बिलीगिरी रंगा स्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य में लैंटाना की गतिशीलता पर केंद्रित था। यह इंटर्नशिप लैंटाना (लैंटाना एक ऐसा सुन्दर पौधा है जो देखने जितना मनमोहक है उतना ही हानिकारक भी है पशुओं के लिए), देशी पक्षी समुदायों और पक्षियों द्वारा बीज फैलाने के संबंधों पर केंद्रित थी। उनका विशेष ध्यान लैंटाना के देशी फलदार पौधों के बीज फैलाने पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने पर था, जिसने क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों की नींव रखी थी।

चुनौतियों से निपटना, एक यात्रा : बीते सालों को याद करते हुए, वे खुलकर उन चुनौतियों के बारे में बताती हैं जिनका सामना उन्हें करना पड़ा। वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी इंटर्नशिप के बारे में साझा किया जिसके दौरान उन्हें अलग राज्य में इंटर्नशिप करने का मौका मिला। उनका परिवार ज्यादा पढ़ा लिखा न होने के बावजूद शिक्षा की महत्वता को भली भाँति समझता था, उनके पिताजी हमेशा से चाहते थे की उनकी बेटी डॉक्टर बने और अपने सपनो को पूरा करे और यही जूनून डॉ मोनिका में भी था इसीलिए सारी बाधाओं को पार करके अपने सपने को पूरा भी किया। इन सब के बावजूद अपने परिवार को समझाना उनके लिए कोई आसान काम नहीं था, विशेषकर ऐसी फील्ड के लिए राज़ी करना जहाँ जंगली जानवर तो थे ही साथ में कम महिलाओ का होना भी एक चिंता का कारण बना हुआ था। डॉ मोनिका बताती है कि उनके परिवार की चिंता तब दूर हुई जब उन्हें यह बताया गया कि उन्हें एक महिला सलाहकार सहित अन्य शोधकर्ताओं के साथ बेस कैंप में तैनात किया जाएगा। शुरुआत के दिनों में उन्हें वन अधिकारियों के फ्रंटलाइन कर्मचारियों का रुखा व्यव्हार देखने को मिला लेकिन उनके लिए फ्रंटलाइन कर्मचारियों से मान्यता प्राप्त करना प्राथमिक लक्ष्य नहीं था। उनके दिमाग बस इस बात पर केंद्रित था कि कैसे उन्हें चुनौतियों के बावजूद अपना काम पूरा करना है।

आप का नजरिया

परिसर में हिंसक भीड़

आज एक ऐसा मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे शिक्षण-संस्थानों के भीतर हिंसक भीड़ और उनके हमलों से जुड़ा है। यह भीड़ हमारी संस्कृति और हमारे मूल्यों से जुड़ी नहीं है, बल्कि एक देश के तौर पर हमें कलंकित करती है। जब मामला विदेशी छात्रों पर हिंसक हमले का सामने आता है, तब हमारे चिंता और सरोकार बढ़ जाते हैं। चूंकि दुनिया एक कुटुम्ब की तरह, आपस में अंतरंग रूप से, जुड़ रही है, लिहाजा यह उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की बुनियादी जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और स्थिर समाज के कारक और प्रोत्साहक बनें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) का सिद्धांत और ब्रह्मवाक्य भी है। बीते शनिवार को गुजरात यूनिवर्सिटी के अहमदाबाद परिसर में एक भीड़ ने 5 विदेशी छात्रों पर तब हमला किया, जब वे रमजान के पाक महीने में नमाज पढ़ रहे थे। ऐसे हमले हमारी शिक्षा नीति के सिद्धांत, उसकी प्रतिबद्धता और आश्वासन को खंडित करते हैं। वीडियो में करीब 25 युवा छात्र विदेशी छात्रों पर हमले करते दिख रहे थे। श्रीलंका, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के 1-1 घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यकीनन यह आपराधिक घटना थी और विश्वविद्यालय के परिसर में कानून-व्यवस्था का सरासर उल्लंघन किया गया। फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने कानून को हाथ में लेकर लीपापोती की कोशिश की। हालांकि दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिर्फ यह बयान दिया कि वह गुजरात सरकार के संपर्क में है। वह और कर भी क्या सकता था? दूसरी आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया यह सामने आई कि हिंसक हमले के पीड़ितों को ही 'दोषी' करार देने की कोशिश की गई। मुद्दा यह है कि ऐसा हमला विदेश में भारतीय छात्रों के साथ भी हो सकता था। ऐसी घटनाएं होती भी रही हैं। तब हम कैसा महसूस करते हैं? हम तसल्ली देते रहे हैं कि ऐसी घटनाएं परंपरा और सिलसिलेवार नहीं हैं। ये अपवाद के तौर पर होती हैं। बेशक ये कानून का कठोर उल्लंघन हैं। ऐसी ही तसल्ली हमें विदेशी छात्रों को देनी चाहिए। हालांकि हमले के तुरंत बाद कुलपति नीरजा गुप्ता ने विदेशी छात्रों को आश्वस्त किया कि वह उन्हें एक अलग होस्टल में शिफ्ट कर देंगी। विदेशी छात्रों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। यह भी कोई सौहार्द का कदम नहीं है। छात्रों को आपस में घुल-मिल कर रहना और पढऩा सीखना चाहिए, लेकिन कुलपति ने यह आत्ममंथन नहीं किया कि विदेशी छात्रों पर हमले क्यों और कैसे किए गए? विदेशी छात्र कोई भी हों, उन्हें सांस्कृतिक तौर पर संवेदनशील होना ही चाहिए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि हमें अब भी सांस्कृतिक अनुकूलन की जरूरत है। क्या यह दायित्व विदेशी छात्रों का है? हमारे संविधान में धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है, लिहाजा नमाज पढने वालों की स्वतंत्रता और गरिमा का भी सम्मान किया जाना चाहिए था। सवाल तो यह भी है कि विश्वविद्यालय परिसर में भीड़ कहां से आई, हथियार कहां से आए? यदि भीड़ वाले भी वहीं के छात्र थे, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई? भीड़ घटनास्थल से आराम से चली कैसे गई? भारत के बहुत कम विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ' आंके गए हैं। कमोबेश गुजरात यूनिवर्सिटी उनमें से एक नहीं है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों से आकर्षित हुई दुनिया, डब्ल्यूईएफ के दिग्गजों ने भी माना लोहा

नई दिल्ली,24 मार्च (एजेंसियां)।

भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। अब दुनियाभर की प्रतिभाएं चाहती हैं कि वे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सहयोग करें। इस उत्साह को देखते हुए सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन (सीफोरआईआर) ने भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम भारत और बाकी देशों के हीच वैश्विक सहयोग बनाने के लिए शुरू किया गया है। यह बातें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताई हैं।

दुनिया की नजरें भारत पर – सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन की कार्यकारी समिति के सदस्य सेबेस्टियन बकअप का कहना है कि भारत को छोटे और महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। ये सभी देश अब भारत से सहयोग चाहते हैं। डब्ल्यूईएफ चाहता है कि भारत और उभरते अंतरिक्ष देशों के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई उद्यमी चाहते हैं कि वे भी भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश करें। इसकी वजह यह है कि भारत साझा बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है और अगर भारत यह काम करने में कामयाब रहा तो अंतरिक्ष क्षेत्र में नए आयाम गढ़ सकता है।

दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है भारत – बकअप ने अपनी भारत यात्रा के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े कई लोगों के साथ मुलाकात की। इनमें इसरो के अधिकारी, अंतरिक्ष स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि और बड़े दिग्गज शामिल थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दुनियाभर के लोग अभी भी भारत को एक उभरता हुआ अंतरिक्ष राष्ट्र बता रहे हैं। वास्तविकता यह है कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र के दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है। दुनिया को यह समझना अब जरूरी हो गया है कि वास्तव में भारत ने क्या हासिल किया है।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार – सेबेस्टियन बकअप ने आगे कहा कि हम भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में भी बहुत अधिक गति देख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्या पेटीएम में बड़े पैमाने पर होने वाली है छंटनी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एक्शन लिया है, तभी से पेटीएम के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पेटीएम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पेटीएम से जुड़े सवाल और भी उलझ गए हैं। यहां तक कि पेटीएम के कर्मचारियों को भी अपना भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। पिछले कई दिनों से ऐसी रिपोर्ट्स भी आ रही हैं कि पेटीएम अपना पेमेंट्स बैंक बंद होने के बाद बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। हालांकि, पेटीएम ने लेऑफ से जुड़ी खबरों को निराधार बताते खारिज किया है। छंटनी पर क्या कहा पेटीएम ने पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि छंटनी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद हैं और उनसे कंपनी की रणनीतिक योजना की सही झलक नहीं मिलती। पेटीएम ने दावा किया कि वह फिलहाल एनुअल अप्रैजल के प्रोसेस में लगा है, जिसका मकसद एंप्लॉयी के परफॉरमेंस को जांचना और उसके आधार पर उन्हें इंक्रीमेंट देना है। यह कहीं से भी छंटनी का संकेत नहीं है। रिस्ट्रक्चरिंग को छंटनी समझा गया पेटीएम ने कहा कि वह परफॉरमेंस के आधार पर एडजस्टमेंट और रिस्ट्रक्चरिंग कर रही है, जिसे गलत तरीके से छंटनी का संकेत समझ लिया गया है। उसने यह भी कहा कि कंपनी अपनी वर्कफोर्स के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उसका पूरा ध्यान देश में डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज की अगुआई करने पर है। वह इनोवेशन, कस्टमर सर्विस और टीम डेवलपमेंट के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा के इस्तीफे पर पेटीएम ने बताया कि वह गूगल में नई संभावनाओं की तलाश में गए हैं। प्रवीण शर्मा पहले भी 9 साल तक गूगल में लीडरशिप पोजिशन पर काम कर चुके हैं। पेटीएम के शेयरों हाल पिछले दिनों एनसीपीआई ने एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक को पेटीएम के लिए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी। इससे पेटीएम और उसके कस्टमर को बड़ी राहत मिली। इसका असर कंपनी के शेयरों पर भी दिखा और उसमें अपर सर्किट भी लगे। पेटीएम का मालिकाना हक रखने वाली वन 97 का शेयर 1.79 प्रतिशत यानी 7.35 रुपये गिरकर 403.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले पांच दिनों में इसमें 3.67 प्रतिशत यानी 14.30 रुपये की तेजी आई है। 21 मार्च को तो पेटीएम का शेयर 428 रुपये तक पहुंच गया था, लेकिन फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की निगाहें भारत पर टिकीं, इस बात पर हो रहा गंभीरता से विचार

इस्लामाबाद। एक तरफ आतंकवाद से लड़ाई और दूसरी तरफ गंभीर नकदी संकट से जूझ रहे

पाकिस्तान की हालत कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में पड़ोसी देश ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाने की बात कही है। विदेश मंत्री इशाक डार के बयान से संकेत मिल रहा है कि पाकिस्तान अब भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव चाहता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने क्या कहा पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2019 से व्यापार संबंध रुके हुए हैं। डार ने कहा कि इन संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। डार ने ब्रुसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लिया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें बताईं। उन्होंने भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कारोबारी भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करना चाहते हैं। डार के अनुसार पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा। राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत जिस तरह से इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर टिप्पणी की, उससे साफ है कि पाकिस्तान भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत दे रहा है।

ग्रीन ड्रेस विवाद पर बोले दीपिंदर, हम 20 घंटे तक कॉल पर थे

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमाटो ने हाल ही में शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस लॉन्च की थी। जिससे सोशल मीडिया में इतना बवाल मचा कि मात्र 24 घंटे में ही जोमाटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस ले लिया था। अब उन्होंने इस विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि प्योर वेज फूड डिलीवरी सर्विस पर हुए विवाद के बाद हम लगातार 20 घंटे तक जूम कॉल पर थे। हम इस संकट का जल्द से जल्द समाधान करना चाहते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार दीपिंदर गोयल ने कहा कि शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस सर्विस लाने का फैसला व्यापक सर्वे करने के बाद किया गया था। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो मसले उठाए गए, उनमें से ज्यादातर के बारे में हम ज्यादा जानते ही नहीं थे। हम धर्म, जाति और किसी भी तरह के भेदभाव पर यकीन नहीं रखते।

वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल

निवेशकों की नजरें कच्चे तेल के भाव और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा आने वाले कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार होली के मौके पर और गुड फ्राइडे के अवसर पर बंद रहेंगे।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं एक अन्य बाजार के जानकार ने कहा कि इस सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है। डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है।

अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अन्य प्रमुख आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के भाव और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 83.61 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले 13 दिसंबर, 2023 को रुपया 83.40 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि मुद्रा के स्तर में तेज गिरावट के साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली यह संकेत दे रही है कि शेयर बाजारों के लिए आगे की राह कठिन हो सकती है। यह सप्ताह छुट्टियों वाला है और हमारा मानना है कि मार्च महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके अलावा बाजार भागीदार वैश्विक बाजारों के रुख, खासकर अमेरिकी बाजार से भी प्रभावित होंगे।

पहले दो महीने में, चीन में विदेशी पूंजी निवेश की वास्तविक मात्रा 215 अरब युआन से अधिक

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 22 मार्च को जारी आंकड़ों से पता चला कि इस साल के पहले दो महीने में देश भर में 7,160 विदेशी निवेश वाले नए उद्यम स्थापित हुए जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 34.9 प्रतिशत ज्यादा हैं, जबकि विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 215 अरब नौ करोड़ युआन तक जा पहुंची, जो गत वर्ष की तुलना में 19.9 प्रतिशत कम है।वाणिज्य मंत्रालय के विदेशी निवेश विभाग के प्रभारी के मुताबिक, पिछले साल जनवरी से फरवरी तक, चीन में विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 268 अरब 44 करोड़ युआन तक पहुंच गई, जो एक नया कीर्तिमान है। हालांकि इस साल इसमें गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी पिछले 10 वर्षों में तीसरा उच्चतम स्तर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अभी भी चीनी बाज़ार में विकास के अवसरों के बारे में आशावादी हैं और अपना चीन में निवेश बढ़ा रही हैं। इस प्रभारी के अनुसार, चीन की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के बुनियादी सिद्धांत नहीं बदले हैं। निवेश को आकर्षित करने में चीनी बाजार का बड़ा आकार, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला सहायक सुविधाएं, पूर्ण बुनियादी ढांचा और प्रचुर मानव संसाधन आदि लाभ उत्कृष्ट बने हुए हैं। इसके अलावा, अर्थव्यवस्था को स्थिर करने, खुलेपन को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतियों की एक श्रृंखला का प्रभाव दिखाई देना जारी है, जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां बनाये हुए हैं।

बुलेट ट्रेन दो राज्यों की अर्थव्यवस्था को एक करने में मदद करेगी : रेल मंत्री

मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को जोड़ देगा

नई दिल्ली, 24 मार्च।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन पिछले 10 साल से लगातार चर्चाओं में है। भारत की जनता भी लंबे समय से देश की पहली बुलेट ट्रेन का इंतजार कर रही है। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली यह सुपरफास्ट ट्रेन दो राज्यों की अर्थवव्यस्थाओं को एक करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक कार्यक्रम में बताया कि भारत का बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट प्रगति कर रहा है। मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को आपस में बांध देगा। यह कॉरिडोर कई अर्थव्यवस्था को एकजुट करेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेलवे का प्रोजेक्ट नहीं है। हमें इसे अर्थव्यवस्था के नजरिए से देखना होगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे इस पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में मुंबई, ठाणे, वापी, बड़ौदा, सूरत, आनंद और अहमदाबाद को आपस में जोड़ने वाली है। इन सभी शहरों की अर्थव्यवस्था एक हो जाएंगी। बुलेट ट्रेन आने के बाद आप सूरत में नाश्ता कर सकते हैं। फिर मुंबई जाकर अपने काम निपटा सकते हैं और रात में अपने परिवार के पास वापस आ सकते हैं। बुलेट ट्रेन के किराए पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फिलहाल जहां भी बुलेट ट्रेन चल रही हैं, उनमें से ज्यादातर देशों में उन्होंने ट्रांसपोर्ट में 90 फीसदी तक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। नवंबर, 2021 में काम शुरू होने के बाद से मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर लगातार प्रगति कर रहा है। वियाडक्ट का पहला किलोमीटर छह महीने में और 50वां अप्रैल, 2023 तक बनकर तैयार हो गया।

एलन मस्क ने सोचा था ओपनएआई फेल हो जाएगी : सैम ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को, 24 मार्च (एजेंसियां)।

ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन का कहना है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोचा था कि चैटजीपीटी-मेकर कंपनी फेल हो जाएगी। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ सैम ऑल्टमैन ने कहा, एलन मस्क ने सोचा कि ओपनएआई असफल (फेल) होने वाली है। वह इसे बदलने के लिए पूर्ण नियंत्रण चाहते थे। हम उस दिशा में आगे बढ़ते रहना चाहते थे जो अब ओपनएआई बन गई है। वह यह भी चाहते थे कि टेस्ला एक एजीआई प्रयास बनाने में सक्षम हो। सैम ऑल्टमैन ने आगे बताया, कई बार वह ओपनएआई को एक लाभकारी कंपनी बनाना चाहते थे, जिसका कंट्रोल उनके पास हो या इसका टेस्ला के साथ विलय हो सके। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे और उन्होंने जाने का फैसला किया, जो ठीक है। सैम ऑल्टमैन ने सुझाव दिया कि कंपनी अभी भी अपने मूल उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी लोगों को मुफ्त में शक्तिशाली तकनीक दे रही है।

उन्होंने आगे बताया, हम अपने फ्री वर्जन पर विज्ञापन नहीं चलाते। हम इसे अन्य तरीकों से मुद्रीकृत नहीं करते हैं। हम बस इतना कहते हैं कि यह हमारे मिशन का हिस्सा है। हम लोगों के हाथों में अधिक से अधिक शक्तिशाली उपकरण मुफ्त में देना चाहते हैं और उन्हें उनका उपयोग कराना चाहते हैं।

हाल ही में, एलन मस्क ने ओपनएआई और ऑल्टमैन पर मुकदमा दायर किया था। एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि उन्होंने एआई के आसपास अपने मूल संविदात्मक समझौतों का उल्लंघन किया है।

इसके बाद ओपनएआई ने मस्क के मुकदमे पर पलटवार करते हुए कहा था, जब कंपनी ने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए लाभकारी संरचना पर चर्चा की, तो एलन मस्क चाहते थे कि हम टेस्ला के साथ विलय करें या वह पूरा कंट्रोल चाहते थे।

हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच शानदार हैं फीचर्स और रेंज, कीमत भी है कम

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर को प्रीमियम फीचर्स और शानदार डिजाइन के साथ बाजार में उतारा है। वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 1,26,200 लाख रुपये है। बता दें कि यह कीमत फेम-2 सब्सिडी मिलने के बाद की है। फुल चार्ज पर वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर में 165 किलोमीटर की रेंज मिलती है। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक है। यह स्कूटर केवल 3.2 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। इसमें चार राइडिंग मोड ईको, राइड, स्पोर्ट्स और कम्फर्ट मिलते हैं। कंपनी इस ई-स्कूटर को दो रिमूवेबल बैटरी पैक के साथ ऑफर करती है। इस वजह से स्कूटर को एक बैटरी से भी चलाया जा सकता है। फास्ट चार्जर के उपयोग से स्कूटर की बैटरी 60 मिनट से भी कम समय में 0 से 80 फीसदी तक चार्ज हो जाती है। वीडा वी1 के साथ कंपनी पोर्टेबल चार्जर ऑफर करती है, जिसे बूटस्पेस में रखा जा सकता है। इसे किसी भी 5 एम्पीयर सॉकेट में लगाकर स्कूटर को चार्ज किया जा सकता है। इस चार्जर से स्कूटर को पूरी तरह चार्ज करने में 6 घंटे का समय लगता है। स्कूटर में सीट के लिए कई तरह कस्टमाइजेशन ऑप्शन भी मिलते हैं। वीडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर कई नए और मॉडर्न फीचर्स के साथ आती है। अगर फीचर्स की बात करें तो इसमें 7-इंच का टीएफटी कलर डिस्प्ले, 4जी

और वाईफाई कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रॉनिक सीट, हैंडल लॉक, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स और री-जनरेशन मोड जैसे फीचर्स मिलते हैं। वहीं इसके सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें एंटी-थेफ्ट अलार्म, ट्रैक माय बाइक, प्रोक्सिमिटी सेंसर, जियोफेंसिंग, रिमोट इमोबलाइजेशन, व्हीकल डायग्नोस्टिक और एसओएस बटन जैसे फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि वैसे तो मार्केट में कई कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, लेकिन एक कंपनी ऐसी है जिसपर लोगों का भरोसा कई सालों से है और ये कंपनी मोटरसाइकिल और स्कूटरों की बिक्री में आजतक अपना लोहा मनवा रही है।

एनपीएस कर्मियों को एक अप्रैल से इस तरह करना होगा लॉग-इन, इसलिए लागू हुआ टू फैक्टर वेरिफिकेशन

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने अपने एनपीएस खाता धारकों की सुरक्षा के मद्देनजर पहली अप्रैल से आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य कर दिया है। द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है। पीएफआरडीए ने इसके लिए सीआरए प्रणाली को टू फैक्टर प्रमाणीकरण प्लेटफार्म तैयार किया है। इसे सुलभ बनाने के मकसद से आधार बेस्ड लॉग-इन प्रमाणीकरण को वर्तमान उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड-आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत करेंगे। आधार बेस्ड लॉग इन वेरिफिकेशन को एनपीएस अभिदाता, अपने यूजर आईडी से जोड़ेंगे। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने के बाद ही एनपीएस खाते को लॉग-इन किया जा सकेगा। पीएफआरडीए द्वारा पिछले दिनों जारी सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस के नए लॉग-इन मानदंडों के अनुसार, सीआरए प्रणाली को दो-कारक प्रमाणीकरण के जरिए अधिक सुरक्षित बनाया गया है। पहली अप्रैल, 2024 से एनपीएस की सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) प्रणाली में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड-आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए नई सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। सीआरए प्रणाली तक पहुंचने में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और ग्राहकों एवं हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, सीआरए प्रणाली में लॉग-इन के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएं लाने का निर्णय लिया गया है। नई सुरक्षा प्रणाली के तहत, एनपीएस ग्राहक आधार-आधारित प्रमाणीकरण और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी दर्ज करने के बाद ही अपने खातों तक पहुंच सकते हैं। पीएफआरडीए परिपत्र के अनुसार, पीआरएओ/डीटीए/पीएओ/डीटीओ/डीडीओ सहित सरकारी और कॉर्पोरेट नोडल कार्यालयों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से संबंधित कार्यों के संचालन, गतिविधियों के निष्पादन और विभिन्न रिपोर्ट को तैयार करने के लिए केंद्रीय अभिलेखपालन अभिकरण (सीआरए) प्रणाली का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। सीआरए सिस्टम में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर, द्विस्तरीय आधार आधारित प्रमाणीकरण, को अनिवार्य रूप से लागू किया जा

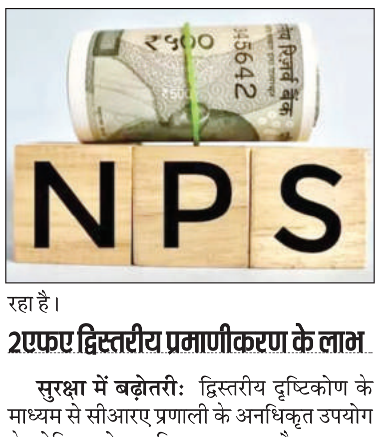

रहा है।

2एफए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण के लाभ

सुरक्षा में बढ़ोतरी: द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है।

संवर्धित सुरक्षा: इस अतिरिक्त स्तर से एनपीएस लेनदेन सुरक्षित होता है। अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा होती है।

अतिरिक्त सुरक्षा सुविधा: वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के तहत नोडल कार्यालय, उनके अंतर्निहित स्वायत्त निकायों सहित, एनपीएस लेनदेन के लिए सीआरए का उपयोग करने की खातिर पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रयोग करते हैं। सुरक्षा विशेषताओं को बढ़ाने और अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा करने के मद्देनजर सीआरए प्रणाली लॉग-इन के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह आधार आधारित लॉग-इन प्रमाणीकरण वर्तमान यूजर आईडी और पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके माध्यम से सीआरए प्रणाली का उपयोग करने के लिए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण को सक्षम करेगा।

आधार मैपिंग: सरकारी क्षेत्र (केंद्रीय/राज्य/सीएबी/एसएबी) के अंतर्गत नोडल कार्यालयों की यूजर आईडी को आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के माध्यम से द्विस्तरीय प्रमाणीकरण का उपयोग करते हुए सीआरए सिस्टम (सीआरए और एनपीएससीएन) में लॉग-इन करने की अनुमति दी जाएगी। निरीक्षण कार्यालय (पीआरएओ/डीटीए) को प्रारंभ में अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ना होगा, जिससे अंतर्निहित उपयोगकर्ता आधार मैपिंग का उपयोग कर सकें। इसी प्रकार पीएओ/डीटीओ भी अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ेंगे, जिससे अंतर्निहित डीडीओ को आधार लिंकिंग शुरू करने की अनुमति मिल सके।

एनपीएस गतिविधियों का प्रदर्शन: सरकारी क्षेत्र के तहत सभी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों को एनपीएस से संबंधित सभी गतिविधियों को पूरा करने के लिए सीआरए प्रणाली में आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण की अतिरिक्त सुविधा के लिए आवश्यक ढांचे को स्थापित करना आवश्यक है।

मानक संचालन प्रक्रिया: संलग्न दस्तावेज प्रोटियन सीआरए से जुड़े नोडल कार्यालयों के लिए उनके आधार को जोड़ने और सीआरए प्रणाली का उपयोग कर कार्यात्मक गतिविधियों के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है। इसमें कई प्वाइंट शामिल हैं। जैसे, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार संख्या का एक बारगी पंजीकरण, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार मैपिंग का प्रमाणीकरण, आधार मैपिंग की अवस्थिति और सीआरए प्रणाली तक नियमित (आधार आधारित) उपयोग की प्रक्रिया। स्वायत्त निकायों सहित सरकारी और कॉपोरेट नोडल कार्यालयों से अनुरोध किया गया है ।

अल्काराज़, सिनर, मेदवेदेव शुरूआती मैच जीते, सितसिपास हारे

फ्लोरिडा, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

कार्लोस अल्काराज़ ने साथी स्पेनिश रॉबर्टो कारबालेस बेना के 31वें जन्मदिन का जश्न 6-2, 6-1 से मुकाबला जीतकर खराब कर दिया। अल्काराज़ सात मैचों की जीत की लय में है, और उसे पिछले 11 मैचों में किसी स्पैनियार्ड ने नहीं हराया है - ऐसा करने वाला आखिरी खिलाड़ी 2022 इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में राफेल नडाल थे। 20 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला अनुभवी फ्रांसीसी खिलाड़ी गाएल मोंफिल्स से होगा, जिन्होंने फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन को 6-7 (3-7), 6-1, 6-2 से हराया।

स्पैनियार्ड मियामी में आश्वस्त है, जहां उसने अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। अल्काराज़ अब टूर्नामेंट में 11-2 से आगे है। इससे पहले, दुनिया के तीसरे नंबर के इटालियन जानिक सिनर को मियामी ओपन में शुरुआती जीत हासिल करने के मौके के लिए रात भर इंतजार करना पड़ा था। दूसरे वरीय ने सुनिश्चित किया कि हार्ड रॉक स्टेडियम में इंतजार करना सार्थक रहा, जहां उन्होंने अपने ही देश के एंड्रिया वावसोरी को 6-3, 6-4 से हराया। इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज़ द्वारा 2024 सीज़न में अपनी 16-जीत की शुरुआत को तोड़ने के बाद मियामी पहुंचने पर, सिनर ने तीसरे दौर में पहुंचने के लिए अपने देश के खिलाड़ी के खिलाफ 80 मिनट में जीत पूरी की। मैच वावसोरी के 2-3, 40/40 पर सर्विस करने के समय निलंबित कर दिया गया था और सिनर ने 4-2 की बढ़त के साथ फिर से शुरू होने पर तुरंत अपनी चाल चली।

इटालियन के अगले प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपुर हैं,जिसे उन्होंने पिछले तीनों मुकाबलों में हराया है। इस बीच, दानिल मेदवेदेव ने ग्रैंडस्टैंड पर हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स को 1 घंटे और 19 मिनट में 6-4, 6-2 से हराकर अपने खिताब की रक्षा में मजबूत शुरुआत की। यह मैच स्टेडियम कोर्ट पर फीचर नाइट मैच के रूप में निर्धारित किया गया था लेकिन बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। लेकिन दोपहर की स्थिति और ग्रैंडस्टैंड कोर्ट में स्विच करने से वर्ल्ड नंबर 4 के लिए कोई बाधा नहीं आई, उसने अपने पहले सर्व पॉइंट में से 81 फीसदी अंक जीते थे। मेदवेदेव अपने करियर में पहली बार किसी खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास कर रहे हैं। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 20 अलग-अलग खिताब जीते हैं, जिनमें 18 हार्ड कोर्ट पर शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला 30वें नंबर के कैमरून नोरी से होगा, जिन्होंने 21 वर्षीय इतालवी फ्लेवियो कोबोली को 7-5, 6-7(4), 6-2 से हराया। नंबर 10 सीड ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 2-6, 4-6 से हरा दिया। यह पहली बार है कि ग्रीक ने चौथे दौर से पहले मियामी छोड़ दिया है - उनकी सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति 2021 में थी जब वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। आगे बढ़ने वाले अन्य पुरुष वरीय नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव थे, जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-2, 6-4 से हराया; पोलिश ह्यूबर्ट हर्काज़, नंबर 8 वरीयता प्राप्त और 2021 मियामी ओपन चैंपियन, जिन्होंने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर शेवचेंको को 6-4, 6-7(2), 6-3 से हराया; और नॉर्वेजियन कैस्पर रूड, नंबर 7 सीड, ने फ्रांस के लुका वैन एश को 7-6(5), 1-6, 6-1 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

विशु की गुरुकुल में साधना, दिन-रात कर रही कड़ी मेहनत, ओलंपिक बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक जीतना है लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा। सहारनपुर के महर्षि दयानंद गुरुकुल में 13 वर्षीय किशोर बॉक्सिंग की साधना में लीन है। उसका लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। वह गुरुकुल में दिन रात कड़ी मेहनत कर अब तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दो बार स्वर्ण पदक जीत चुका है। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक कांप्लेक्स में चल रहे सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विशु पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। विशु पाल ने शानदार सफर से यह साबित कर दिया है कि मंजिल भले अभी दूर हो लेकिन रास्ता उसके लिए नहीं है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पिता ने विशु पाल को अपने से दूर गुरुकुल में भेज दिया। पिता चलाते हैं कैंटीन विशु पाल ने बताया कि उसके पिता कैंटीन चलाते हैं। कैंटीन के सहारे ही सात लोगों का परिवार चल रहा है। गुरुकुल में रह कर पढ़ाई करना आसान नहीं है। यहां साधना अधिक करनी पड़ती है। सर्दी,गर्मी,और वर्षा हर मौसम में सुबह चार बजे से उठा दिया जाता है। उसके पर नित क्रिया करके अभ्यास के लिए निकल जाता हूं। दो घंटे सुबह और दो घंटे शाम को बॉक्सिंग का अभ्यास करता हूं। विशु ने बताया कि उसका सपना ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। दो साल की मेहनत से यहां तक का सफर तय कराया है। गुरुकुल के नियम और कानून में रहकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह पक्की हुई है। विशु ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि वह देश व उत्तर प्रदेश के लिए ओलंपिक 2028 में स्वर्ण पदक जरूर जीतेंगे। बॉक्सिंग खेलने से पहले कई लोगों में कहा कि इस खेल का कोई भविष्य नहीं है,लेकिन इस खेल को ही भविष्य बनाने की ठान ली। सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में जगह पक्की होने पर उन्हें भरोसा है कि वह इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतेंगे। दो बार जीता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक 2021 में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हार के बाद विशु ने हार नहीं मानी। विशु ने 2022 और 2023 में स्वर्ण पदक जीता। दो साल की मेहनत ने विशु को दो बार स्वर्ण पदक का सफर तय कराया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विशु करीब 50 से अधिक पदक जीत चुके है। फेडरेशन के महासचिव ने लिया गोद यूपी बॉक्सिंग फेडरेशन के महासचिव प्रमोद कुमार ने विशु पाल को गोद ले लिया है। उन्होंने बताया कि विशु पाल में वह क्षमता है जो भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिला सकती है। विशु को हर प्रकार की मदद फेडरेशन की ओर से देने का फैसला लिया गया है।

स्वीयाटेक, रिबाकिना जीतीं , सबालेंका, जाबौर दूसरे दौर में बाहर

फ्लोरिडा। अपने करियर के 100वें डब्ल्यूटीए 1000 मैच में वर्ल्ड नंबर-1 पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में इटली की कैमिला जियोर्गी को 6-1, 6-1 से हरा दिया। जीत के साथ, पोलिश खिलाड़ी अपने पहले 100 डब्ल्यूटीए-1000 मैचों में 81-19 आंकड़े तक पहुंच गई, और मारिया शारापोवा से बराबरी पर रही और केवल सेरेना विलियम्स (87-13) से पीछे हैं। स्वीयाटेक, जिन्हें पहले दौर में बाई मिली थी, उन्होंने 2021 सिनसिनाटी के बाद से किसी भी टूर्नामेंट में अपना पहला मैच नहीं हारा है। अब उनका मुकाबला लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिनके साथ खेले गए पिछले तीन मैचों में उनका कुल स्कोर 2-1 है। 2024 सीज़न में यह उनकी तीसरी भिड़ंत होगी। 19 वर्षीय चेक ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीन-सेटर में जीत हासिल की, लेकिन इगा ने इंडियन वेल्स में जीत हासिल की। डब्ल्यूटीए के अनुसार, अगर स्वीयाटेक इस सप्ताह खिताब तक पहुंच जाती है, तो वह दो बार सनशाइन डबल (एक ही वर्ष में इंडियन वेल्स और मियामी जीतना) हासिल करने वाली दूसरी महिला बन जाएंगी। स्टेफी ग्राफ वर्तमान में 1994 और 1996 में दो बार उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र महिला हैं। स्वीयाटेक को 2022 में अपना पहला सनशाइन डबल मिला। इस बीच, नंबर 4 वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने अमेरिकी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-3, 6-7(3-7), 6-4 से हराकर राउंड 16 में प्रवेश किया। पिछले साल यहां फाइनलिस्ट रिबाकिना का अगला मुकाबला नंबर 17 वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ से होगा।

राजस्थान ने लखनऊ को 20 रन से हराया
राहुल-पूरन के अर्धशतक बेकार
राजस्थान अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा, सैमसन की नाबाद 82 रन की पारी

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 के चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को दिन के पहले मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 20 रन से हरा दिया है। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 193 रन बनाए थे। संजू सैमसन ने 82 रन की नाबाद पारी खेली थी। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 173 रन ही बना सकी। केएल राहुल और निकोलस पूरन के अर्धशतक बेकार गए। राहुल 58 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पूरन 64 रन बनाकर नाबाद रहे। आखिरी छह गेंद पर लखनऊ को जीत के लिए 27 रन चाहिए थे, लेकिन टीम छह रन ही बना सकी। तब क्रीज पर निकोलस पूरन और क्रुणाल पांड्या थे। गेंदबाजी के लिए आवेश खान आए, जो पिछले सीजन लखनऊ के लिए ही खेले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पुरानी टीम को छह रन ही बनाने दिया।

इस जीत के साथ राजस्थान की टीम अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। उसके दो अंक हैं। हालांकि, वह नेट रन रेट में चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स से ऊपर है। राजस्थान की टीम अब 28 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। वहीं लखनऊ की टीम 30 मार्च को पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान की टीम की शुरुआत खराब रही थी। जोस बटलर 11 रन और यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सैमसन ने रियान पराग के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी निभाई। 142 के स्कोर पर राजस्थान को तीसरा झटका लगा। पराग अर्धशतक से चूक गए और 29 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने एक चौका और तीन छक्के लगाए। शिमरोन हेटमायर कुछ खास नहीं कर सके और पांच रन बनाकर आउट हुए।

इस बीच सैमसन ने आईपीएल करियर का 21वां अर्धशतक 33 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने जुरेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी निभाई। आखिरी पांच ओवर में राजस्थान ने 50 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। सैमसन ने अपनी 82 रन की पारी में तीन चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, जुरेल ने 20 रन की पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। लखनऊ की ओर से नवीन उल हक ने दो विकेट लिए। वहीं, मोहसिन खान और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

194 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ टीम की शुरुआत ही खराब रही थी। 11 रन पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए थे। क्विंटन डिकॉक (4) और देवदत्त पडिक्कल (0) को ट्रेंट बोल्ट ने पवेलियन भेजा था। वहीं, आईपीएल डेब्यू करने वाले नांद्रे बर्गर ने आयुष बदोनी (1) को आउट किया। इसके बाद कप्तान केएल राहुल ने दीपक हुड्डा (इम्पैक्ट प्लेयर) के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी निभाई। हुड्डा बड़े शॉट के चक्कर में विकेट गंवा बैठे। वह 13 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद राहुल ने निकोलस पूरन के साथ मिलकर 52 गेंद में 85 रन की साझेदारी निभाई। राहुल ने आईपीएल करियर का 34वां अर्धशतक लगाया। हालांकि, इसके बाद वह तुरंत आउट हो गए। उन्हें संदीप शर्मा ने ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। राहुल ने 44 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। मार्कस स्टोइनिस तीन रन बनाकर आउट हुए। वहीं पूरन ने अर्धशतक जरूर लगाया लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। पूरन 41 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। क्रुणाल तीन रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की ओर से बोल्ट ने दो विकेट लिए। वहीं, बर्गर, अश्विन, चहल और संदीप को एक-एक विकेट मिला।

गुजरात टाइटंस ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को छह रन से हराया

अहमदाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)।

साई सुदर्शन 45 रन और कप्तान शुभमन गिल की 31 रनों की पारियों और उसके बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांचवें मुकाबले में रविवार को मुंबई इंडियंस छह रन से हरा दिया है।

169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज इशान किशन का विकेट खो दिया। वह अपना खाता भी नहीं खोल सके। उन्हें उमरजई ने साहा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद तीसरे ही ओवर में उमरजई ने नमन धीर 10 गेंदों में 20 को पगबाधा आउट कर मुंबई को दूसरा झटका दिया। तीसरा विकेट कप्तान रोहित शर्मा के रूप में गिरा उन्हें 13वें ओवर में साईकिशोर ने पगबाधा आउट किया। रोहित ने 29 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रनों की पारी खेली। एक समय जब रोहित और डेवाल्ड बल्लेबाजी कर रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि मुंबई आसानी से मुकाबला जीत लेगा। लेकिन रोहित और डेवाल्ड के आउट होने के बाद मुम्बई की पारी बिखर गई और कोई भी बल्लेबाज आखिरी ओवरों में टिक कर बल्लेबाजी नहीं कर सका। डेवाल्ड ब्रेविस ने 38 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 46 रन बनाये। तिलक वर्मा 19 गेंदों में 25 रन, टिम डेविड 11 रन, कप्तान हार्दिक पांड्या 11 रन, गेराल्ड कोएत्जी एक रन बनाकर आउट हुये। मुंबई की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 162 रन ही बना सकी और मुकाबला छह रन से हार गई। गुजरात टाइटंस की ओर से अजमतउल्लाह उमरजई, उमेश यादव, स्पेंसर जॉनसन और मोहित शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। साई किशोर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

तब यशस्वी को लगा उनका करियर समाप्त हो गया : कोच ज्वाला

मुम्बई ।

टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल आज भारतीय टीम में अपनी जगह बना चुके हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में हुई टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक लगाकर अपने को साबित किया है। वह इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। यशस्वी आज सफलता की राह पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं पर एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपना करियर खतरे में नजर आने लगा था। तब यशस्वी इतने हताश थे कि कोच से बात करने के दौरान ही रोने लगे थे। उनके बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने कहा, जब यशस्वी 2021 में दुबई में हुए आईपीएल से वापस आया तो बेहद परेशान था। उसने मुझे फोन पर ही रोते हुए कहा, 'सर, मेरा क्रिकेट खत्म हो गया है। मुझे नहीं लगता कि मैं ऊंचे स्तर पर तक जा पाउंगा। तब वह ज्यादा आक्रामक खिलाड़ी नहीं था। वह बस कुछ अच्छे शॉट खेलता था। तब कोरोना संक्रमण का दौर था। मैं उसे गोरखपुर ले गया, और मैं उससे कहा कि स्पिनरों के खिलाफ एक बड़े मैदान में जितना हो सके उतने छक्के मारो। कोच ने साथ ही कहा, आप उसमें आज जो प्रगति देख रहे हो वो 2020-21 में ही हो गयी थी। इसलिए कि हमनें प्रैक्टिस की। जब वह आईपीएल के लिए जाता था तो मैं उससे अलग अलग परिस्थितियों में गेंदबाजी कराता था। मैं उसे हर प्वाइंट्स पर शॉट मारने के लिए कहता था।

श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंचे, क्वार्टर फाइनल में ताइवान के ली को 21-10, 21-14 से हराया

नई दिल्ली । स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने ताइवान के चिया हाओ ली को हराकर स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वह 16 महीने में पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इससे पहले वह नवंबर 2022 में हालो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस सीजन में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने ली को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता गंटूर के 31 साल के श्रीकांत का मुकाबला अब ताइवान के ही दुनिया के 22वें नंबर के चुन यी से होगा। श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी।

मेसी के नाम पर आतंकियों ने 90 साल की क्यूनियो को छोड़ा , सेल्फी खिंचाई

तेल अवीव, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की लोकप्रियता इस कदर है कि आतंकी भी उनके प्रशंसक हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इजरायल की एक बूढ़ी महिला ने मेसी का नाम लेकर आतंकियों से अपनी जान बचायी। 90 साल की एस्थर क्यूनियो ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमले के दौरान दो हमास आतंकी उनके घर में घुस आए थे। इस दौरान महिला ने उन बंदूकधारियों से जब कहा कि मैं वहीं से हूं, जहां के मेसी हैं तो वह प्रभावित हो गये। मेसी का नाम सुनते ही हमास के आतंकी बंदूक रखकर उनके साथ तस्वीर खिंचाने लग गये। क्यूनियो ने बताया कि उस दिन गाजा सीमा के पास हमास के आतंकवादियों ने जोरदार हमला किया था। इजरायली नागरिकों की हत्या की जा रही थी, जिसमें किबुत्ज नीर ओज भी शामिल था। इसी जगह पर एस्थर क्यूनियो रह रही थीं। हालांकि, क्यूनियो का जन्म अर्जेंटीना में हुआ था। उन्होंने इन हमलों को लेकर एक नई डॉक्यूमेंट्री में उस भयावह घटना के बारे में बताया है।

इस बूढ़ी महिला ने बताया कि 7 अक्टूबर को हमास के दो हथियारबंद आतंकवादी उनके घर में घुस गए और पूछने लगे कि उनके परिवार के बाकी लोग कहा हैं। इस पर महिला ने कहा, मुझसे बात मत करो, क्योंकि मैं तुम्हारी भाषा नहीं जानती। तुम अरबी बोलते हो और मैं खराब हिब्रू बोलती हूं। महिला ने कहा, मैं अर्जेंटीनियन स्पेनिश ही बोल सकती हूं। इस पर हमास के उन दोनों आतंकवादियों ने पूछा, ये अर्जेंटीना क्या है इस पर महिला ने अपनी टूटी-फूटी हिब्रू, स्पैनिश और इशारों के साथ हमास के आतंकवादियों से बात करते हुए मेसी की ओर संकेत किये।

महिला ने हमास के उन दोनों आतंकवादियों से कहा, क्या तुम फुटबॉल देखते हो इस पर आतंकियों ने कहा, हां, हां, मुझे फुटबॉल पसंद है। इस पर महिला ने कहा कि वह उस देश से हैं, जहां से मेसी हैं। इतना सुनते ही एक हमास आतंकी उस महिला पर झुक गया। उसने अपनी असॉल्ट राइफल उनकी गोद में रख दी और दूसरे आतंकी ने उनकी फोटो खींची। इसके बाद वे दोनों आतंकी महिला के घर से चले गए।

खेल संघों पर अब सरकार का पहरा, बिना मान्यता के लगेगा जुर्माना, मनमानी पर लगेगी लगाम

चंडीगढ़,24 मार्च (एजेंसियां) ।

हरियाणा में अब राज्य या जिला स्तर पर कोई भी खेल संघ बगैर मान्यता के नहीं चलाया जा सकेगा। खेल संघों पर हावी राजनीति और खिलाड़ियों के आर्थिक शोषण की लगातार शिकायतों पर एक्शन लेते हुए प्रदेश सरकार ने खेल संघों की मनमानी रोकने के लिए इनका पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। विधानसभा के बजट सत्र में पारित हरियाणा राज्य खेल संघ (पंजीकरण और विनियमन विधेयक) पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की मुहर के बाद विधि और विधायी विभाग की प्रशासनिक सचिव रितू गर्ग ने नए नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ नया कानून लागू हो गया है। खेल संघों को मान्यता देने के लिए हरियाणा खेल पंजीकरण परिषद और क्षेत्रीय खेल पंजीकरण परिषद बनाई जाएंगी। बगैर पंजीकरण के राज्य स्तर का खेल संघ चलाने पर पांच से दस लाख रुपये तक जुर्माना किया जाएगा। इसी तरह क्षेत्रीय स्तर के अपंजीकृत खेल संघ पर 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रविधान किया गया है।

जिला खेल अधिकारी होंगे सदस्य सचिव - अंतरराष्ट्रीय स्तर के हरियाणवी खिलाड़ी या फिर न्यूनतम 25 साल का सामान्य प्रशासन या कानून का अनुभव रखने वाले व्यक्ति की अध्यक्षता में हरियाणा खेल रजिस्ट्रेशन काउंसिल बनाई जाएगी, जिसमें खेल निदेशक सदस्य सचिव होंगे। राज्य स्तर के सभी खेल संघों को इस काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होगा जो तीन साल के लिए मान्य होगा। इसके बाद उसे फिर मान्यता रिन्यू करानी होगी। इसी तरह खेल संघों को क्षेत्रीय स्तर पर मान्यता के लिए मंडलायुक्त स्तर के अधिकारी की अगुवाई में क्षेत्रीय खेल रजिस्ट्रेशन काउंसिल बनाई जाएंगी। जिले के उपायुक्त इसमें सदस्य होंगे, जबकि जिला खेल अधिकारी को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी जाएगी।

गैर मान्यता प्राप्त खेल संघों से जुड़े खिलाड़ियों को न नौकरी, न कोई आर्थिक लाभ - नया कानून लागू होने के बाद अब प्रदेश में कोई भी खेल संघ पंजीकरण कराए बिना किसी तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं कर सकेगा और न ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देगा। गैर पंजीकृत खेल संघों को खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कराने की अनुमति नहीं होगी। गैर मान्यता प्राप्त खेल संघों से जुड़े खिलाड़ियों को न सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता मिलेगी और न उन्हें कोई इनामी राशि या आर्थिक सहायता दी जाएगी।

खिलाड़ियों की शिकायतों पर होगी जांच - खेल परिषदों को खिलाड़ियों की ओर से की जाने वाली शिकायतों की जांच का अधिकार दिया गया है। इन खेल परिषदों को अपनी देखरेख में चैंपियनशिप, प्रशिक्षण और रिकॉर्ड की जांच करने का अधिकार होगा। खेल संघों के कामकाज के आकलन के साथ ही उनकी जवाबदेही भी रहेगी। पंजीकृत जिला स्तरीय संघों को राज्य चैंपियनशिप में भाग लेने का अधिकार होगा, जबकि पंजीकृत राज्य स्तरीय संघों को राष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने का अधिकार होगा।

अमेरिका में एक और भारतवंशी की मौत, कार हादसे में गई महिला की जान, शव को वापस लाने की कोशिशें जारी

न्यूयॉर्क, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका में भारतीय मूल की 21 वर्षीय महिला की मौत हो गई। न्यूयॉर्क स्थिक भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर बताया कि पेंसिल्वेनिया में हुए कार हादसे में भारतीय मूल की महिला अर्शिया जोशी की मौत हो गई। दूतावास द्वारा अर्शिया जोशी के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।

कार दुर्घटना में हुई मौत – वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह लगातार अर्शिया जोशी के परिवार और स्थानीय नेताओं के संपर्क में है। दूतावास द्वारा अर्शिया के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है। एक्स पर की गई पोस्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बताया कि 21 मार्च को पेंसिल्वेनिया में एक दुखद कार दुर्घटना हुई, जिसमें अर्शिया जोशी की मौत हो गई। अर्शिया के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदना है, उनकी आत्मा को शांति मिले। आगे लिखा है कि आर्शिया के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस साल यानी 2024 में अमेरिका में आठ भारतीय और भारतीय मूल के लोगों की मौत हो चुकी है। उधर भारतवंशियों पर लगातार हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस वजह से वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में डर का माहौल है। मार्च 2024 में वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र और कुचुपुड़ी डांसर अमरनाथ घोष को सेंट लुइस में गोली मार दी गई थी। पश्चिम बंगाल के रहने वाले अमरनाथ घोष साल 2023 में अमेरिका चले गए थे। घोष के शरीर पर कई गोलियां दागी गई थी, जिस वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। 5 फरवरी 2024 को भारतीय मूल के छात्र समीर कामथ का शव इंडियाना क्षेत्र में मिला था। समीर कामथ पर्ड्यू विश्वविद्यालय के छात्र थे। 2 फरवरी 2024 को वाशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर भारतीय मूल के आईटी एग्जीक्यूटिव विवेक तनेजा पर हमला हुआ था। इस हमले में उनकी मौत हो गई थी। इसी साल जनवरी महीने में ओहायो में लिंडनर स्कूल ऑफ बिजनेस के छात्र श्रेयस रेड्डी का शव मिला था। जनवरी के महीने में ही पर्ड्यू विश्वविद्यालय के छात्र नील आचार्य के लापता होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद नील की मौत की पुष्टि हो गई थी। फरवरी में अमेरिका में एक और भारतीय मूल के छात्र की मौत हो गई थी। छात्र का नाम अकुल धवन था और वो इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना-शैंपेन के छात्र 18 मार्च को अभिजीत पारुचुरु की मौत की खबर सामने आई है। उन पर किसी तरह के हमले की पुष्टि नहीं हुई ।

न्यूज ब्रीफ

हांगकांग में लागू नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के खिलाफ ताइवान में विरोध प्रदर्शन

ताइपे । हांगकांग में लागू किए गए नए सुरक्षा कानून के अनुच्छेद 23 के खिलाफ ताइवान के ताइपे में एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि कानून न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि विदेशी नागरिकों को भी प्रभावित कर सकता है। विशेष रूप से ताइवान में रहने वाले हांगकांगवासियों ने ताइपे में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, जहां नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसे 19 मार्च को हांगकांग की विधान परिषद द्वारा पांच प्रकार के अपराधों को लक्षित करते हुए मंजूरी दी गई थी। हांगकांग के संविधान के मूल कानून में अनुच्छेद 23 के तहत, राजद्रोह, विद्रोह और तोड़फोड़ के दोषी लोगों को आजीवन कारावास मिल सकता है, जबकि राजद्रोह के दोषी पाए जाने वालों को सात से 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। हम इस अनुच्छेक के खिलाफ- स्काई फंग ताइवान स्थित निर्वासित समूह हांगकांग आउटलैंडर्स के महासचिव स्काई फंग ने कहा कि हांगकांग सरकार ने पहले दावा किया था कि हांगकांग के लोगों ने अनुच्छेद 23 का विरोध नहीं किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के लागू होने के बाद हांगकांगवासियों के लिए अपना विरोध व्यक्त करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। फंग ने कहा कि इसलिए ताइवान में लोकतंत्र और स्वतंत्रता वाले इस देश में हम यहां यह कहने आए हैं कि हांगकांग के लोग और ताइवानी मूल कानून अनुच्छेद 23 के खिलाफ हैं। हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू 30 जून, 2020 को चीन ने क्षेत्र पर हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया, जिससे अलगाव, तोड़फोड़, आतंकवाद और विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत के अपराध स्थापित हुए। उस संदर्भ में, संशोधित अनुच्छेद 23 को कई लोग एचकेएनएसएल का विस्तार मानते हैं। चीन ने 2019 के मध्य से 2020 की शुरुआत तक हांगकांग में महीनों तक चले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों के बाद एचकेएनएसएल को लागू किया। टिकटॉक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित ताइवान के डिजिटल मामलों के मंत्री ऑड्रे टैंग ने चीन स्थित कंपनी 'बाइडडांस' के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा घोषित किया है। उन्होंने जोर दिया कि मंच का विरोधी ताकतों के साथ जुड़ाव अमेरिका के उस दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो टिकटॉक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। हाल ही में एक विधायी सुनवाई के दौरान, टैंग ने कहा, ताइवान ने टिकटॉक को एक खतरनाक उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया है। ताइवान ने यह फैसला काफी हद तक अमेरिका से प्रेरित होकर लिया है।

सीएम मरियम नवाज ने पतंगबाजी को बताया खूनी खेल, फैसलाबाद में डोर से युवक की मौत के बाद आक्रोश

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पतंगबाजी पर अजीबोगरीब बयान

दिया है। उन्होंने कहा कि पतंग उड़ान एक खूनी खेल हैं। इसके लिए कठोर कानून बनाने का समय आ गया है। गौरतलब है कि उनका यह बयान फैसलाबाद की घटना के बाद सामने आया जब बाइक चालक की पतंग की डोर से गला कटने से मौत हो गई थी। पतंग की डोर ने ली बाइक सवार युवक की जान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि फैसलाबाद में एक होनहार युवक की पतंग की डोर के चलते मौत हो गई। मैं सभी प्रशासनिक और पुलिस विभागों को छापेमारी करने और ऐसे उल्लंघनों में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करने का निर्देश दे रही हूं। सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर उन्होंने लिखा, मैं अधिकारियों को 48 घंटे का समय दे रही हूं। फैसलाबाद की घटना के बाद आक्रामक दिखीं मरियम नवाज फैसलाबाद की घटना के बाद से ही मरियम नवाज खासा आक्रोशित दिखाई दे रही है। उन्होंने पतंगबाजी को रोकने में अधिकारियों की विफलता पर चिंता जाहिर की है। मौज मस्ती के लिए किसी नागरिक की जान जोखिम में डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इस बीच, पुलिस अधिकारी कैप्टन मुहम्मद अली जिया ने अपने क्षेत्र में पतंगबाजी रोकने में विफल रहने के लिए फैक्ट्री एरिया स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) को निलंबित कर दिया। 2005 से पाकिस्तान में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध बता दें फैसलाबाद का रहने वाला 20 वर्षीय आसिफ शफीक पतंग की डोर की चपेट में आ गया, जिसके कारण गले पर गंभीर घाव बन गए। घटना के बाद आसिफ की मौत हो गई। गौरतलब है कि पतंग की डोर के कारण लगातार मौतों में वृद्धि के बाद 2005 से पाकिस्तान में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि फैसलाबाद समेत पंजाब में कुछ शहर हैं, जहां प्रतिबंध के बावजूद बसंत उत्सव मनाया जाता है। पंजाब पुलिस ने हाल ही में लाहौर और प्रांत के अन्य हिस्सों में पतंग उड़ाने के लिए कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

शौचालय में मिले 28 शव, आईएस ने जारी किया गोलीबारी का वीडियो

मॉस्को, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

रूस के क्रॉकस सिटी में हुई गोलीबारी में 130 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। आतंकियों ने मासूम लोगों को निशाना बनाते हुए हॉल में धमाका किया और जमकर गोलियां बरसाई थीं। अब तक इस घटना पर 11 संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से चार वह बंदूकधारी हैं, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल रहे। वहीं, हमले की जिम्मेदारी आईएस-खोरासान ने ली है। इस बीच, यूक्रेन के अधिकारियों ने सफाई दी है कि वह इस हमले के पीछे नहीं हैं। हालांकि, रूसी अधिकारियों का दावा है कि हमलावरों को यूक्रेन से मदद मिली थी।

रूसी अधिकारियों ने पहले कहा था कि गोलीबारी में 143 लोग मारे गए हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने बताया कि 24 घंटे से अधिक समय की तलाश में 133 शव बरामद किए गए हैं। 107 लोग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

आइए जानते हैं आंतकी हमले से लेकर आतंकियों की गिरफ्तारी तक क्या कुछ हुआ-

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 मार्च के दिन राष्ट्रीय शोक का एलान किया। पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने भागने की कोशिश की; वे यूक्रेन की सीमा की ओर बढ़ रहे थे। जांच अधिकारी हमलावरों की पहचान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। ये अपराधी विशेष रूप से हमारे लोगों को मारने के लिए गए थे। पुतिन ने अन्य देशों से सहयोग की उम्मीद भी जताई।

रूस की सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, हमलावरों के यूक्रेन में संपर्क थे और वह बॉर्डर की तरफ भाग रहे थे। हालांकि, रूस-यूक्रेन बॉर्डर तक पहुंचने से पहले ही उन्हें ब्रायन्स्क प्रांत में पकड़ लिया गया।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने साफ मना कर दिया है कि उनके देश का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।यूक्रेनी सैन्य खुफिया प्रवक्ता एंड्री युसोव ने बताया कि उनका देश इस आतंकवादी हमले में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी आक्रमण के खिलाफ खुद का बचाव कर रहा है और यह कब्जा करने वालों की सेना के खिलाफ लड़ रहा है, न कि नागरिकों के खिलाफ।

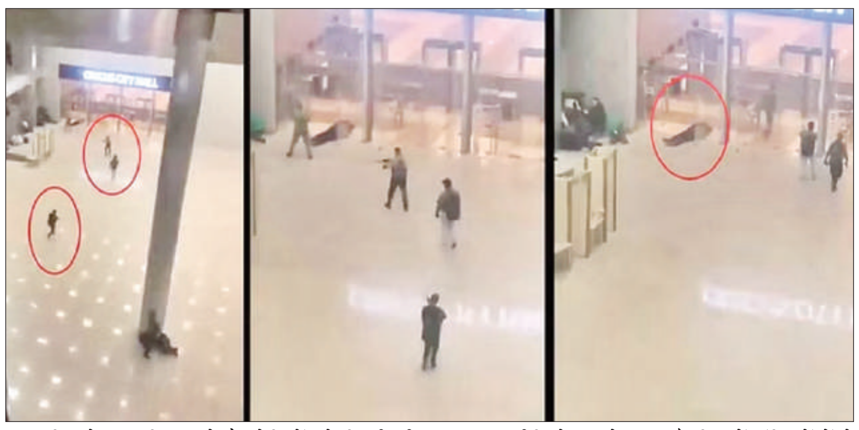

पुतिन ने कहा कि हमले के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच के बाद हत्याकांड के दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा, हम उन सभी की पहचान करेंगे और उन्हें सजा देंगे जो रूस के खिलाफ और हमारे लोगों के खिलाफ इस अत्याचार की योजना बनाने वाले आतंकवादियों के पीछे हैं।

इस बीच, अमेरिका के व्हाइट हाउस ने दावा किया कि अमेरिकी सरकार ने मॉस्को में एक योजनाबद्ध हमले के बारे में रूस के साथ जानकारी साझा की थी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वाटसन ने कहा कि इस हमले में यूक्रेन का कोई हाथ नहीं है।

कॉन्सर्ट हॉल में कुछ लोगों की मौत बंदूक की गोली लगने से हुई, जबकि अन्य की आग में जलने से मौत हो गई क्योंकि बंदूकधारियों ने हॉल में आग लगाने के लिए पेट्रोल का इस्तेमाल किया था। 28 शव शौचालय से और 14 शव सीढ़ी से बरामद किए गए।

रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने कहा कि हमलावरों को पुलिस ने मॉस्को से लगभग 340 किलोमीटर (210 मील) दक्षिण-पश्चिम में ब्रायन्स्क क्षेत्र में देखा था। उन्होंने कहा कि उन्हें रुकने का आदेश दिया, लेकिन वह नहीं रुके, जिसके बाद एक कार का पीछा किया गया। कार में एक पिस्तौल, एक असॉल्ट राइफल के लिए एक पत्रिका और ताजिकिस्तान के पासपोर्ट पाए गए।

एक वीडियो सामने आया है, जिसमें संदिग्धों में से एक युवा, दाढ़ी वाले व्यक्ति से सड़क के किनारे पूछताछ करते हुए देखा गया। संदिग्ध ने कहा कि वह चार मार्च को तुर्की से आया था और उसे टेलीग्राम के माध्यम से अज्ञात लोगों से पैसे के बदले हमले को अंजाम देने का निर्देश मिले थे। इस्लामिक स्टेट आईएस ने कहा कि सैकड़ों लोगों की हत्या करने और भारी तबाही मचाने के बाद उसके लड़ाके सुरक्षित अपने ठिकानों पर लौट आए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने समाचार संस्थानों को बताया है कि जो बाइडन प्रशासन के पास आईएस के जिम्मेदारी के दावे पर संदेह होने की कोई वजह नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा, अमेरिका मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी है, जिसे हर जगह से खत्म किया जाना चाहिए। आईएस से संबद्ध समाचार एजेंसी ने एक ग्राफिक वीडियो जारी किया, जिसमें मॉस्को के एक कॉन्सर्ट हॉल में हुए हमले को दिखाया गया है, जिसे हमलावरों में से एक ने रिकॉर्ड किया है। करीब 90 सेकंड के इस वीडियो में चार हमलावरों को दिखाया गया है, जिनके चेहरे धुंधले हैं और क्रोकस सिटी हॉल परिसर में उनकी आवाजें गूंज रही हैं। वीडियो में एक हमलावर दूसरे को संकेत देते हुए दिखाई दिया। इसके बाद हमलावर एक दरवाजे के पास जाता है, जहां लोग छिपे हुए हैं और उन पर गोलियां चलाता है। वहीं, हॉल के फर्श पर शव और खून देखा जा सकता है।

सिंगापुर में जयशंकर ने दो टूक लहजे में साफ किया भारत का रुख

दहशतगर्द हर भाषा में सिर्फ आतंकवादी उसका कोई बचाव नहीं

सिंगापुर, 24 मार्च (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। यहां रविवार को उन्होंने वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात और वार्ता की। इस दौरान जयशंकर ने हाल ही में रूस की राजधानी में हुए आतंकी हमले की आलोचना की। सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लोगों से वार्ता करते हुए विदेशमंत्री ने कहा कि किसी भी भाषा में एक आतंकवादी, आतंकवादी ही होता है। किसी को भी आतंकवाद की अलग-अलग व्याख्या के कारण आतंकवादी को माफ करने या उसका बचाव करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

उनका यह बयान एक सवाल कि भारतीय अधिकारी अपने वैश्विक समकक्षों के साथ संवेदनशील और भाषाई रूप से भिन्न विषयों पर कैसे विचार करते हैं? पर आया। इस सवाल का जवाब देते हुए विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कई बार राजनीति में अलग-अलग देश अपनी संस्कृति, परंपराओं और कभी-कभी अपनी भाषा या अवधारणाओं को बहस के लिए लाते हैं। लेकिन ये केवल उस मुद्दे का हल ढूढ़ने के लिए होता है। जयशंकर ने कहा कि हालांकि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जहा कोई भ्रम नहीं होता है। जैसे कि आतंकवाद, आप इसे किसी भी भाषा में ले सकते हैं, लेकिन आतंकवादी किसी भी भाषा में आतंकवादी ही होता है। आगे बोलते हुए जयशंकर ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों के भारत-सिंगापुर संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस हमारे पूरे देश के लिए एक प्रत्यक्ष प्रेरणा बने हुए हैं। सुभाष चंद्र बोस ने यहां से दिल्ली चलो का आह्वान किया था, आज दोनों देशों के संबंध हिंद प्रशांत तक पहुंच गए हैं। आज भारत जितना अधिक वैश्वीकरण करेगा, उसका हर पहलू सिंगापुर के साथ संबंधों की प्रगाढ़ता और गुणवत्ता में प्रतिबिंबित होगा। भारत के वैश्वीकरण में सिंगापुर हमारा भागीदार रहा है और वह भूमिका और सहयोग कुछ ऐसा है जिसे हम महत्व देते हैं। आगे बोलते हुए जयशंकर ने सिंगापुर में भारतीय समुदाय को नए भारत के बारे में भी बताया। उन्होंने यहां हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास की त्वरित गति के बारे में बताते हुए कहा कि भारत एक वैश्विक मित्र है। आज का भारत वह भारत नहीं है जिस पर दबाव डाला जाएगा, तो वह अपने मन की बात नहीं कहेगा। आज हमें अगर कोई विकल्प चुनना है, तो हम अपने नागरिकों के कल्याण के लिए विकल्प चुनेंगे।

राष्ट्रपति बाइडन ने शटडाउन टाला, 1.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का बिल पारित किया

वाशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 1.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के कानून पर हस्ताक्षर किए, जिससे आसन्न शटडाउन को टाल दिया गया। साथ ही 30 सितंबर को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान संघीय एजेंसियों की फंडिंग को पूरा किया गया। यह बिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और सीनेट द्वारा पारित किए जाने के बाद आया है। यह विधेयक रक्षा, होमलैंड सुरक्षा, श्रम, स्वास्थ्य और मानव सेवा, शिक्षा, राज्य और विधायी शाखा सहित महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों की एक सूची को संबोधित करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाइडन ने एक बयान में कहा कि पैकेज एक समझौता है, लेकिन यह अमेरिकी लोगों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने बयान में कहा, इस समझौते का अर्थ है कि किसी भी पक्ष को वह सब कुछ नहीं मिला जो वह चाहता था। साथ ही यह बच्चों की देखभाल, कैंसर अनुसंधान और मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करते समय हाउस रिपब्लिकन से अत्यधिक कटौती को अस्वीकार करता है। राष्ट्रपति बाइडन ने यह भी बताया कि अंतिम पैकेज में सीमा को सुरक्षित करने के लिए संसाधन शामिल थे, जिन्हें शामिल करने के लिए मेरे प्रशासन ने सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। उन्होंने अतिरिक्त कानून पारित करने का आग्रह करते हुए यह भी कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का काम खत्म नहीं हुआ है। द्विदलीय राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक को पारित करने का किया आह्वान बता दें कि बाइडन ने सदन से राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए द्विदलीय राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक को पारित करने का आह्वान किया। उन्होंने दोनों सदनों से द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक को पारित करने का आग्रह किया। इसपर उनके प्रशासन ने बातचीत की है, इसे दशकों में सबसे कठिन और निष्पक्ष सुधार कहा। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानून पर हस्ताक्षर करना कैपिटल हिल में एक प्रमुख क्षण को दर्शाता है, क्योंकि यह एक वार्षिक विनियोग प्रक्रिया को बंद कर देता है, जो कि सामान्य से कहीं अधिक लंबी हो गई है। पिछले साल एक अभूतपूर्व वोट में रूढ़िवादियों द्वारा पूर्व अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी को बाहर करने के बाद पक्षपातपूर्ण नीतिगत असहमति और सदन में नेतृत्व के ऐतिहासिक परिवर्तन के कारण यह प्रयास बाधित हुआ है।

कैंसर से जूझ रही राजकुमारी को मिला जनता का अभूतपूर्व समर्थन, कहा- मैं हर दिन मजबूत हो रही हूं

लंदन ।

वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं। जब उन्होंने इस बात का खुलासा किया और कहा कि वह कीमोथेरेपी ले रही हैं। इस खुलासे के बाद से उन्हें जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। केट ने कहा है कि उन्हें लोगों की तरफ से जो संदेश मिल रहे हैं, उनसे वह अत्यधिक प्रभावित हैं।

केट मिडलटन ने कहा- शुक्रिया

केट मिडलटन ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि मैं ठीक हूं और हर दिन मजबूत हो रही हूं। केट ने कहा कि सर्जरी से उबरने के दौरान आपके समर्थन और शुभकामना संदेशों के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद कहना चाहती हूं। ये दो महीने हमारे पूरे परिवार के लिए अविश्वसनीय रूप से कठिनाई भरे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे पास एक शानदार मेडिकल टीम है, जिसने मेरी बहुत देखभाल की है। इसके लिए मैं मेडिकल टीम की बहुत आभारी हूं।

शुभकामना संदेशों से अत्यधिक प्रभावित हैं केट

केंसिंग्टन पैलेस के एक प्रवक्ता ने बताया कि वेल्स की राजकुमारी और उनके पति प्रिंस विलियम जनता द्वारा दिए गए संदेशों से अत्यधिक प्रभावित हैं। केट मिडलटन के पति प्रिंस विलियम ने कहा कि कैंसर की खबर शाही परिवार के लिए बहुत बड़ा झटका है।

ऋषि सुनक बोले- केट ने बहादुरी दिखाई

केट मिडलटन ने जैसे ही घोषणा की कि उन्हें कैंसर है, इसके बाद यह खबर ब्रिटिश अखबारों के पहले पन्ने पर छाई रही। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कैंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने केट मिडलटन को शुभकामना संदेश भेजे। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि

केट मिडलटन ने अपने बयान में जबरदस्त बहादुरी दिखाई। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कुछ मीडिया के कुछ वर्गों और सोशल मीडिया पर केट के बयान पर गलत व्यवहार किया।

कैंसर के बारे में बच्चों को बताने में लगा समय

केट मिडलटन अपने बच्चों को भी इस बारे में बता चुकी हैं कि वह कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों जॉर्ज, शार्लेट और लुइस को सब कुछ समझाने में काफी समय लगा। हमें बच्चों इस तरह बताना था कि उन पर इसका असर न पड़े। केट ने अपने बच्चों को भरोसा दिलाया है कि वे जल्दी ठीक हो जाएंगी।

मिस्र के अस्पताल पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस, फलस्तीनी लोगों की हालत पर जताई चिंता

काहिरा, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस मिस्र के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मिस्र के अल अरिश शहर के एक अस्पताल का दौरा किया, जिसमें फलस्तीनी लोगों का इलाज हो रहा है। वहां की हालत पर उन्होंने दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस हालत को अब तक की सबसे खराब हालत करार दिया है। इस दौरान एक बार फिर इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच उन्होंने युद्धविराम की मांग दोहराई। गौरतलब है कि सात अक्तूबर से दोनों पक्षों के बीच युद्ध जारी है, जब हमास ने इजराइली शहर पर ताबड़तोड़ 5000 से अधिक रॉकेट बरसाए। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के करीब 33,000 लोगों की मौत हो गई है।

एक बार फिर युद्धविराम के लिए कतर में बैठक

कतर में एक बार फिर अस्थाई युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए चर्चा हो रही है। बैठक में सीआईए निदेशक बर्न्स, कतरी पीएम मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल थानी और मिस्र के खुफिया मंत्री कामेल शामिल हैं। बैठक के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल को मंजूरी दे दी है। मोसाद निदेशक बार्निया इजराइली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

हमले के यह तीन कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल

के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें। हमाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब के बाद मिस्त्र के दौरे पर गए थे। उन्होंने इस दौरान वहां के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एंटनी ब्लिकंन इजराइल का दौरा भी करेंगे और इजराइली सरकार के साथ बंधकों की रिहाई के प्रयासों पर बात करेंगे। साथ ही ब्लिंकन गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के प्रयासों पर भी बात करेंगे। इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी विदेश मंत्री का पश्चिम एशिया का यह छठा दौरा है।

गाजा में युद्धविराम पर यूएन में मतदान की तैयारी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के दौरान गाजा में मानवीय युद्धविराम की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए तैयार है। हालांकि, अमेरिका ने चेताया है कि इस तरह के कदम से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा कराने के इजराइल के प्रयासों को झटका लग सकता है। परिषद में भारतीय समयानुसार रविवार तड़के मतदान होने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को रूस व चीन का समर्थन प्राप्त है जबकि दोनों देशों ने गाजा में तत्काल युद्धविराम संबंधी एक अमेरिकी प्रस्ताव पर वीटो का इस्तेमाल किया था। संयुक्त राष्ट्र में 22 देशों के अरब समूह ने परिषद के सभी 15 सदस्यों से 'एकता व तत्परता के साथ कार्य करने, रक्तपात को रोकने, मानव जीवन की रक्षा करने' के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की।

अस्पताल पर इजराइली हमले में अब तक गाजा के 170 बंदूकधारी मारे गए...

वहीं, दूसरी तरफ गाजा के मुख्य अस्पताल के आसपास इजराइली हमलों में अब तक गाजा के 170 से अधिक लड़ाकों की मौत हो चुकी है।

आज खेली जाएगी रंग वाली होली

बन रहे हैं चार अत्यंत शुभ योग

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

होली एक सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक त्योहार है। पूरे भारत में इसका अलग ही जश्न और उत्साह देखने को मिलता है। होली भाईचारे, आपसी प्रेम और सद्भावना का त्योहार है। इस दिन लोग एक दूसरे को रंगों में सराबोर करते हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है और इसके अगले दिन होली मनाई जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना गया है। होली एक सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक त्योहार है। पूरे भारत में इसका अलग ही जश्न और उत्साह देखने को मिलता है। होली भाईचारे, आपसी प्रेम और सद्भावना का त्योहार है। इस दिन लोग एक दूसरे को रंगों में सराबोर करते हैं। घरों में गुझिया और पकवान बनते हैं। लोग एक दूसरे के घर जाकर रंग-गुलाल लगाते हैं और होली की शुभकामनाएं देते हैं। फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होली का त्योहार मनाया जाता है। इसके अगले दिन रंग वाली होली खेली जाती है। इस साल होलिका दहन 24 मार्च को मनाया जाएगा। जबकि रंग वाली होली 25 मार्च को खेली जाएगी। इस साल होली पर वृद्धि योग और ध्रुव योग बनने जा रहे हैं। वृद्धि योग में किए गए काम आपको लाभ देते हैं। यह योग व्यापार के लिए काफी फायेदमंद माना जाता है। साथ ही ध्रुव योग से चंद्रमा और सभी राशियों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। साथ ही इस दिन उत्तरा फाल्गुनी और हस्त नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है।

बन रहा है होली पर दुर्लभ योग

वैदिक पंचांग में बताया गया है की होली पर्व के दिन चार अत्यंत शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन वृद्धि योग रात्रि 09:29 तक रहेगा और इसके बाद ध्रुव योग शुरू हो जाएगा। साथ ही इस दिन उत्तरा फाल्गुनी और हस्त नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र 10:40 तक रहेगा और इसके बाद हस्त नक्षत्र शुरू हो जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में इन सभी को पूजा-पाठ के लिए श्रेष्ठ समय बताया गया है।

देशभर में अलग-अलग तरह से मनाई जाती है होली

भारत के अधिकांश प्रदेशों में होली का त्योहार अलग-अलग नाम और रूप से मनाया जाता है। जहां एक तरफ ब्रज की होली आकर्षण का केंद्र होती है, वह ीं बरसाने की लठमार होली को देखने के लिए भी दूर-दूर से लोग आते हैं। मथुरा और वृंदावन में 14 दिनों तक होली धूमधाम से मनाई जाती है। इनके आलावा बिहार में फगुआ, छत्तीसगढ़ में होरी, पंजाब में होला मोहल्ला, महाराष्ट्र में रंग पंचमी, हरियाणा में धुलंडी जैसे नामों से होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। प्राचीन काल में होली चंदन और गुलाल से ही खेली जाती थी, लेकिन समय के साथ- साथ इसमें बदलाव आता गया और वर्तमान समय में प्राकृतिक रंगों का भी उपयोग किया जाने लगा, जिससे त्वचा और आंखों पर कोई भी दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।

होली का महत्व

होली का हिंदुओं के लिए जो धार्मिक महत्व है वह काफी ज्यादा है। यह हिंदू धर्म की सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। होली के त्यौहार के दौरान लोग बहुत खुशी और उत्साह के साथ जश्न मनाते हैं। यह त्यौहार लगातार दो दिनों तक मनाया जाता है।, इसकी शुरुआत छोटी होली से होती है और उसके बाद धूलंडी होती है। जिसे बड़ी होली या रंग वाली होली भी कहा जाता है। छोटी होली की पूर्व संध्या पर होलिका दहन का आयोजन किया जाता है। लोग अलाव जलाते हैं। होलिका की पूजा करते हैं और उसकी सात बार चक्कर लगाते हैं अथवा परिक्रमा करते हैं। धूलंडी के दिन भुगतान के रूप में पानी और रंगों का इस्तेमाल किया जाता है।वे एक-दूसरे के घरों में जाते हैं और अपने चेहरे पर गुलाल या चमकीले रंग लगाते हैं और खुशी-खुशी इस रंगों के त्योहार को मनाते हैं।

दाऊ जी मन्दिर में होती है प्रेम पगी देवर भाभी की अनूठी होली

तीन लोक से न्यारी मथुरा नगरी में बल्देव की होली देवर भाभी की ऐसी अनूठी होली है जो पारिवारिक एकता का संदेश देती है। इस बार यह होली 26 मार्च को खेली जाएगी।

बल्देव की होली को दाऊ जी की होली कहा जाता है। इस होली में जहां श्रद्धा, भक्ति और संगीत की त्रिवेणी प्रवाहित होती है वहीं देवर भाभी की यह होली मर्यादा बनाये रखने का ज्वलंत उदाहरण पेश करती है। वैसे भी इस होली में मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि होली खेलने के समय बल्देव और उनके छोटे भाई कान्हा मौजूद रहते हैं। यह मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि इसमें कल्याणदेव के वंशज ही भाग लेते हैं।इस होली को हुरंगा कहा जाता है। इस होली के दौरान मन्दिर की छत से अनवरत गुलाल की वर्षा होती रहती है जिससे ''उड़त गुलाल लाल भये बादर '' का दृश्य बन जाता है।

ब्रज की महान विभूति डा घनश्याम पाण्डे ने बताया कि यहां पर होली केवल टेसू के रंग से खेली जाती है जो 40 फीट लम्बे, तीन फुट चौड़े और पांच फीट गहरे विशाल हौज में तीन दिन में तैयार किया जाता है। हुरंगे के दिन बाल भोग के बाद श्रंगार आरती के दर्शन खुलते हैं। दोपहर 12 बजे समाज गायन होता है इसके बाद राजभोग के दर्शन होते हैं जो होली शुरू होने का एक प्रकार से संकेत होता है।

यह होली प्रतीकात्मक रूप में कान्हा और उनके सखा तथा मां रेवती और उनकी सखियों के प्रतीक के रूप में होती है। हुरिहारिने जब वस्त्र फाड़ती हैं तो मर्यादा बनी रहती है तथा कमर के नीचे के वस्त्र या पगड़ी को वे स्पर्श तक नही करती हैं।

दाऊ जी मन्दिर के प्रबंधक कन्हैया पाण्डे ने बताया कि हुरंगे के लिए 50 मन गुलाल, 50 मन भुरभुर , 50 मन केसरिया रंग एवं 60 मन टेसू के फूल मगाए गए हैं इसके अलावा भक्त भी गुलाल आदि लाते हैं।

समाज गायन समाप्त होने तक कल्याण देव के वंशज के घरों की बहुएं मन्दिर में एकत्र हो जाती हैं और उस समय तक मन्दिर में कृष्ण , बल्देव के प्रतीक दो झंडे आ जाते हैं। उधर कल्याण देव के वंशज अपनी भाभी से होली खेलने के लिए मन्दिर प्रांगण में इकट्ठा हो जाते हैं। इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते हैं

लाला होरी तो ते तब खेलूं मेरी पहुंची मे नग जड़वाय

इस रसिया के स्वर इतने मधुर होते हैं कि दर्शकों तक के पैर थिरक उठते हैं। हुरिहार बाल्टियों में टेसू का रंग भरकर हुरिहारिनो पर हांथ से उलीच कर रंग डालते हैं या फिर किसी हुरिहारिन को रंग से सराबोर करते हैं तो हुरिहारिने भी हुरिहारों के वस्त्र फाड़कर उसके गीले पोतनों से उनकी पिटाई करती हैं । मन्दिर में झंडे घूमते रहते हैं। अगर हुरिहार किसी हुरिहारिन से अधिक बलशाली होता है तो दो तीन हुरिहारिने मिल कर उसके वस्त्र फाड़कर पोतनो से पिटाई करती है।इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते हैं

आज बिरज में होरी रे रसिया

हुरिहार इसी दौरान अपने किसी साथी को हुरिहारिनो के समूह के सामने उठाकर लाते हैं और वे उसकी पोतनों से पिटाई करती हैं।उधर मन्दिर की छत से रंग बिरंगे हुलाल की अनवरत वर्षा होती रहती हैं। हुरिहार मस्ती में आकर बाल्टियों से दर्शकों को भी रंग से सराबोर करने का प्रयास करते हैं। हुरंगा की चरम परिणति में झंडे की लूट हुरिहारिनो द्वारा शुरू हो जाती है। वे पहले एक झंडे को लूटती हैं तथा बाद में दूसरे झंडे को लूटती हैं जो हुरंगा समाप्त होने का संकेत होता है। इधर हुरिहार गाते हुए जाते हैं

हारी रे गोरी घर चली जीत चले नन्दलाल

इसके जवाब में हुरिहारने गाती हैं

हारे रे लाला घर चले जीत चले ब्रजबाल।

इस प्रकार दाऊ जी का हुरंगा प्रेम की अनूठी कहानी कहते हुए समाप्त होता है।

प्रसिद्ध होने के साथ-साथ रहस्यमय भी हैं भारत के ये मंदिर, जानिए इनसे जुड़ी मान्यताएं

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी सुबसूरती के लिए लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसके साथ ही भारत में कई ऐसे में मंदिर भी हैं, जो प्रसिद्ध होने के साथ-साथ बहुत प्राचीन भी हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर, काशी विश्वनाथ और तिरुपति बालाजी मंदिर इसके ही कुछ सटीक उदाहरण हैं। ये मंदिर दुनियाभर में तो प्रसिद्ध हैं ही, साथ ही इस मंदिरों से जुड़ी मान्यताएं और चमत्कार भी चर्चा का विषय बने रहते हैं।

जगन्नाथ पुरी मंदिर

ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर, विष्णु भगवान के ही एक रूप श्री जगन्नाथ को समर्पित माना जाता है। हिंदू धर्म में इस मंदिर को धरती का बैकुंठ भी कहा जाता है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर में ऐसे कई चमत्कार होते हैं, जो किसी भी व्यक्ति को आश्चर्य में डाल सकते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार है मंदिर के ध्वज का हवा की विपरीत दिशा में लहराना। साथ ही इस मंदिर का एक रहस्य यह भी है कि मंदिर के द्वार तक समुद्र के लहरों की आवाज सुनाई देती है, लेकिन मंदिर में अंदर प्रवेश करते ही लहरों का शोर बिल्कुल खत्म हो जाता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर

माना जाता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के प्रमुख और प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में गंगा नदी के किनारे स्थित है। साथ ही यह मंदिर बारह ज्योतिर्लिंग में से भी एक है। काशी विश्वनाथ मंदिर को विश्वेश्वर भी कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है 'ब्रह्मांड का शासक'। इस मंदिर को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक यह भी है व्यक्ति को काशी विश्वनाथ के दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

तिरुपति बालाजी मंदिर

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला पर्वत पर स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में से एक मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, विवाह के उपलक्ष्य में लक्ष्मी जी को भेंट करने के लिए विष्णु जी ने कुबेर से धन उधार लिया। इसलिए यह माना जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में धन या सोना चढ़ाते हैं, वह असल में भगवान विष्णु के ऊपर कुबेर के ऋण को चुकाने में सहायता भी करते हैं।

मां कामाख्या देवी मंदिर

मां कामाख्या देवी का मंदिर 51 शक्तिपीठों में शामिल हैं। यह मंदिर असम के गुवाहाटी के नजदीक स्थित है। इस मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है बल्कि मां सती के शरीर के अंग की पूजा की जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार जब विष्णु जी ने देवी सती के शव को काटा था, तब इस स्थान पर माता की योनि गिरी और विग्रह में परिवर्तित हो गई, जो आज भी मंदिर में विराजमान है। माना जाता है कि यहां आज भी माता सती रजस्वला होती हैं।

भगवान भोलेनाथ को बहुत प्रिय है यह फल पूजा करते समय शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं

भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, ऐसी मान्यता है। माना जाता है कि बाबा भोलेनाथ को प्रसन्न करना बहुत आसान है । आप उनकी पूजा नियमित करते हैं तो आपकी तरक्की में कभी बाधा नहीं पड़ेगी। आज हम आपको यहां पर एक ऐसे फल को चढ़ाने के बारे में बताने वाले हैं जो भोलेनाथ को बहुत प्रिय है।

भोलेनाथ को क्या चढ़ाएं

- धतुरे का फल भी आप बाबा भोलेनाथ को चढ़ाते हैं, तो बहुत लाभकारी होगा, यह उन्हें बहुत प्रिय है। आप इसके पत्ते को भी चढ़ा सकते हैं। शिवलिंग पर गंगाजल, घी, शहद, दूध और दही अर्पित किए जा सकते हैं। भगवान शिव को घी, शक्कर और गेंहू के आटे से बना भोग भी लगाया जा सकता है। कहते हैं इससे भई शिव शंकर प्रसन्न हो जाते हैं।

- वहीं, आप भगवान शिव को रुद्राक्ष को फल भी चढ़ा सकते हैं। यह भगवान को अतिप्रिय है। इसको भोलेबाबा गले में भी धारण करते हैं। आप उन्हें बेल का फल भी चढ़ा सकते हैं। यह भी भोलेनाथ को बहुत प्रसन्न होते हैं। सोमवार को यह फल चढ़ाते हैं आपको इसको लाभ दोगुने मिलेंगे।

- बदरी बेर भी आप भगवान शंकर को बहुत प्रिय है। यह फल बद्रीनाथ में पाया जाता है। इसके अलावा सेब, अनार और केला भी चढ़ा सकते हैं।

रकुल प्रीत ने स्टायलिश आउटफिट पहन गिराई बिजली

हाल ही में जैकी भगनानी के साथ शादी के बंधन में बंधीं रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी छाई हुई हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका नया सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह ब्लैक एंड व्हाइट कलर के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनके बाल खुले हुए हैं और उन्होंने मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में रकुल काफी रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास साफ़ झलक रहा है।

शादी के बाद यह रकुल का नया लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कुछ ही घंटों में उनकी इन तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, शादी के बाद और भी ज्यादा खूबसूरत लग रही हो रकुल! वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, ये सिंपल और स्टाइलिश लुक कमाल का है रकुल।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी और वीडियो शेयर कर फैंस से जुड़ी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने लकमे फैशन वीक के इवेंट में शिरकत की और रैंप वॉक किया।

वरुण तेज की फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन ने अमेजन प्राइम पर दी दस्तक

वरुण तेज की फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन को इस साल 1 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।यह फिल्म हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में रिलीज हुई थी। फिल्म में वरुण की जोड़ी अभिनेत्री नोरा फतेही के बनी है।अब ऑपरेशन वैलेंटाइन ने अमेजन प्राइम वीडियो का दरवाजा खटखटा दिया है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।ऑपरेशन वैलेंटाइन के निर्देशन की कमान शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा ने संभाली है तो वहीं संदीप मुड्डा इस फिल्म निर्माता हैं।

फिल्म नंदकुमार अब्बिनेनी और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। फिल्म में नवदीप और मीर सरवर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।ऑपरेशन वैलेंटाइन की कहानी भारतीय वायु सेना पर आधारित है।लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 1।05 रुपये कमाए थे।फिल्म की कहानी पुलवामा अटैक के इर्द गिर्द घूमती है। वायु सेना को डेडेकेटेड ये मूवी बालाकोट स्ट्राइक की कहानी भी बुनेगी। असल में फिल्म को आर्मी से जुड़ी सच्ची घटाओं के हिसाब से बनाया गया है। जिसमें देशभक्ति का जज्बा भी भरपूर होगा।

मस्ती 4 के लिए हो जाएं तैयार, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब आए साथ

आने वाले दिनों में कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच आने वाले हैं और अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। दरअसल, मस्ती 4 का ऐलान कर दिया गया है। इसके रितेश देशमुख, आफताब और विवेक ओबेरॉय की दमदार तिकड़ी पर्दे पर वापसी कर रही है।फिल्म के पोस्टर के साथ चौथी किस्त का ऐलान कर दिया गया है, जिसे देख मस्ती फ्रैंचाइजी के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है।विवेक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा, हम पुराना धमाका करने के लिए तैयार हैं। अपने आप को तैयार रखें और अपनी सांसें थाम लीजिए, क्योंकि हम मस्ती 4 के फिर वापस आ रहे हैं। जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाले हैं। हम इस रोमांचक और मस्ती से भरे सफर के लिए उत्साहित हैं।उन्होंने पोस्ट में यह बताया कि मिलाप जावेरी इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान संभालेंगे।बता दें कि मस्ती एक सेक्स कॉमेडी फिल्म सीरीज है। इस बार फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी मिलाप को सौंपी गई है। पहले वह इस सीरीज से बतौर लेखक जुड़े हुए थे।मस्ती फ्रैंचाइजी के निर्देशक इंद्र कुमार थे, अब बतौर निर्माता इसमें अपनी भागीदारी देंगे। एकता कपूर भी फ्रैंचाइजी के निर्माताओं में से एक थी, लेकिन चौथे भाग से वह नहीं जुड़ी हैं।ए झुनझुनवाला, एस.के. अहलूवालिया और अशोक ठकेरिया भी फिल्म के सह-निर्माण में शामिल होंगे।इस सीरीज की पहली फिल्म मस्ती 2004 में रिलीज हुई थी। 12 रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 34 करोड़ रुपये कमाए थे।फिर 2013 में आई ग्रैंड मस्ती, जो 34 करोड़ रुपये की लागत से बनी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया।तीसरी किस्त ग्रेट ग्रैंड मस्ती 2016 में थी। हालांकि, 50 करोड़ रुपये में यह फिल्म महज 19 करोड़ रुपये बटोर पाई थी।रितेश जल्द ही अजयद ` व ग न अभिनीत फिल्म रेड 2 में दिखेंगे। इसमें वह विलेन बने हैं, वहीं वेड के बाद वह छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्देशन भी करने वाले हैं।विवेक पिछली बार इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था। हालांकि, मस्ती के अलावा उनकी दूसरी फिल्म का ऐलान अभी नहीं हुआ है।उधर आफताब आखिरी बार ग्रेट ग्रैंड मस्ती में दिखे थे। उसके बाद वह एकाध साउथ की फिल्मों में नजर आए।

लोकसभा चुनाव लड़ेंगी स्वरा भास्कर, पति की तरह राजनीति में किस्मत आजमाएंगी एक्ट्रेस?

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर एक्टिंग की दुनिया में काफी पॉपुलर हैं। इसके साथ ही स्वरा भास्कर तमाम मुद्दों पर खुलकर बात करती नजर आती हैं। अब स्वरा भास्कर को लेकर खबर आ रही है कि वह लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कांग्रेस मुंबई से स्वरा भास्कर को लोकसभा का टिकट दे सकती हालांकि, अभी तक कांग्रेस और स्वरा भास्कर की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। गौरतलब है कि स्वरा भास्कर के पति फहद अहमद समाजवादी पार्टी के नेता हैं। अब देखने वाली बात होगी कि स्वरा भास्कर भी अपने पति के नक्शेकदम पर चलती हैं या नहीं।

स्वरा भास्कर इस सीट से मिल सकता है टिकट

स्वरा भास्कर को लेकर मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि वह कांग्रेस उन्हें मुंबई की उत्तर-मध्य सीट से लोकसभा का टिकट दे सकती है। इस सीट पर बीजेपी की पूनम महाजन सांसद हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि भास्कर कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। कांग्रेस भी स्वरा भास्कर के नाम पर विचार कर सकती है। बताते चलें कि स्वरा भास्कर बीजेपी की नीतियों के विरोध में अक्सर खड़ी नजर आती हैं। स्वरा भास्कर ने सीएए के विरोध में आयोजित एक जनसभा में हिस्सा लिया वहीं, स्वरा भास्कर हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत-जोड़ो न्याय यात्रा में नर आई थीं।

स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद संग की शादी

बताते चलें कि स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद के साथ फरवरी 2023 में शादी की इस कपल के एक बेटी है। स्वरा भास्कर और फहद अहमद की पहली मुलाकात साल 2019 में एक प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी और इसके बाद दोनों करीब आ गए थे। स्वरा भास्कर ने तमाम फिल्मों में काम किया है और उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ होती है। स्वरा की इस साल यानी 2024 में अभी तक एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है।

जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर निवेदिता मेनन की भूमिका निभाएंगी रश्मि देसाई

एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपकमिंग फिल्म जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में लेखिका और प्रोफेसर निवेदिता मेनन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा, सबसे पहले मुझे स्क्रीन पर देखने का इंतजार करने के लिए मेरे प्रशंसकों को बहुत-बहुत धन्यवाद। जिस तरह की मैं भूमिका निभाना चाहती उसके लिए थोड़ा ब्रेक लेना सही निर्णय था। मैंने अपने किरदार के लिए बहुत मेहनत की है।उन्होंने आगे कहा, मेरे इस किरदार से बहुत से लोगों की उम्मीदें जुड़ी हुई है, और इस चीज का ध्यान रखना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। एक कलाकार के तौर पर चरित्र में गहराई उतरने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है।रश्मि ने कहा, अब यह देखने का समय आ गया है कि दर्शक मेरे प्रदर्शन पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि लोगों को मेरा काम पसंद आएगा। प्रोमो के बाद मुझे इतना प्यार देने के लिए सभी का धन्यवाद। आईएमडीबी के मुताबिक यह फिल्म एक छोटे शहर के सौरभ शर्मा के बारे में है जो अब जेएनयू का छात्र है। वहां वह राष्ट्रविरोधी वामपंथी छात्रों की गतिविधियों से बेचैन हो जाता है और उनके खिलाफ आवाज उठाता है।

सोफिया अंसारी साड़ी पहन ढाती हैं कहर कातिलाना हुस्न देख फैंस होते हैं घायल

सोशल मीडिया का काफी पॉपुलर चेहरा सोफिया अंसारी अपनी ग्लैमरस अदाओं के लिए जानी जाती हैं। सोफिया अंसारी अक्सर फोटोज से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। सोफिया अंसारी के एक से बढ़कर एक फोटोज फैंस को दीवाना बनाती हैं। सोफिया अंसारी कई साड़ी पहनकर फोटोशूट कराती हैं और तस्वीरें फैंस के लिए शेयर करती है। सोफिया अंसारी की कातिलाना हुस्न देखकर फैंस घायल होते हैं। सोफिया अंसारी पर अक्सर अपनी साड़ी वाली तस्वीरें शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी का अंदाज को फैंस पसंद आता है।सोफिया अंसारी की साड़ी वाली तस्वीरें देखकर फैंस आहें भरते हैं। सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर फैंस प्यार भी बरसाते हैं।सोफिया अंसारी अपनी साड़ी वाली तस्वीरों में भी कर्वी फिगर फ्लॉन्ट का मौका नहीं छोड़ती हैं। सोफिया अंसारी का बोल्ड अंदाज लोगों का ध्यान खींचता है।सोफिया अंसारी की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। सोफिया अंसारी के द्वारा तस्वीरें शेयर करते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं।सोफिया अंसारी के फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अंसारी अपने फैंस को निराश किए बिना अपनी झलक दिखाती रहती हैं।सोफिया अंसारी अलग-अलग अंदाज से साड़ी पहनती हैं। सोफिया अंसारी का हर अंदाज फैंस को अपनी तरफ आकर्षित करता है।सोफिया अंसारी की कातिलाना अदाएं फैंस को घायल कर जाती हैं। सोफिया अंसारी के फैंस उनकी हर अदा पर रहते हैं।सोफिया अंसारी साड़ी के अलावा कई बार अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी को इसके लिए ट्रोल होना पड़ता हैसोफिया अंसारी को ट्रोलिंग का असर नहीं पड़ता है। सोफिया अंसारी का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी बोल्ड तस्वीरों भरा पड़ा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक़्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक़्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 25 मार्च 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 12:32 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रात: 10:38 तक
योग : वृद्धि रात्रि 09:28 तक
करण : बव दोपहर 12:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– धुलंडी , बसन्तोत्सव, होलाष्टक समाप्त , खरमास चालू हैं, मन्वादि , श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती, करिदिन , फाल्गुन पूर्णिमा पुण्य

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आचार संहिता लगने के बाद से अब तक 7 जिलों से 150 करोड़ की जब्ती

पूरे मार्च का आंकड़ा 248 करोड़ के पार

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अलग–अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में लगभग 248 करोड़ रुपये कीमत की जब्तियां की हैं। निर्वाचन विभाग के निर्देश पर चुनावों के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 150 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग–अलग एजेंसियां चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान के 7 जिलों जोधपुर, पाली, जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, गंगानगर और बाड़मेर में 10–10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं या नकद राशि बरामद की गई है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक लगभग 32.88 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं की जब्ती जोधपुर में हुई है। इसके साथ ही लगभग 18.61 करोड़ रुपये की जब्ती के साथ पाली दूसरे स्थान पर है।

जयपुर में 17.63 करोड़ रुपये, उदयपुर में 13.70 करोड़ रुपये, भीलवाड़ा में 13.08 करोड़ रुपये, गंगानगर में 12.65 करोड़ और बाड़मेर में 11.17 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं की जब्ती की जा चुकी है।

कांग्रेस ने जयपुर सीट पर बदला चेहरा प्रताप सिंह खचरियावास को उतारा

दौसा से मुरारीलाल मीणा ठोकेंगे ताल

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राजस्थान के लिए लोकसभा उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। जयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार सुनील शर्मा का टिकट बदल दिया है। सुनील शर्मा की जगह प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया है। दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने जयपुर शहर सीट का चेहरा बदल दिया है। चार दिन पहले कांग्रेस ने सुनील शर्मा को अपना जयपुर लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया था। अब इस सीट पर चेहरा बदलते हुए कांग्रेस ने प्रताप सिंह खचरियावास के नाम का एलान किया है। वहीं, दौसा सीट से मुरारीलाल मीणा को उतारा है।

मात्र चार दिन में कांग्रेस के जयपुर लोकसभा प्रत्याशी का चेहरा बदल गया। कांग्रेस ने गुरुवार को सुनील शर्मा को अपना जयपुर लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया था। घोषणा के बाद में सुनील शर्मा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के कार्यक्रम में दिए हुए बयान के के चलते विवादों में आ गए थे। ये विवाद पिछले तीन दिन से चल रहा था। इसके बाद आज शाम को सुनील शर्मा ने प्रेस वार्ता करके अपनी उम्मीदवारी से अपना नाम वापस लेने की बात कही थी। उसके तुरंत बाद एआईसीसी ने एक सूची जारी करते हुए जयपुर लोकसभा का प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास को घोषित कर दिया। कांग्रेस ने अब पहले फेज की सभी 12 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। दौसा सीट पर उम्मीदवार की घोषणा बाकी थी जो अब हो गई है। पहले फेज की जिन सीटों पर 27 मार्च को नामांकन की आखिरी तारीख है उन सब पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारे जा चुके हैं।

भाजपा प्रत्याशियों की सूची जारी

कुरुक्षेत्र से जिंदल और हिसार से चौटाला को टिकट

रोहतक से अरविंद शर्मा और सोनीपत से मोहन लाल को बनाया प्रत्याशी

चंडीगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। काफी मंथन के बाद भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा से लोकसभा सीटों पर बचे हुए प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से, रणजीत चौटाला को हिसार, अरविंद शर्मा को रोहतक से और मोहनलाल को सोनीपत लोकसभा से उम्मीदवार बनाया गया है। नवीन जिंदल और रणजीत चौटाला को भाजपा ज्वाइन करते ही टिकट मिल गया है। इससे पहले छह लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। इनमें करनाल से पूर्व सीएम मनोहर लाल, अंबाला से बंतो कटारिया, गुरुग्राम से राव इंद्रजीत, भिवानी–महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिंह, सिरसा से अशोक तंवर, फरीदाबाद से कृष्ण पाल गुर्जर को प्रत्याशी बनाया गया था। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रोहतक के टिकट को लेकर हो रही देरी पर सभी की इस सीट पर नजर थी। यहां मुकाबला पिछली बार की तरह इस बार भी दिलचस्प होने वाला है। कांग्रेस की ओर से संभावित प्रत्याशी दीपेंद्र सिंह हुड्डा इस सीट पर चुनाव लड़ेंगे। वह पिछली बार काफी कम अंतर से हारे थे।

सिकराय में पहाड़ी के ऊपर जंगल में लगी आग, 40 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक

तीन घंटे में बुझा पाए वनकर्मी

दौसा, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले के सिकराय के भूगोरा गांव की पहाड़ी पर अचानक लगी आग से लगभग 40 हेक्टेयर का एरिया जलकर राख हो गया। वन कार्मियों और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। दौसा जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचई ने बताया कि जिले के सिकराय में लाका चौकी क्षेत्र के भूगोरा गांव में पहाड़ी के ऊपर अचानक एकाएक अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, क्योंकि इस समय पहाड़ी पर सूखी घास लगी हुई है। इस कारण से लगभग 40 हेक्टेयर में आग फैल गई।

उधर, जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचई की मानें तो आग लगने का कारण पहाड़ी पर स्थित मंदिर माना जा रहा है। आज होली होने के चलते मंदिर में पूजा करने आए लोगों ने बिना बुझाई तीली फेंक दी होगी, जिसके चलते संभवत आग लग गई होगी। इधर, जंगल में आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी को दी। इसके बाद जिम्मेदार लोगों की पर पहुंचे और आग बुझाने के लिए ग्रामीणों ने भी मदद की। आग की सूचना पर वन विभाग की ओर से अधिकारी रेंज सिकराय के क्षेत्रीय वन अधिकारी क्षेत्रीय रामकिशन मीणा के नेतृत्व में स्टाफ के साथ आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए। ढाई घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। क्षेत्र में तेज हवाओं के चलते आग पहाड़ी पर कुछ ही देर में फैलती नजर आई। जिला वन अधिकारी अजीत उज्जैन ने बताया कि जिस पहाड़ी पर आग लगी है उस पहाड़ी का कुछ हिस्सा दौसा जिले में तथा कुछ हिस्सा करौली जिले में आता है।

20 हजार के इनामी हत्यारोपी को पुलिस ने दबोचा

भेष बदलकर करवा रहा था आलू की खुदाई

धौलपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजाखेड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आगरा जिले के शमशाबाद थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 20 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। करीब 13 दिन पूर्व आरोपी ने पत्नी की पीट–पीट कर हत्या की थी। पुलिस को गुमराह कर भेष बदलकर आलू के खेत में खुदाई का काम कर रहा था।

राजाखेड़ा थाना प्रभारी वीर सिंह ने बताया पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देश में जिलेभर में वांछित अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया राजाखेड़ा इलाके में 13 मार्च को 25 वर्षीय विवाहिता सपना की हत्या ईट के भट्टे पर की गई थी। मृतका सपना, पिता और पति के साथ ईट भट्टे पर ही मजदूरी का काम करती थी। महिला के पिता बबलू निवासी ललपुरा जिला हमीरपुर ने सपना के पति रोहित पुत्र पृथ्वीपाल निवासी रघुवा जिला हमीरपुर के खिलाफ हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था।

थाना प्रभारी ने बताया तत्कालीन समय पर महिला का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर मामले में अनुसंधान शुरू किया गया। हत्या आरोपी पति रोहित ईंट के भट्टे से फरार हो गया था। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर धौलपुर पुलिस अधीक्षक ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया आरोपी के संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन आरोपी ठिकाने और भेष बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। उन्होंने बताया साइबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

रविवार को आरोपी रोहित की लोकेशन आगरा जिले के शमशाबाद थाना इलाके में ट्रेस हुई थी। पुलिस टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया। आर–ोपी पति आलू के खेत में बोरों में आलू की भराई का काम कर रहा था। सादा वर्दी में पुलिस के जवानों ने सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। अनुसंधान के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पत्नी ही निकली पति की हत्यारोपी, प्रेमी व सहेली के साथ उतारा था मौत के घाट

यमुनानगर, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के जिला मोतिहारी के गांव बाराबुर्क निवासी 40 वर्षीय अजय की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उनकी पत्नी कोमल ने ही की थी। कोमल ने अपने प्रेमी अमित व दिव्यांग सहेली सोनम की मदद से अजय की हत्या की थी। अजय जिंदा तो नहीं है यह जानने के लिए उन्होंने उसके शरीर पर चाकू से कई वार किए। यहां तक की उसका गला भी काटा।

शरीर में कोई हरकत न होने पर आरोपियों ने उसके शव को ई–रिक्शा में डाला और बूड़िया रोड पर चौधरी देवीलाल आयुर्वेदिक कॉलेज के पास सड़क किनारे फेंक दिया और उसमें आग लगा दी। परंतु शव आधा ही जल पाया। जिससे उसकी पहचान करने में मदद मिली। थाना शहर जगाधरी पुलिस ने हत्या के मामले में कोमल व उसकी सहेली सोनम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। वहीं अमित की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि अजय ने कोमल के साथ प्रेम विवाह किया था। जिसके बाद दोनों भाग कर यमुनानगर आ गए थे। वह यहीं पर फैक्टरी में काम करने लगा। इस शादी से उनके पास दो बच्चे भी हैं। कोमल शहर के गोल्डनपुरी में अपनी सहेली सोनम के साथ रहने लगी। सोनम ई–रिक्शा चलाती है। करीब सवा साल पहले अजय वापस बिहार चला गया था। जहां पर उसने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली थी। इस बीच कोमल के अमित के साथ संबंध बन गए। अमित भी ई–रिक्शा चलाता है।

इसी दौरान कुछ दिन पहले अजय यमुनानगर वापस आ गया। पुलिस के अनुसार अजय कोमल को अपने साथ बिहार ले जाने का दबाव बना रहा था। परंतु कोमल ने वापस जाने से मना कर दिया। इसके बाद अजय दोनों बच्चों को अपने साथ बिहार ले जाने की धमकी देने लगा। कोमल को इस बात की चिंता सताने लगी की यदि अजय उसे अपने साथ वापस ले गया तो वह अमित से दूर हो जाएगी। इसलिए उसने अमित व सहेली सोनम से इस बारे में बात की। तीनों ने मिलकर उसकी हत्या की योजना बनाई। 20 मार्च की रात को योजना के तहत अजय की हत्या कर दी। इसके बाद सोनम की ई–रिक्शा में शव को डालकर बूड़िया रोड पर मेडिकल कॉलेज के सामने फेंक दिया। यहां पर अमित ने उसके शव को आग लगा दी।

हिसार में बड़ा हादसा, अनियंत्रित होकर कार खाई में गिरी, तीन की मौत

हिसार, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बास क्षेत्र में अनियंत्रित होकर कार अचानक खाई में गिर गई, जिस कारण तीन लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार गांव मुंढाल के पास अचानक कार खाई में गिर गई। तीनों घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां पर संदीप गांव भैणी महाराज पुर निवासी संदीप व पलवल निवासी अनील को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं गांव भैणी महाराज निवासी तेसी को गंभीर हालत को देखते हुए हिसार रेफर कर दिया। तेसी ने हिसार ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन नागरिक अस्पताल में पहुंच गए। जहां पर परिवार में मातम छा गया।

मृतक के शव को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव का पोस्टमार्टम करवाने के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

बेकाबू लग्जरी कार रेलिंग के हुई आरपार, 135 से 140 किमी प्रतिघंटे थी गाड़ी की रफ्तार

नारनौल, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले में नेशनल हाईवे नंबर 11 पर रघुनाथपुरा के पास एक तेज रफ्तार लग्जरी कार में डिवाइडर की रेलिंग आरपार निकल गई। गनीमत रही कि कार में सवार चारों व्यक्तियों में को किसी खरोंच तक नहीं आई। दिल्ली के महरौली से वोल्वो कार में सवार होकर रामनिवास, अनिल, भरत और सुभाष राजस्थान के चुरु जिले में निजी कार्य से जा रहे थे।

रविवार सुबह नेशनल हाइवे नंबर 11 पर रघुनाथपुरा के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। तेज गति होने की वजह से रेलिंग का एक पाइप लग्जरी कार के अंदर घुस गया। गाड़ी करीब 50 फीट तक लोहे की रेलिंग के अंदर तक चली गई। हालांकि कार में सवार चारों लोगों में किसी भी प्रकार खरोंच तक नहीं आई। गाड़ी की रफ्तार करीब 135 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे थी। हादसे की सूचना बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जदयू ने शाहनवाज के लिए दोनों दरवाजे बंद किए

बिहार में भाजपा की सूची के लिए धड़कनें तेज

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड ने लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में मिली सभी 16 सीटों के प्रत्याशी एक बार में घोषित कर दिए।

किसी टूट, किसी भगदड़ नहीं बल्कि कुछ तकनीकी कारणों से पेच फंसा था। उस पेच का समाधान नहीं हो सका। अब भारतीय जनता पार्टी भी बिहार में एनडीए के खाते से आई अपनी सभी 17 सीटों के लिए एकमुश्त प्रत्याशी घोषित कर दे तो चौंकाने वाली बात नहीं होगी।

चौंकाने वाला होगा पूर्व केंदीय मंत्री और राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन का नाम। क्योंकि उनकी दावेदारी की भागलपुर और किशनगंज सीटें जदयू के खाते में दे दी गई थीं। अब पार्टी को जदयू नहीं, अपने पास तय करना होगा कि क्या भाजपा एक प्रखर अल्पसंख्यक चेहरे को दरकिनार करना चाह रही है? उनके बाकी विकल्प बंद हैं, इसलिए भी चर्चा ज्यादा है।

लोकसभा चुनाव में उनकी दावेदारी 2019 में भी थी। तब भी भागलपुर और किशनगंज सीट भाजपा ने जदयू के खाते में डाल दी थी।

भाजपा पहले भागलपुर में दबदबा रखती थी, लेकिन जदयू के खाते में बिहार की इस महत्वपूर्ण सीट के जाने के बाद से पार्टी यहां दमखम में पिछड़ती गई। अश्विनी चौबे भी वहां से निकल गए। उन्हें बक्सर से मौका मिला और सांसद भी बने, फिर केंद्र में मंत्री भी। इधर भागलपुर में लगातार सक्रियता दिखाने के बाद भी जब सैयद शाहनवाज हुसैन को कुछ नहीं मिला तो 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद बनी बिहार की एनडीए सरकार में उद्योग मंत्री की भूमिका मिली। वह विधान परिषद् के जरिए सरकार में लाए गए। अरसे बाद या शायद पहली बार बिहार में उद्योग विभाग की चर्चा होने लगी। इससे सैयद शाहनवाज हुसैन का कद वापस ठीक हो रहा था। तभी सरकार गिर गई। फिर सरकार पिछले 28 जनवरी को वापस तो आई, लेकिन उन्हें विधान पार्षद रहते हुए भी मंत्री नहीं बनाया गया। जब विधान परिषद् के लिए उनसे नामांकन नहीं कराया गया और राज्यसभा में भी मौका नहीं मिला तो मान लिया गया कि एनडीए के सीट बंटवारे में भागलपुर या किशनगंज सीट भाजपा अपने पास रखे। यह भी नहीं हुआ। फिर भी जदयू से कुछ समझौते की चर्चा चल रही थी और इस नाम पर बहुत कुछ अटका था। समझौता उसी तरह का था, जैसे सुनील कुमार पिंटू को सीतामढ़ी से जदयू ने प्रत्याशी बनाया था। अब जदयू ने अपने प्रत्याशी घोषित कर भागलपुर या किशनगंज से उनकी संभावना समाप्त कर दी है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 में से 39 सीटें एनडीए के नाम रही थीं। सिर्फ जदयू के खाते से किशनगंज सीट पर हार हुई थी। किशनगंज में कांग्रेस के डॉ. मो. जावेद को 3,67,017 वोट मिले थे, जबकि जदयू प्रत्याशी सैयद महमूद अशरफ को 3,32,551 वोटों से संतोष करना पड़ा था। इस क्षेत्र में शाहनवाज हुसैन मेहनत करते रहे हैं और सीएम नीतीश कुमार के साथ भी यहां मंच शेयर करते रहे हैं। भागलपुर नहीं तो किशनगंज से वह उम्मीद लगाए बैठे थे, हालांकि उन्होंने खुद को पार्टी का सिपाही बताते हुए इस विषय में कुछ भी बोलने से इनकार किया। किशनगंज से जदयू ने इस बार मुजाहिद आलम को मौका दिया है। प्रत्याशी बदलने की चर्चा से भी यहां शाहनवाज का नाम चल पड़ा था। वैसे, ऐसा माना जा रहा था कि भागलपुर से भाजपा उन्हें इस बार मौका देगी, लेकिन यह सीट पिछली बार की तरह जदयू में चली गई। जदयू ने दोबारा अयज कुमार मंडल को यहां से प्रत्याशी घोषित किया है। पिछली बार उन्हें यहां 6,18,254 वोट मिले थे, जबकि हारने वाले राजद के शैलेश कुमार मंडल उर्फ वुलो मंडल को 3,40,634 वोट मिले थे।

भाजपा प्रत्याशी पीसी मोहन का स्वागत

बेंगलुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु मध्य लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी पी.सी.मोहन का रविवार को प्रकाश सेरेमिक रामोहनहल्ली पर राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भेंट कर स्वागत किया। पी.सी.मोहन ने उपस्थित प्रवासी राजस्थानी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए आगामी चुनाव में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के मूल उद्देश्य के साथ सभी को मतदान करना चाहिए। इससे पूर्व भाजपा प्रत्याशी पी.सी. मोहन का माला एवं शॉल द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रकाश भायल, गोविंदलाल प्रजापत, कालूराम भायल, सूराराम, मोहनलाल, दिनेश कुमार, मयूर जैन, भूपेश कश्यप, मोहनलाल देवासी, बुधाराम,कालूराम, भोमाराम, सोहनलाल सहित कई लोग उपस्थित थे।

पिता-पुत्र समेत चार को आजीवन कारावास की सजा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में हत्या मामले की सुनवाई के बाद पिता-पुत्र और तीन सगे भाइयों समेत चार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद चार साल की सजा सहित चालीस-चालीस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दरअसल, शनिवार को सजा के बिंदु पर जिला सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार मांझी ने कांड की बहस सुनने के बाद दोषसिद्ध आरोपी उधम यादव, शंभू यादव, धनई यादव और लूटन यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने प्रत्येक सजायाफ्ता को चालीस-चालीस हजार रुपये जुर्माना भी देने का आदेश दिया है। अपर लोक अभियोजक कन्हैया प्रसाद ने बताया कि घटना 12 अप्रैल 2020 की है। जानकारी के मुताबिक, तीनों सजायाफ्ता सहोदर भाई है। जबकि एक अन्य लूटन यादव है जो शंभू यादव का बेटा बताया गया है। बताया जा रहा है कि 11 अप्रैल 2020 को सूचक सबरू यादव ने एक ग्रामीण के हाथों चार बांस बेचे थे। इस पर आरोपी शंभू यादव ने विरोध करते हुए कहा कि जो बांस बेचे गए हैं, उसमें मेरा भी हिस्सा है। तुम्हें अकेले बांस बेचने का अधिकार नहीं है। इसी विवाद को लेकर आरोपी रात में लाठी, गड़ासा, भाले से लैस होकर सबरू यादव के घोठा पर पहुंचे।

गंगा स्नान के लिए गई ननद-भाभी की डूबकर मौत

गोताखोरों ने दोनों शवों को निकाला बाहर

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर जिले के हेमजापुर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गंगा घाट पर रविवार की दोपहर कुछ महिलाएं गंगा में स्नान कर रही थीं। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से एक महिला डूबने लगी। महिला को डूबता देख साथ में स्नान करने आईं दो महिलाएं उसे बचाने की कोशिश करने लगीं। फिर उसे बचाने आईं दोनों महिलाएं भी डूबने लगीं। इसके बाद तीनों महिलाओं को गंगा में डूबता देख स्नान कर रहे अन्य ग्रामीणों ने एक महिला को तो बचा लिया, लेकिन दो महिलाएं गंगा में डूब गईं। दोनों महिलाएं रिश्ते में ननद और भाभी बताई जा रही हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही हेमजापुर थाना पुलिस गंगा घाट पहुंची, जिसके बाद मुंगेर से गोताखोर की टीम को बुला कर गंगा में डूबी दोनों महिलाओं के शव को खोजा गया। काफी मशक्कत के बाद गोताखोर की टीम ने दोनों शवों को बाहर निकाल लिया। जानकारी के मुताबिक, धरहरा प्रखंड वाहाचौकी पंचयात के दुर्गापुर गांव निवासी मनीष कुमार की पत्नी सुनैना कुमारी (32) अपनी ननद सिंधुजा कुमारी (15) और भांजी सुरुचि कुमारी के साथ गांव के पास स्थित गंगा में स्नान करने के लिए गईं थी। बताया जा रहा है कि गंगा स्नान दौरान गहरे पानी में चले जाने से तीनों महिलाएं डूबने लगीं। उनमें से ग्रामीणों की मदद से संजय सिंह की बेटी सुरुचि कुमारी को बचा लिया गया। लेकिन सुनैना कुमारी और सिंधुजा कुमारी गंगा में डूब गईं। घटना की जानकारी मिलते ही धरहरा प्रखंड के अंचलाधिकारी वीरेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गंगा डूबी दोनों महिलाओं के शवों को निकाल लिया गया है। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्तपताल भेज दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन द्वारा पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाएगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने फौजियों के साथ लेह में खेली होली

भारत के शौर्य और पराक्रम की राजधानी है लद्दाख

लेह, 24 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लेह में सशस्त्र बलों के जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचे। उन्होंने लेह में हॉल ऑफ फेम पर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर बहादुरों को याद किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सीमा पर खूब गुलाल उड़ा और मिठाइयां बांटी गईं। रक्षा मंत्री ने लेह में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि लद्दाख भारत माता का चमकता हुआ मुकुट है। यह राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। देश की राजनीतिक राजधानी दिल्ली है। आर्थिक राजधानी मुंबई है और तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है, उसी तरह लद्दाख शौर्य और पराक्रम की राजधानी है।रक्षा मंत्री ने कहा कि मौसम खराब होने के कारण सियाचिन में तैनात जवानों से नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह फिर विश्व के सबसे ऊंचे युद्धस्थल पर जाने की जरूर कोशिश करेंगे। रविवार को होली के पर्व पर केंद्रीय रक्षा मंत्री केंद्र शासित प्रदेश के लद्दाख के लेह में जवानों संग होली मनाने के लिए पहुंचे। लेह हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री का लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा, प्रशासन व सेना के उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया। राजनाथ सिंह के साथ सेना प्रमुख मनोज पांडे भी पहुंचे हुए हैं। रक्षा मंत्री ने लेह में हॉल ऑफ फेम पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जवानों के साथ होली मनाई। उन्हें गुलाल लगाते हुए मिठाई भी खिलाईं। देश के नागरिक अपने घरों में सुरक्षित तरीके से होली मना सकें, इसलिए सीमा पर देश की रक्षा में तैनात वीर सैनिक तैनात हैं। ऐसे में उनका मनोबल बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्री यहां पहुंचे। होली का पर्व मनाते हुए जवानों ने खूब गुलाल उड़ाया और

लद्दाख राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है

भीषण जल संकट में कर्नाटक, सरकार कर रही आरोप-प्रत्यारोप

आर्थिक मदद के लिए आरोप भी और गुहार भी

बेंगलुरु/नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में भीषण जल संकट है। लेकिन राज्य सरकार कुछ करने के बजाय केंद्र सरकार पर आरोप मढ़ने में लगी है। एक तरफ आरोप भी लगा रही है और दूसरी तरफ आर्थिक मदद के लिए गुहार भी लगा रही है।

केंद्र की आर्थिक मदद पाने के लिए कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने तमिलनाडु सरकार के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कर्नाटक संकट के लिए तमिलनाडु सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

उनका कहना है कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से धन नहीं मिल रहा है। केंद्र से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) जारी करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।सीएम सिद्धारमैया ने कहा, हमने राज्य को सूखा राहत निधि के वितरण में देरी को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ ये याचिका दायर की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सूखे की स्थिति पर मंत्रिस्तरीय टीम द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के पांच महीने बाद भी केंद्र ने धनराशि जारी नहीं की है। उन्होंने कहा, राज्य गंभीर सूखे से जूझ रहा है। इससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

पूर्व पीएम ने तमिलनाडु सरकार तो जिम्मेवार ठहराया

जल संकट पर देवगौड़ा ने तमिलनाडु सीएम को घेरा

बेंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु आज बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। गर्मी के आने से पहले ही शहर में जल संकट गहरा गया है। यह न केवल बेंगलुरु बल्कि पूरे देश के लिए एक चिंता का विषय है। यहां के कुछ इलाकों में हालात इतने खराब हो गए हैं कि स्कूल ही बंद कर दिए गए हैं। कर्नाटक राज्य की ऐसी हालत पर पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा ने कहा कि बेंगलुरु समेत पूरे राज्य में पानी का संकट है। पिछले पांच महीनों में बेंगलुरु में कई सारे लोग अपने घरों को ताला लगाकर अपने गृहनगर चले गए हैं। उन्होंने तमिलनाडु के सीएम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस संबंध में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने गंभीर फैसला लिया है।

फोन टैपिंग मामले में हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो आला पुलिस अफसर गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद पुलिस ने फोन टैपिंग के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। जिन अफसरों को गिरफ्तार किया गया है उनमें अतिरिक्त डीसीपी तिरुपतन्ना और अतिरिक्त एसपी एन भुजंगा राव शामिल हैं। एन भुजंगा राव तेलंगाना में बीआरएस सरकार के दौरान सीएम सुरक्षा प्रकोष्ठ में तैनात थे। आरोप है कि बीआरएस कार्यकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की निगरानी के लिए उनके फोन टैप किए गए थे। तिरुपतन्ना पहले एसआईबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के तौर पर काम कर चुके हैं। वहीं भुजंगा राव इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट के एडिशनल एसपी रह चुके हैं। दोनों अधिकारियों पर उन निगरानी दलों का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है जो कथित तौर पर विपक्षी राजनेताओं के टेलीफोन कॉल को सुनते थे। उन पर एसआईबी के निलंबित डीएसपी डी प्रणीत राव के साथ मिलीभगत करने का आरोप है।माना जा रहा है कि ये अधिकारी राव को रिपोर्ट करते थे। राव को हैदराबाद पुलिस पहले ही विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से खुफिया जानकारी मिटाने के साथ-साथ पिछले बीआरएस शासन के दौरान कथित फोन टैपिंग के लिए गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों अधिकारियों को बंजारा हिल्स पुलिस थाने में बुलाया गया, जहां प्रणीत से पिछले एक सप्ताह से पूछताछ की जा रही थी। पता चला है कि प्रणीत और दो अधिकारी से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई थी। हैदराबाद पुलिस ने शनिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दावा किया कि पूछताछ के दौरान, दोनों पुलिस अधिकारियों ने अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग करके अपनी प्रोफाइल विकसित करके अवैध रूप से निजी व्यक्तियों की निगरानी करने की साजिश में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। साथ ही पकड़े गए दोनों अधिकारियों पर विशेष खुफिया ब्यूरो के पूर्व अधिकारी प्रणीत के साथ मिलीभगत से काम करने का आरोप लगा है। आरोप है कि उन्होंने अपराध में अपनी संलिप्तता को छिपाने के लिए सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करके सबूतों को गायब करने की कोशिश भी की।

13 मार्च को अज्ञात व्यक्तियों की प्रोफाइल बनाने और कुछ कंप्यूटर सिस्टम व आधिकारिक डाटा को नष्ट करने के अलावा गुप्त, अनधिकृत और अवैध रूप से उसकी निगरानी करने के आरोपी प्रणीत राव को गिरफ्तार किया गया था। राव को हाल में तेलंगाना सरकार ने निलंबित कर दिया था। वह पिछली बीआरएस सरकार के दौरान डीएसपी थे और बाद में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय में कार्यरत थे।

असम के मुख्यमंत्री ने मुसलमानों को दी हिदायत

बांग्लाभाषी मुस्लिम कुरीतियां छोड़ें तभी स्वीकार्य

दिसपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्ला-भाषी मुस्लिमों को बाल विवाह और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं को छोड़ना होगा। तभी वे मूल निवासी खिलोंजिया माने जाएंगे। उन्हें तभी नागरिक के तौर पर स्वीकार किया जाएगा। इससे पहले भी मुख्यमंत्री सरमा ने बांग्ला-भाषी मुस्लिमों को लेकर कहा था कि असम में सामाजिक कुरीतियों के लिए बांग्ला-भाषी मुस्लिम समुदाय के लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा था कि इस समुदाय में ज्यादातर लोग बांग्लादेश से आए हैं। असम में बंगाली बोलने वाले मुस्लिमों को मियां कहा जाता है। सीएम सरमा का कहना है कि मियां यहां के मूल निवासी हैं या नहीं, यह अलग मुद्दा है। हम यह कह रहे हैं कि अगर बंगाली बोलने वाले मुस्लिम मूल निवासी बनना चाहते हैं तो इसमें कोई समस्या नहीं है लेकिन उन्हें कुरीतियों को छोड़कर महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करना होगा। तब ही वे मूल निवासी कहलाए जाएंगे। इसलिए इन लोगों को बाल विवाह और बहुविवाह को छोड़ना होगा।इसके बाद हेमंत बिस्वा सरमा ने असम की संस्कृति की बात की। उन्होंने कहा कि असम में लड़कियों की तुलना देवी से की जाती है और हमारी संस्कृति में उनकी दो तीन बार शादी नहीं होती।

कार्टून कॉर्नर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com